E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित
राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 10 | अंक : 272 | गुवाहाटी | शुक्रवार, 3 मई, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

2-जी स्पेक्ट्रम फैसले पर एससी ने खारिज की सरकार की याचिका पेज 2
मणिपुर में केसीपी (नोयोन) के एक और प्रीपाक के दो कैडर गिरफ्तार पेज 3
उत्तर से दक्षिण पूर्व से पश्चिम तक फैला है भ्रष्टाचारियों का कुनबा : जेपी नड्डा पेज 5
मयंक यादव के दोबारा चोटिल होने के लिए सुपर जॉयंट्स का प्रबंधन दोषी : ब्रेट ली पेज 7

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

दूध पीने के लिए गाय का बछड़ा अपनी मां के थनों पर प्रहार करता है।

- आचार्य चाणक्य

धुबड़ी में मुकाबला एआईयूडीएफ एनडीए और कांग्रेस के बीच : सीएम

धुबड़ी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है धुबड़ी लोकसभा सीट पर एनडीए समर्थित असम गण परिषद के उम्मीदवार की जीत हो सकती है। उन्होंने कहा कि इस सीट पर लोगों के उत्साह को देखकर अब ऐसा लग रहा है कि मुकाबला यहां एआईयूडीएफ, एनडीए तथा कांग्रेस के बीच होगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस उम्मीदवार रकीबुल हुसैन की माफियागिरी अब नहीं चलेगी। उन्होंने कहा कि राज्य में रकिबुल हुसैन के समय में जिस प्रकार गैंडों की हत्या हुई थी, उसे लोग नहीं भूल सकते। मुख्यमंत्री गुरुवार को धुबड़ी में एक विशाल चुनावी रैली को संबोधित करने के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। एक प्रश्न के उत्तर में मुख्यमंत्री ने कहा कि बरपेटा लोकसभा सीट पर एनडीए उम्मीदवार की जीत पक्की है। उन्होंने कहा कि यदि धुबड़ी सीट भी एनडीए के पक्ष में आ जाए तो कोई बड़ी बात नहीं है। इससे पूर्व मुख्यमंत्री ने रैली को संबोधित करते हुए केंद्र तथा राज्य की भाजपा सरकारों द्वारा विकास के साथ-साथ लोक कल्याण के लिए किए जा रहे कार्यों की चर्चा की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने सरकार द्वारा चलाई जा रही कई योजनाओं की चर्चा की। मुख्यमंत्री ने दोहराया कि नरेंद्र मोदी 400 से अधिक सीटें जीतकर तीसरी बार देश का प्रधानमंत्री बनने जा रहे हैं।

भारी बारिश के बीच अलर्ट पर डिमा हसाउ, शैक्षणिक संस्थान, राजमार्ग बंद

हाफलांग। असम के डिमा हसाउ जिला बुधवार (01 मई) की रात से भारी बारिश के बाद हाई अलर्ट पर है। गुवाहाटी में क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र (आरएमसी) द्वारा जारी चेतावनी के जवाब में डिमा हसाउ जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) ने एक सलाह जारी की, जिसमें लोगों से आज से 04 मई तक या बारिश कम होने तक बाहर न निकलने का आग्रह किया गया है। मौजूदा मौसम की स्थिति के कारण जिले के सभी शैक्षणिक संस्थानों को 04 मई तक बंद रखने का निर्देश दिया गया है। इसके अतिरिक्त, भारी बारिश के कारण राष्ट्रीय राजमार्ग-27 का -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

मणिपुर में नकाबपोश बदमाशों ने बैंक से लूटे 20 लाख

इंफाल। मणिपुर के चुराचांदपुर जिले में गुरुवार को एक बैंक लूट लिया गया। यह जानकारी अधिकारियों ने दी। उन्होंने बताया कि यह घटना दोपहर करीब दो बजे तुईबोंग इलाके में एसबीआई की सालबुंग शाखा में हुई। उन्होंने बताया कि प्रारंभिक जानकारी से पता चलता है कि चार हथियारबंद लोगों ने -शेष पृष्ठ दो पर

दिल्ली महिला आयोग के 223 कर्मचारी हटाए गए

नई दिल्ली (हि.स.)। दिल्ली के उप राज्यपाल विनय कुमार सक्सेना के आदेश के बाद दिल्ली महिला आयोग (डीसीडब्ल्यू) से 223 कर्मचारियों को तत्काल प्रभाव से हटा दिया गया है। आरोप है कि डीसीडब्ल्यू की तत्कालीन अध्यक्ष स्वाति मालीवाल ने नियमों के खिलाफ जाकर इनकी नियुक्ति की थी। डीसीडब्ल्यू के आदेश की कापी गुरुवार को एक्स पर -शेष पृष्ठ दो पर

मणिपुर से 38 अवैध घुसपैठिए भेजे गए म्यांमार

इंफाल (हि.स.)। म्यांमार के अवैध घुसपैठियों को वापस भेजने के पहले चरण में गुरुवार को मणिपुर से 38 घुसपैठियों को मोरेह के रास्ते भारत से म्यांमार भेजा गया। इस वापसी समारोह के दौरान एक भारतीय नागरिक को म्यांमार से वापस लाया गया। मणिपुर सरकार देश की सीमाओं और देश की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए लगातार अवैध घुसपैठियों की पहचान कर रही है। उनका बायोमेट्रिक डेटा रिकॉर्ड कर -शेष पृष्ठ दो पर

कांग्रेस ने शरमन अली को अयोग्य ठहराने की मांग की

गुवाहाटी। कांग्रेस ने असम विधानसभा से अपने निलंबित विधायक शरमन अली अहमद को अयोग्य ठहराने की मांग करते हुए अधिकारियों को 167 पन्नों की एक शिकायत सौंपी है। पार्टी ने उनपर लोकसभा चुनाव में कांग्रेस उम्मीदवारों के खिलाफ प्रचार करने का आरोप लगाया है। बता दें कि यह दूसरी बार है, जब कांग्रेस ने शरमन अली अहमद को अयोग्य ठहराने के लिए स्पीकर विश्वजीत दैमारी से संपर्क किया। विधानसभा में कांग्रेस के उपनेता और धुबड़ी लोकसभा सीट से उम्मीदवार रकीबुल हुसैन ने कहा कि अहमद सीधे तौर पर पार्टी के आधिकारिक उम्मीदवारों के खिलाफ प्रचार कर रहे हैं। उन्होंने अपने फेसबुक पेज पर -शेष पृष्ठ दो पर

डॉक्टरों को कभी भी किसी लालच और दबाव में नहीं आना चाहिए : सीजेआई

दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश डॉक्टर धनंजय यशवंत चंद्रचूड़ ने कहा कि डॉक्टरों को बिना किसी के दबाव में आकर मरीजों के उपचार पर ध्यान देना चाहिए। डॉक्टर ही भगवान का दूसरा रूप होते है। वह एम्स स्थित जेएलएन आडिटोरियम के सभागार में आरडीएसीओएन कार्यक्रम में बोल रहे थे। एम्स स्थित जेएलएन ऑडिटोरियम के सभागार में आरडीएसीओएन कार्यक्रम का सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश डॉक्टर धनंजय यशवंत चंद्रचूड़ ने दीप प्रज्वलित कर किया। उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया में एम्स जैसा इंस्टीट्यूट दूसरा नहीं है। यहां -शेष पृष्ठ दो पर

प्रज्वल रेवन्ना के खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी

नई दिल्ली। जद (एस) के लोकसभा उम्मीदवार प्रज्वल रेवन्ना से जुड़े अश्लील वीडियो मामले की जांच कर रही विशेष जांच टीम (एसआईटी) ने गुरुवार को उनके खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी किया। यह नोटिस दुनिया भर के सभी इमिग्रेशन प्वाइंट पर जारी किया गया था। यह घटनाक्रम तब सामने आया है जब रेवन्ना 26 अप्रैल को कथित तौर पर जर्मनी के फ्रैंकफर्ट भाग गए थे, क्योंकि बड़ी संख्या में स्पष्ट वीडियो और तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो गई थीं, जिसमें उन्हें कई महिलाओं के यौन शोषण में लिप्त दिखाया गया था। पूर्व -शेष पृष्ठ दो पर

सरकार ने राज्यों से मांगी मदद, कहा-

नए आपराधिक कानूनों के लिए पुलिस को दें प्रशिक्षण

नई दिल्ली। 1 जुलाई से भारत देश में तीन नए आपराधिक कानून लागू होने वाले हैं। गृह मंत्रालय ने पुलिसकर्मियों को प्रशिक्षण दिलाने के लिए सभी राज्यों से मदद मांगी है। ताकि सभी तक इसकी जानकारी पहुंच सके। देश के कानून में कुछ बदलाव किए हैं, 1 जुलाई को तीन नए कानून गृह मंत्रालय लागू कर रहा है। नए कानून हैं भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम हैं, जो कि औपनिवेशिक युग के भारतीय दंड संहिता, आपराधिक प्रक्रिया संहिता और 1872 के भारतीय साक्ष्य अधिनियम की जगह लेंगे। इन नए कानूनों का उद्देश्य देश के नागरिकों को त्वरित न्याय देना है। साथ ही न्यायिक और अदालत प्रबंधन प्रणाली को मजबूत करना है। नए कानून औपनिवेशिक विरासत से न्याय प्रणाली की दिशा में बदलाव है। भारत सरकार का प्रयास है कि आम जनता कि सभी रैंक के पुलिस और जेल अधिकारियों तक पहुंच बनाई जा सके। गृह मंत्रालय ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को एक संदेश भेजा है। जिसमें यह कहा है कि कानून और न्याय में आसानी लाने के लिए आधुनिक समय और समसामयिक प्रौद्योगिकियों के साथ नए प्रावधानों के साथ आपराधिक कानूनों में शामिल किया गया है। इसका उद्देश्य सहजता का युग लाना है। यह भी कहा कि देश में सकारात्मक बदलाव के बारे में उन्हें बताया जाए। नए प्रावधानों की बुनियादी जानकारी दी जाए। ताकि उन्हें ईमानदारी और आत्मविश्वास के साथ लागू किया जा -शेष पृष्ठ दो पर

सनातन का अपमान सपा व इंडी गठबंधन की पहचान : अमित शाह

बरेली (हि.स.)। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को बरेली में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि सनातन का अपमान एवं अपराधियों का सम्मान ही सपा और इंडी गठबंधन की पहचान बन गई है। इसीलिए इन्हें नकार कर पूरा उत्तर प्रदेश मोदी के साथ खड़ा है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश की जनता एक बार फिर गुंडाराज और परिवारवाद को नकार कर भाजपा के विकासवाद को चुनने जा रही है। केंद्रीय गृहमंत्री बरेली के श्री रामलीला मैदान निकट हार्टमैंन कॉलेज में भाजपा उम्मीदवार छत्रपाल गंगवार के समर्थन में आयोजित जनसभा को संबोधित कर रहे थे। अमित शाह ने कहा कि दो चरण के चुनाव के बाद, कांग्रेस पार्टी दूरबीन लेकर देखने पर भी नजर नहीं आ रही है। मोदी जी सेंचुरी मारकर 400 के लक्ष्य की ओर -शेष पृष्ठ दो पर

राजनीतिक दल सर्वेक्षण की आड़ में मतदाताओं का पंजीकरण बंद करें : ईसी

नई दिल्ली (हि.स.)। चुनाव आयोग ने राजनीतिक दलों को सर्वेक्षण की आड़ में मतदाताओं का पंजीकरण बंद करने का निर्देश दिया है। आयोग ने कहा है कि कोई भी राजनीतिक दल लाभार्थी योजनाओं के लिए पंजीकरण नहीं कराएं। आयोग ने किसी भी लाभार्थी योजना के लिए पंजीकरण कराने को एक तरह से प्रलोभन माना है। चुनाव आयोग ने गुरुवार को एक बयान में कहा कि राजनीतिक दल किसी भी माध्यम से चुनाव के -शेष पृष्ठ दो पर

जिहादियों के षड्यंत्रों पर मुस्लिम संस्थाओं व सेक्युलर ब्रिगेड की चुप्पी खतरनाक : विहिप

नई दिल्ली (हि.स.)। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने जिहाद के नए-नए प्रकार और जिहादियों के नित नए षडयंत्रों पर सेकुलर ब्रिगेड और मुस्लिम संस्थाओं की चुप्पी को देश के लिए खतरनाक बताया है। परिषद के राष्ट्रीय प्रवक्ता व अखिल भारतीय प्रचार प्रसार प्रमुख विजय शंकर तिवारी ने गुरुवार को यहां जारी एक बयान में कहा कि वोट जिहाद के नाम पर वोट मांगना लोकतंत्र के लिए खतरे का संकेत हैं। इस्लामिक नारों के साथ जिहादियों द्वारा देश की राजधानी के शिक्षकों, बच्चों और अभिभावकों को आतंकित करने के लिए बम विस्फोट की धमकी वाला 178 स्कूलों को मेल किया गया था जिससे पूरे दिन न सिर्फ राजधानी दिल्ली को बल्कि पूरे देश को स्तब्ध कर दिया है। हजारों बच्चे और उनके अभिभावक, विद्यालयों के अध्यापक, कर्मचारी तथा पुलिस प्रशासन व शासन भी पूरे दिन एक गंभीर ट्रॉमा का शिकार हुए। उन्होंने -शेष पृष्ठ दो पर

आकाश से आया एक रहस्यमयी गोला बिल्डिंग से टकराकर जमीन में घुसा

कोलकाता (हि.स.)। पश्चिम बंगाल के जमुरिया थाना इलाके में एक अजीबो-गरीब घटना घटी है। यहां आसमान से एक रहस्यमयी गोलाकार चीज बिल्डिंग से टकराकर जमीन के अंदर घुस गई है। गुरुवार सुबह करीब नौ बजे हुई इस घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस भी मौके पर पहुंची है। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि वह चीज धातु की बनी हुई थी। इकरा गांव के कुछ स्थानीय लोगों ने दावा किया कि सुबह नौ बजे उन्होंने दो गोल धातु की वस्तुएं आसमान से तेज गति से नीचे आती देखीं। इनमें से एक ने गांव -शेष पृष्ठ दो पर

अग्नि के सात फेरों के बिना हिंदू विवाह मान्य नहीं : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाया है कि हिंदू विवाह एक *संस्कार* या संस्कार है और इसे हिंदू विवाह अधिनियम, 1955 के तहत तब तक मान्यता नहीं दी जा सकती, जब तक कि इसे उचित रूप में समारोहों के साथ नहीं किया जाता। यह रेखांकित करते हुए कि हिंदू विवाह एक संस्कार है जिसे भारतीय समाज में एक महान मूल्य की संस्था के रूप में दर्जा दिया जाना चाहिए, न्यायमूर्ति बी वी नागरत्ना और ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने 19 अप्रैल के एक आदेश में युवा पुरुषों और महिलाओं से आग्रह किया कि विवाह की संस्था में प्रवेश करने से पहले ही उसके बारे में गहराई से सोचें और भारतीय समाज में उक्त संस्था कितनी पवित्र है। शीर्ष अदालत ने याद दिलाया कि एक (हिंदू) *विवाह गीत और नृत्य* और *शराब पीने और खाने* का आयोजन नहीं है या अनुचित दबाव डालकर दहेज और उपहारों की मांग करने और आदान-प्रदान करने का अवसर नहीं है, जिसके बाद आपराधिक कार्यवाही शुरू हो सकती है। पीठ ने आगे कहा कि विवाह कोई व्यावसायिक लेन-देन नहीं है। यह एक गंभीर मूलभूत कार्यक्रम है जिसे एक पुरुष और एक महिला के बीच संबंध स्थापित करने के लिए मनाया -शेष पृष्ठ दो पर

2,000 रुपए के 97 प्रतिशत नोट वापस आए : आरबीआई

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने गुरुवार को कहा कि बंद किए गए 2000 रुपए के 97.76 प्रतिशत नोट बैंकिंग प्रणाली में वापस आ गए हैं। केंद्रीय बैंक ने बताया कि सिर्फ 7,961 करोड़ रुपए के नोट अभी जनता के पास हैं। आरबीआई ने बयान में कहा कि 19 मई, 2023 को 2000 रुपए के नोट को वापस लेने की घोषणा की गई थी। इस दिन के अंत में बाजार में मौजूद 2000 रुपए के नोटों का मूल्य 3.56 लाख करोड़ रुपए था। अब 30 अप्रैल, 2024 को बाजार में सिर्फ 7,961 करोड़ रुपए के नोट बाजार में हैं। बैंक ने कहा कि इस प्रकार, 2000 रुपए के 97.76 प्रतिशत नोट वापस आ चुके हैं। हालांकि, 2000 रुपए का नोट -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

NAME CHANGE

I am declaring that i have changed my name from Mahammad Anowar Ali to Anowar Ali, which is already been recorded in my all relevant documents.
Anowar Ali, S/O- Iman Ali, Vill.-Kamarpota, P.O.-Simlitola, P.S.-Rangjuli, Dist.-Goalpara, PIN-783130

केंद्र को लगा एससी से झटका

2-जी स्पेक्ट्रम फैसले पर एससी ने खारिज की सरकार की याचिका

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट की रजिस्ट्री ने केंद्र सरकार की उस याचिका को स्वीकार करने से इनकार कर दिया है, जिसमें टूजी स्पेक्ट्रम मामले में शीर्ष अदालत के 2012 के फैसले में संशोधन की मांग की गई थी। इस फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि देश के प्राकृतिक संसाधनों का हस्तांतरण करते समय सरकार नीलामी का रास्ता अपनाने के लिए बाध्य है। सूत्रों ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट की रजिस्ट्री ने याचिका को गलत धारणा पर आधारित और स्पष्टीकरण मांगने की आड़ में फैसले पर पुनर्विचार की मांग का प्रयास करार दिया है। रजिस्ट्रार ने सुप्रीम कोर्ट रूल्स, 2013 के नियम-5 के आदेश-15 के प्रविधानों के अनुसार याचिका को स्वीकार करने से इनकार किया है। सुप्रीम कोर्ट का नियम कहता है कि रजिस्ट्रार किसी याचिका को इस आधार पर स्वीकार करने से इनकार कर सकते हैं कि उसमें कोई उचित कारण नहीं बताया गया है या उसमें गंभीरता नहीं है या उसमें निंदनीय मामला है, लेकिन याचिकाकर्ता ऐसे आदेश के 15 दिनों के भीतर प्रस्ताव के माध्यम से अदालत से अपील कर सकता है। इस नियम के मुताबिक, केंद्र सरकार रजिस्ट्रार के आदेश के विरुद्ध अपील कर सकती है। शीर्ष अदालत ने दो फरवरी, 2012 के अपने आदेश में 2008 में तत्कालीन टेलीकॉम मंत्री ए. राजा के कार्यकाल में विभिन्न कंपनियों को आवंटित टूजी स्पेक्ट्रम के लाइसेंस रद कर दिए थे। गत 22 अप्रैल को केंद्र की ओर से पेश अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणी ने प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और जस्टिस जेबी पार्डीवाला की पीठ के समक्ष एक अर्जी का उल्लेख किया था। उस पर तत्काल सुनवाई का आग्रह करते हुए वेंकटरमणी ने पीठ से कहा था कि याचिका में 2012 के फैसले में संशोधन की मांग की गई है क्योंकि केंद्र सरकार कुछ अन्य मामलों में भी टूजी स्पेक्ट्रम प्रदान करना चाहती है। केंद्र ने याचिका में गैर-वाणिज्यिक उद्देश्य के लिए सरकार के संप्रभु कार्यों के निष्पादन में टूजी स्पेक्ट्रम की नीलामी से छूट की मांग की थी। टूजी स्पेक्ट्रम मामले में याचिकाकर्ता रहे गैर सरकारी संगठन की ओर से पेश अधिवक्ता प्रशांत भूषण ने इसका विरोध किया था, लेकिन प्रधान न्यायाधीश ने वेंकटरमणी से कहा था कि हम देखेंगे, आप ईमेल भेजिए।

इस सप्ताह गुजरात में जुटेंगे भाजपा-कांग्रेस के स्टार प्रचारक

अहमदाबाद। गुजरात की सभी 25 लोकसभा सीटों पर 7 मई को होने वाले मतदान को लेकर भाजपा और कांग्रेस के स्टार प्रचारक अब राज्य के विभिन्न हिस्सों में नजर आएंगे। भाजपा के एक पदाधिकारी के अनुसार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को दीसा (बनासकांठा) और हिम्मतनगर (साबरकांठा) में दो रैलियों को संबोधित कर चुके हैं। वहीं 2 मई को वह आनंद, सुरेंद्रनगर, जूनागढ़ और जामनगर में चार सार्वजनिक बैठकों को संबोधित करेंगे। गांधीनगर सीट से दोबारा चुनाव लड़ रहे गृह मंत्री अमित शाह 3 और 4 मई को मध्य और दक्षिण गुजरात में कम से कम दो और रैलियां कर सकते हैं। एक मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी इस सप्ताह गुजरात अभियान में भाजपा की ताकत बढ़ाने के लिए शामिल हो सकते हैं, लेकिन अभी तक इस पर कोई पुष्टि नहीं हुई है। राज्य में चुनाव प्रचार समाप्त होने से पहले कांग्रेस इस सप्ताह अपने स्टार प्रचारकों को मैदान में उतारने वाली है। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा 3 मई को लाखेनी बनासकांठा में एक रैली को संबोधित करेंगी जबकि पी. चिदंबरम और मल्लिकार्जुन खड़गे जैसे कांग्रेस के अन्य वरिष्ठ नेता राज्य के लोगों को बदलाव के लिए वोट करने की अपील कर रहे हैं। चिदंबरम 3 मई को राजकोट में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करेंगे।

मेघालय में भारी मात्रा में ड्रग्स के साथ तस्कर गिरफ्तार

शिलांग (हिंस)। मेघालय पुलिस को ड्रग्स के खिलाफ कार्रवाई में एक बड़ी सफलता प्राप्त हुई। मेघालय के पुलिस महानिदेशक एलआर बिश्नोई ने आज सोशल मीडिया के जरिए बताया कि राज्य की पूर्व जयंतिया हिल्स पुलिस ने भारी मात्रा में ड्रग्स के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया। डीजीपी ने कहा कि एक कुख्यात ड्रग्स तस्कर को 10 लाख रुपए कीमत की हेरोइन और 24 स्ट्रिप्स नाइटराजेपम के साथ गिरफ्तार किया गया। उल्लेखनीय है कि बुधवार को भी पूर्वी जयंतिया हिल्स पुलिस द्वारा 2.1 करोड़ रुपए के ड्रग्स के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया गया था।

सड़क दुर्घटना में एक की मौत

कामरूप (हिंस)। कामरूप (ग्रामीण) जिले के मरानजान इलाके में गैस टैंकर की चपेट में आने से साइकिल चालक की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने बुधवार को बताया कि बीती रात मरानजान इलाके में राष्ट्रीय राजमार्ग 27 पर गैस टैंकर की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान बरिगोग निवासी मिंटू सालोई के रूप में की गई है। घटना के समय मिंटू अपने घर की ओर जा रहा था। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर स्थानीय लोगों पहुंच कर जमकर हंगामा किया। जिसकी वजह से कुछ समय के लिए राष्ट्रीय राजमार्ग ठप हो गया। घटना की खबर मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने स्थानीय उग्र भीड़ को समझाकर शव को अपने कब्जे में लेकर कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है। पुलिस दुर्घटना में शामिल टैंकर को जब्त लिया है। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिक की दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

पृष्ठ एक का शेष

भारी बारिश के बीच...

जटिंगा-हरंगाजाओ खंड शुक्रवार (03 मई) सुबह 8 बजे तक सभी वाहनों के लिए पूरी तरह से बंद कर दिया गया है। असम के डिमा हसाउ जिले की पुलिस ने राष्ट्रीय राजमार्ग-27 के जटिंगा-हरंगाजाओ खंड पर मरम्मत कार्यों के बारे में अपडेट देते हुए बताया कि सड़क पर चल रही मरम्मत के कारण प्रतिबंध कल सुबह 8 बजे तक जारी रखा गया है। डिमा हसाउ जिले के जाटिंगा-लामपुर और न्यू हरंगाजाओ रेलवे स्टेशनों पर लगातार हो रहे भूस्खलन ने महत्वपूर्ण सेवाओं और परिवहन को गंभीर रूप से बाधित कर दिया है। विशेष रूप से माईबांग क्षेत्र में भारी बारिश के कारण रेल मार्ग बंद करना पड़ा है, जिससे असम में हाफलांग से संपर्क प्रभावित हुआ है। लगातार हो रहे इन भूस्खलनों के कारण लामडिंग-सिलचर ट्रेन सेवा को निलंबित कर दिया गया है। इस अवधि के दौरान संचार और सहायता की सुविधा के लिए, असम में डिमा हसाउ डीडीएमए ने बारिश से संबंधित किसी भी घटना या आपात स्थिति की रिपोर्ट करने के लिए एक टोल-फ्री नंबर, 03673-1077 भी पेश किया है।

मणिपुर से 38 ...

रही है। उल्लेखनीय है कि हाल ही में मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने सोशल मीडिया के जरिए चिंता जाहिर की थी कि मणिपुर में अवैध घुसपैठियों के 996 नए गांव बस गए हैं। अवैध घुसपैठियों के द्वारा जहां मणिपुर के साधन और संसाधनों का दोहन किया जा रहा है, दूसरी ओर अफीम, गांजा आदि की खेती से लेकर विभिन्न प्रकार से ड्रग्स की तस्करी एवं अपराधिक गतिविधियां घुसपैठियों द्वारा चलाई जा रही है। हालांकि, केंद्र सरकार द्वारा भारत-म्यांमार की सीमा पर फेंसिंग लगाकर इसे पूरी तरह से सील करने की प्रक्रिया चल रही है। इस फेसिंग का मणिपुर, मिजोरम तथा नगालैंड के सीमावर्ती जिलों में व्यापक पैमाने पर विरोध हो रहा है।

कांग्रेस ने शरमन...

कांग्रेस उम्मीदवारों के खिलाफ चीजें अपलोड की है। यह स्पष्ट तौर पर नियम का उल्लंघन है। हम स्पीकर से तत्काल कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। रकीबुल हुसैन ने एआईसीसी महासचिव और असम के प्रभारी, पृथ्वीराज साठे और अन्य नेताओं के साथ मिलकर विधानसभा सचिव दुलाल पेगु को शिकायत सौंपी। दरअसल, स्पीकर विश्वजीत दैमारी शहर से बाहर थे। कांग्रेस नेता ने आगे कहा कि हमने स्पीकर से फोन पर बात की। उन्होंने हमें दुलाल पेगु को शिकायत सौंपने के लिए कहा। स्पीकर ने पेगु को इस मामले में तुरंत अपडेट देने के लिए भी कहा। पृथ्वीराज साठे ने बताया कि 167 पन्नों की शिकायत दी गई है, उनमें ऐसे भी दस्तावेज हैं, जिनमें बताया गया है कि जब कभी विधायकों ने पार्टी व्हिप का अनादर किया तब उन्हें 24 घंटे के भीतर विधानसभा से अयोग्य घोषित कर दिया गया था। अब स्पीकर की जिम्मेदारी है कि वह विधायक के खिलाफ कार्रवाई कर एक उदाहरण स्थापित करें। कांग्रेस ने स्पीकर से पहली बार 26 अप्रैल 2022 में पार्टी विधायक को अयोग्य ठहराने की मांग की थी। अहमद को 2021 में पार्टी से निलंबित कर दिया गया था।

प्रज्वल रेवन्ना के ...

प्रधानमंत्री और जद (एस) के संरक्षक एचडी देवेगौड़ा के पोते और पूर्व मंत्री एचडी रेवन्ना के बेटे प्रज्वल, जद (एस) के टिकट पर हासन से फिर से चुनाव लड़ रहे हैं। जद (एस) सांसद, जो अपने सेक्स वीडियो को लेकर बड़े पैमाने पर विवाद में हैं और यौन उत्पीड़न के आरोपों का सामना कर रहे हैं, ने अपने मामले की जांच कर रहे विशेष जांच दल के सामने पेश होने के लिए सात दिन का समय मांगा है। हासन के सांसद ने जांच टीम को बताया कि वह बेंगलुरु से बाहर हैं। अमित शाह ने बुधवार को प्रज्वल मामले का जिक्र करते हुए हुबली में कहा कि भाजपा महिलाओं के खिलाफ अत्याचार करने वालों के साथ नहीं रह सकती। इस बीच, रेवन्ना और उनके बेटे प्रज्वल दोनों के खिलाफ उनके पूर्व रसोइया और रिश्तेदार द्वारा कथित तौर पर यौन उत्पीड़न करने की शिकायत के आधार पर होलेनरसिपुरा में मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रज्वल ने उनकी बेटी को वीडियो कॉल की और आपत्तिजनक तरीके से बात की, जिसके कारण उन्हें उसे ब्लॉक करना पड़ा।

डॉक्टरों को कभी ...

पढ़ने वाले प्रत्येक छात्र को जीवन में सफलता जरूर मिलती है। जब कोई छात्र मेडिकल की पढ़ाई करता है तो उसको काफी मेहनत करनी पड़ती है। इसके बाद वह एक अच्छा डॉक्टर बनता है। उन्होंने कहा कि डॉक्टरों को कभी भी किसी लालच व दबाव में नहीं आना चाहिए, क्योंकि डॉक्टर पर मरीजों को बचाने की जिम्मेदारी होती है। डॉक्टर यदि लालच व दबाव में आ जाएगा तो वह मरीजों की जान नहीं बचा सकता। एम्स के डॉक्टर अच्छा कार्य करते है और एम्स में आने वाले मरीजों को डाक्टर से काफी उम्मीद रहती है। यहां के डाक्टर मरीजों के प्रति काफी गंभीर रहते है। मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि एम्स से अच्छा डॉक्टर कहीं नहीं है। जब किसी मरीज को गंभीर बीमारी होती है तो उसका उपचार करने के लिए डॉक्टर को कठिन निर्णय लेना पड़ता है। एम्स में सबसे पहले वह अपने स्वजन का उपचार कराने के लिए आए थे और उसके बाद यहां घूमने के लिए आते थे। एम्स में आकर काफी अच्छा लगता है। इस मौके पर डायरेक्टर डॉक्टर एम श्रीनिवास, डॉक्टर विनय, डॉक्टर रीमा आदि मौजूद रहे।

सनातन का अपमान...

आगे बढ़ रहे हैं। 10 साल तक केंद्र में सोनिया-मनमोहन की सरकार थी, जिन्होंने 10 साल में यूपी को मात्र 4 लाख करोड़ रुपए दिए थे। मोदी जी ने 10 साल में यूपी को 18 लाख करोड़ रुपए दिए हैं। सपा पर हमला बोलते हुए उन्होंने कहा कि अखिलेश बाबू ने एक ही परिवार में पांच-पांच टिकट दे दिए। सपा के शासन में पूरे उत्तर प्रदेश में कट्टे बनाने के कारखाने थे। आज मिसाइल व बम बनाने के कारखाने लगे हैं। गृहमंत्री ने कहा कि यहां पर वाहन चोरी का कुटीर उद्योग चलता था,आज भाजपा के शासन में वाहन बनाने का फैक्ट्रियां लग रही हैं। यहां के बेरोजगार युवा चेन स्नेचिंग कर रहे थे, आज यूपी में मेडिकल डिवाइस बन रही हैं। सपा के राज में पश्चिमी यूपी से पलायन होता था। योगी जी के राज में पलायन तो हो रहा है, लेकिन निर्दोष लोगों का नहीं, गुंडों का। 2010 और 2012 में बरेली में भीषण दंगे हुए, लेकिन कांग्रेस और सपा वाले बरेली वालों के साथ नहीं थे। उन्होंने कहा कि 2017 में आपने भाजपा की सरकार बनाई और भाजपा ने योगी जी को मुख्यमंत्री बनाया। इतने कम समय के अंदर योगी जी ने यूपी को दंगामुक्त कर दिया। अमित शाह ने कहा कि 10 वर्ष के अंदर, मोदी जी ने पूरे देश के गरीबों को आगे बढ़ाने का काम किया है। 80 करोड़ गरीबों को प्रति व्यक्ति, प्रति माह मुफ्त राशन दिया जा रहा है। 12 करोड़ गरीब माताओं के लिए शौचालय बनाकर, उनके सम्मान की रक्षा की। 4 करोड़ गरीबों को पक्का घर बनाकर दिया। 10 करोड़ महिलाओं को उज्ज्वला गैस कनेक्शन दिया। 14 करोड़ घरों को नल से जल दिया। जनसभा को भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी,जलशक्ति मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह, पूर्व केंद्रीय मंत्री संतोष गंगवार और वन मंत्री डा.अरूण कुमार सक्सेना ने संबोधित किया। इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रभारी संतोष सिंह,एमएलसी रजनीकांत माहेश्वरी, मंत्री कपिल देव अग्रवाल, विधायक एम.पी.आर्या, विधायक संजीव अग्रवाल, विधायक डी.सी.वर्मा, जिला पंचायत अध्यक्ष रश्मि पटेल, मेयर उमेश गौतम, जिलाध्यक्ष पवन शर्मा व महानगर अध्यक्ष अधीर सक्सेना उपस्थित रहे।

राजनीतिक दल सर्वेक्षण ...

बाद लाभार्थी-उन्मुख योजनाओं के लिए व्यक्तियों का पंजीकरण नहीं करा सकते। लाभार्थी योजना के लिए न तो कोई विज्ञापन दिया जा सकता है और न सर्वेक्षण ही कराया जा सकता है। आयोग ने कहा है कि सामान्य और सामान्य चुनावी वादे स्वीकार्य हैं। इन पर कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन चुनाव बाद फायदा दिलाने के लिए लाभार्थी योजनाओं का सहारा लेना स्वीकार्य नहीं है। इस मामले में चुनाव आयोग ने सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों को दिशा निर्देश जारी कर कहा है कि वे वैधानिक प्रावधानों के तहत ऐसे किसी भी विज्ञापन के खिलाफ उचित कार्रवाई करें।

जिहादियों के षड्यंत्रों ...

कहा कि इस धमकी वाले मेल की भाषा को अगर देखें तो स्पष्ट होता है की अल्लाह के नाम पर जिस तरह का जिहाद करने की बात कही गई वह इस्लाम के नाम पर मानवीय जीवन मूल्यों की हत्या से बढ़कर है। गंभीर बात यह भी है कि इन दोनों घटनाओं के ऊपर किसी भी मुस्लिम संस्था या सेकुलर ब्रिगेड के किसी नेता द्वारा निंदा के दो शब्द तक नहीं कहे गए जो कि एक सभ्य समाज के लिए एक खतर का सूचक है। तिवारी ने पिछले कुछ दिनों में जिहादियों द्वारा की गईं अनेक नृशंस हत्याओं का जिक्र करते हुए यह भी कहा कि दिल्ली के जहांगीर पुरी में हमारी शोभायात्राओं को तो रोक दिया जाता है, हिंदू महिला के साथ बर्बरता होती है, उदयपुर के कन्हैया की गला काट कर हत्या की जाती है। हाल ही में मुंबई में एक बहन की हत्या हो या फिर कर्नाटक में कांग्रेसी नेता की बेटी नेहा की नृशंस हत्या, इन सब घटनाओं से लगातार उनका पाशविक चेहरा सामने आ रहा है। हमास के अत्याचार और बर्बरता की कहानी भी सब ने सुनी है लेकिन, उस पर आज तक किसी मुस्लिम उलेमा या उनकी संस्था द्वारा कोई निंदा के दो शब्द क्यों नहीं निकले। उन्होंने कहा कि बात सिर्फ कांग्रेस-सपा के द्वारा संयुक्त रूप से वोट जिहाद की ही नहीं अपितु, कांग्रेस के कद्दावर नेता व पूर्व केंद्रीय कानून मंत्री के साथ उनके अनेक साथी वरिष्ठ वकीलों द्वारा आतंकवादियों व देश द्रोहियों के केस कोर्ट में लड़ने वालों की भी एक लंबी श्रृंखला है। वोट जिहाद का नारा भी एक सभ्य समाज के लिए व लोकतंत्र के लिए एक बड़े खतरे का संकेत देता है। विहिप नेता ने कहा कि विश्व हिंदू परिषद सभी प्रकार के हिंसा व आतंक फैलाने से जुड़ी जिहादी घटनाओं की निंदा करते हुए भारतीय समाज से आह्वान करती है कि वह ऐसे देशद्रोही व जिहादियों के झांसे में ना आए और ना ही उनके किसी प्रकार के दबाव को स्वीकार करें। देश का चुनाव आयोग लोकतंत्र के इस महापर्व के सफल आयोजन के लिए जुटा ही है, हिंदू समाज को भी इन लोगों के घृणित षड्यंत्रों को बेनकाब करते हुए हिंदू हित में शत प्रतिशत मतदान की ओर बढ़ाना होगा।

आकाश से आया एक ...

निवासी अनिल बाद्यकर के दोमंजिला मकान की छत का एक हिस्सा ध्वस्त कर दिया। इसके बाद यह मिट्टी में घुस गया। दूसरा गोला मगाराम बाद्यकर नामक निवासी के आंगन में गिरा है। इससे घर की बेटी झूलन बाद्यकर चोटिल हुई है। उनके शरीर के कई हिस्से जल गए हैं। उन्हें अस्पताल में भर्ती किया गया है। यह गोला भी आंगन में गिरने के बाद धरती के अंदर समा गया। जमुरिया थाने की पुलिस जांच में जुट गई है। उनका कहना है कि गोले को खोद कर निकाला जाएगा। उसके बाद ही पता चल पाएगा कि आखिर यह क्या चीज है। स्थानीय लोग इसे उल्का पिंड होने का दावा कर रहे हैं।

अग्नि के सात ...

जाता है जो भविष्य में एक विकसित परिवार के लिए पति और पत्नी का दर्जा प्राप्त करते हैं जो भारतीय समाज की एक बुनियादी इकाई है। हिंदू विवाह प्रजनन को आसान बनाता है, परिवार की इकाई को मजबूत करता है और विभिन्न समुदायों के भीतर भाईचारे की भावना को मजबूत करता है। आखिरकार, एक विवाह पवित्र है क्योंकि यह दो व्यक्तियों को आजीवन, गरिमापूर्ण, समान, सहमतिपूर्ण और स्वस्थ मिलन प्रदान करता है। इसे एक ऐसी घटना माना जाता है जो व्यक्ति को मोक्ष प्रदान करती है, खासकर जब संस्कार और समारोह आयोजित किए जाते हैं। हिंदू विवाह अधिनियम के प्रावधानों पर गौर करते हुए, पीठ ने कहा कि जब तक विवाह उचित समारोहों और उचित रूप में नहीं किया जाता है, तब तक इसे अधिनियम की धारा 7 (1) के अनुसार *संपन्न* नहीं कहा जा सकता है। इसमें बताया गया है कि आगे, धारा 7 की उप-धारा (2) में कहा गया है कि जहां ऐसे संस्कारों और समारोहों में सप्तपदी शामिल है, यानी, दूल्हे और दुल्हन द्वारा पवित्र अग्नि के सामने संयुक्त रूप से सात कदम उठाना, विवाह पूरा हो जाता है और सातवां कदम उठाने पर बंधन होता है। इसलिए, हिंदू विवाह के अनुष्ठान के लिए अपेक्षित समारोह लागू रीति-रिवाजों या उपयोग के अनुसार होने चाहिए और जहां सप्तपदी को अपनाया गया है, सातवां कदम उठाने पर विवाह पूर्ण और बाध्यकारी हो जाता है। अदालत एक महिला की याचिका पर सुनवाई कर रही थी जिसमें तलाक की याचिका को बिहार के मुजफ्फरपुर की एक अदालत से झारखंड के रांची की एक अदालत में स्थानांतरित करने की मांग की गई थी। याचिका के लंबित रहने के दौरान, उन्होंने और उनके पूर्व साथी, दोनों प्रशिक्षित वाणिज्यिक पायलट, ने भारत के संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत एक संयुक्त आवेदन दायर करके विवाद को सुलझाने का फैसला किया। इस जोड़े की सगाई 7 मार्च, 2021 को होने वाली थी, और उन्होंने दावा किया कि उन्होंने 7 जुलाई, 2021 को अपनी शादी संपन्न कर ली है। उन्होंने वादिक जनकल्याण समिति से एक *विवाह प्रमाण पत्र* प्राप्त किया और इस प्रमाण पत्र के आधार पर कि प्रमाण पत्र हासिल किया। उत्तर प्रदेश विवाह पंजीकरण नियम, 2017 के तहत विवाह का पंजीकरण। उनके परिवारों ने हिंदू संस्कार और रीति-रिवाजों के अनुसार विवाह समारोह की तारीख 25 अक्तूबर, 2022 तय की। इस बीच, वे अलग-अलग रहते थे लेकिन उनके बीच मतभेद पैदा हो गए और मामले सामने आए। पीठ ने कहा कि जहां हिंदू विवाह लागू संस्कारों या सप्तपदी जैसे समारोहों के अनुसार नहीं किया जाता है, वहां विवाह को हिंदू विवाह नहीं माना जाएगा। दूसरे शब्दों में, अधिनियम के तहत एक वैध विवाह के लिए, अपेक्षित समारोहों का आयोजन किया जाना चाहिए और कोई मुद्दा/विवाद उत्पन्न होने पर उक्त समारोह के प्रदर्शन का प्रमाण होना चाहिए। अदालत ने कहा कि जब तक दोनों पक्षों ने इस तरह का समारोह नहीं किया है, तब तक अधिनियम की धारा 7 के अनुसार कोई हिंदू विवाह नहीं होगा और अपेक्षित समारोहों के अभाव में किसी संस्था द्वारा प्रमाणपत्र जारी करना, न ही किसी वैवाहिक स्थिति की पुष्टि करेगा। पक्ष न ही हिंदू कानून के तहत विवाह स्थापित करते हैं। अदालत ने वैदिक जनकल्याण समिति द्वारा जारी प्रमाण पत्र और उत्तर प्रदेश पंजीकरण नियम, 2017 के तहत जारी विवाह प्रमाण पत्र को *हिंदू विवाह* के प्रमाण के रूप में अमान्य घोषित कर दिया। पीठ ने कहा कि यदि धारा 7 के अनुसार कोई विवाह नहीं हुआ है तो पंजीकरण विवाह को वैधता नहीं देगा। अदालत ने बताया कि हिंदू विवाह एक संस्कार है और इसका एक पवित्र चरित्र है। हिंदू विवाह में सप्तपदी के संदर्भ में, ऋग्वेद के अनुसार, सातवां कदम (सप्तपदी) पूरा करने के बाद दूल्हा अपनी दुल्हन से कहता है, सात कदमों के साथ हम दोस्त (सखा) बन गए हैं। क्या मैं तुमसे मित्रता प्राप्त कर सकता हूं; कहीं मैं तेरी मित्रता से अलग न हो जाऊं। एक पत्नी को स्वयं का आधा हिस्सा (अर्धांगिनी) माना जाता है, लेकिन उसे अपनी एक पहचान के साथ स्वीकार किया जाना चाहिए और विवाह में सह-समान भागीदार होना चाहिए। एक विवाह में *बेटर-हाफ* जैसा कुछ नहीं होता है, लेकिन पति-पत्नी एक विवाह में समान रूप से आधे-अधूरे होते हैं। हिंदू कानून में, जैसा कि पहले ही उल्लेख किया गया है, विवाह एक संस्कार या संस्कार है। यह एक नए परिवार की नींव है। पीठ ने कहा, इस तरह का मिलन उन्हें समाज में पति और पत्नी होने का दर्जा और चरित्र प्रदान करता है, और इस संदर्भ में कहा कि हम युवा पुरुषों और महिलाओं द्वारा पति और पत्नी होने का दर्जा हासिल करने की कोशिश की प्रथा की निंदा करते हैं। अधिनियम के प्रावधानों के तहत एक वैध विवाह समारोह के अभाव में, जैसे कि तत्काल मामले में जहां पार्टियों के बीच विवाह बाद में होना था, एक-दूसरे की पत्नी हैं और इसलिए कथित तौर पर विवाहित हैं। अदालत ने बताया कि कोई भी पुरुष और महिला विशेष विवाह अधिनियम, 1954 के तहत पति और पत्नी का दर्जा प्राप्त कर सकते हैं, जो हिंदुओं तक सीमित नहीं है। पीठ ने कहा कि हाल के वर्षों में, हमने ऐसे कई उदाहरण देखे हैं जहां *व्यावहारिक उद्देश्यों* के लिए, एक पुरुष और एक महिला भविष्य की तारीख में अपनी शादी को संपन्न करने के इरादे से अधिनियम की धारा 8 के तहत अपनी शादी को पंजीकृत करना चाहते हैं। एक दस्तावेज के आधार पर जो उनके विवाह के अनुष्ठापन के प्रमाण के रूप में जारी किया गया हो सकता है, जैसे कि तत्काल मामले में। इसमें कहा गया है कि हम ध्यान देते हैं कि युवा जोड़ों के माता-पिता विदेशी देशों में प्रवास के लिए वीजा के लिए आवेदन करने के लिए विवाह के पंजीकरण के लिए सहमत होते हैं।

नए आपराधिक कानूनों ...

सके। गृह मंत्रालय ने कहा कि पुलिस और जेल अधीक्षकों को नए कानून को लेकर प्रशिक्षित किया जाना चाहिए। पुलिस अनुसंधान और विकास ब्यूरो (बीपीआर एंड डी) नए आपराधिक कानूनों के लिए पुलिस और जेल कर्मियों के प्रशिक्षण के मॉड्यूल भी तैयार किए हैं। इसके लिए इंटीग्रेटिड गवर्नमेंट ऑनलाइन ट्रेनिंग (आईजीओटी) पोर्टल को तैयार किया गया है। जिसके जरिए पुलिस और जेल कर्मचारियों को विस्तृत जानकारी दी जाएगी। प्रशिक्षण मॉड्यूल को बीपीआर एंड डी ने सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को भेजे हैं। ताकि पुलिस प्रशिक्षण संस्थानो में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित हो सकें। गृह मंत्रालय ने यह निर्देश दिए कि सभी को गहनता के साथ प्रशिक्षण दिया जाए ताकि देश के हर व्यक्ति को न्याय मिल सके।

2,000 रुपए के 97...

वैध है। लोग देशभर में आरबीआई के 19 कार्यालयों पर 2000 रुपए के नोट जमा कर सकते हैं या उन्हें अन्य नोट से बदल सकते हैं। जनता 2000 के नोट भारतीय डाक के माध्यम से भी आरबीआई के किसी भी कार्यालय में भेजकर उनके बराबर मूल्य की राशि अपने बैंक खातों में जमा करा सकती है। आरबीआई द्वारा नवंबर, 2016 में 1000 रुपए और 500 रुपए के नोट बंद करने के बाद 2000 रुपए के नोट जारी किए गए थे।

मणिपुर में नकाबपोश ...

लगभग 20 लाख रुपए नकद लूट लिए, जिनकी अभी तक पहचान नहीं हो पाई है। अधिकारियों ने कहा कि जांच चल रही है। प्रत्यक्षदर्शियों ने पुलिस को बताया कि डकैती के बाद, नकाब और हेलमेट पहने हुए हथियारबंद लोग कांगवई की ओर भाग गए। अधिकारियों ने बताया कि अपराधियों को गिरफ्तार करने के लिए उनकी तलाश की जा रही है।

दिल्ली महिला आयोग...

साझा की गई। आदेश में डीसीडब्ल्यू एक्ट का हवाला देते हुए कहा गया है कि आयोग केवल 40 कर्मचारियों को ही रख सकता है, लेकिन उप राज्यपाल की मंजूरी के बिना 223 नए पद बना दि गए हैं। आयोग के पास संविदा पर कर्मचारियों को नियुक्त करने का अधिकार नहीं है। उधर, इस फैसले की मालीवाल ने कड़ी आलोचना की है। मालीवाल ने कहा कि उप राज्यपाल ने दिल्ली महिला आयोग में ठेके पर रखे गए सभी कर्मियों को हटा दिया है। आयोग में कुल 90 स्टाफ है जिसमें सिर्फ 8 लोग सरकार द्वारा दिए गए हैं, शेष कर्मचारी 3-3 माह के ठेके पर हैं। ठेके पर रखे सभी कर्मचारियों को हटा दिया जाएगा, तो महिला आयोग में ताला लग जाएगा। मालीवाल ने कहा है कि वह महिला आयोग बंद नहीं होने देंगी, चाहे उन्हें जेल में डाल दे।

भाजपा को जानने के लिए छह देशों के प्रतिनिधि आज से मप्र के प्रवास पर

भोपाल (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी के *भाजपा को जानें* अभियान के तहत छह देशों के राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि आज (गुरुवार) मध्य प्रदेश के तीन दिवसीय प्रवास पर भोपाल पहुंच रहे हैं। यह प्रतिनिधिमंडल यहां लोकसभा चुनाव के मद्देनजर भाजपा की कार्यप्रणाली की जानकारी प्राप्त करेगा। भाजपा के प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष अग्रवाल ने बताया कि भारतीय जनता पार्टी के निमंत्रण पर छह देशों का प्रतिनिधिमंडल एक से पांच मई तक भारत के प्रवास पर है। यह दल भाजपा को जानें अभियान के तहत आज भोपाल पहुंचेंगा और प्रात: 11 बजे पार्टी के प्रदेश कार्यालय और प्रदेश मीडिया सेंटर का भ्रमण कर भाजपा की चुनावी रणनीति के संबंध में जानकारी प्राप्त करेगा। साथ ही विदेशी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि भारतीय जनता पार्टी के नेताओं से मुलाकात भी करेंगे। पार्टी के विदेश विभाग के संयोजक रोहित गंगवाल ने बताया कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष

जेपी नड्डा द्वारा पार्टी के 43वें स्थापना दिवस पर भाजपा को जानें अभियान की शुरुआत की गई थी। इसी अभियान के तहत छह देशों से राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि पार्टी के निमंत्रण पर भारत दौरे पर आ रहे हैं। विदेशी प्रतिनिधिमंडल का यह प्रवास कार्यक्रम भाजपा विदेश विभाग के राष्ट्रीय प्रभारी डॉ. विजय चौथाईवाले के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया है। उन्होंने बताया कि इस दौरे पर विभाग की अंतर्राष्ट्रीय टीम एवं मध्यप्रदेश टीम के सदस्य भी विदेशी प्रतिनिधिमंडल के साथ उपस्थित रहेंगे। रोहित गंगवाल ने बताया कि भारत दौरे पर आ रहे विदेशी प्रतिनिधिमंडल में अविच पॉलार ओक्कीर (डायरेक्टर, फॉरेन अफेयर्स, नेशनल रिजिस्टेंस पार्टी, युगांडा), उदय शुमशेर जे.बी. राणा (फेडरल पार्लियामेंट सदस्य और केंद्रीय कार्यसमिति सदस्य, नेपाल), डॉ. जय कांत राउत (अध्यक्ष, नेशनल काउंसिल ऑफ जनमत पार्टी, नेपाल), काकुलंडला लियानागे सुमुदु दिलंगा (अध्यक्ष, यंग प्रोफेशनल ऑर्गेनाइजेशन, यूएनपी श्रीलंका), एरियल बुलश्टेइन, वकील (प्रभारी, फॉरेन अफेयर्स, लिकूड पार्टी, इजराइल), विजय मखान (इंटरनेशनल रिलेशन्स, मॉरिशियन मिलिटेंट मूवमेंट, मॉरीशस), त्रान थान हुओंग (पॉलिटिकल काउंसलर न्सेलर, कम्युनिस्ट पार्टी, वियतनाम), हो थी होंग हान (प्रथम सचिव, कम्युनिस्ट पार्टी, वियतनाम) शामिल हैं।

बांग्लादेशी मां बेटा गिरफ्तार

हैलाकांदी (हिंस)। हैलाकांदी पुलिस ने दो बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गुरुवार को बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर जिले के बिलाईपुर के पास एक गांव में चलाए गए अभियान के दौरान दो बांग्लादेशी रिश्ते में मां बेटा को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार बांग्लादेशी नागरिकों की पहचान रूबेल अहमद शेख और अमीरुन बेगम के रूप में की गई है। गिरफ्तार दोनों आरोपित 2019 में बांग्लादेश से भारत में प्रवेश कर बिलाईपुर के पास एक गांव में रह रहे थे। घटना के संबंध में पुलिस ने एक प्राथमिकी दर्ज कर गिरफ्तार दोनों आरोपितों से सघन पूछताछ कर रही है।

चुराचांदपुर में ब्राउन शुगर के साथ एक गिरफ्तार

चुराचांदपुर (हिंस)। सुरक्षा बलों ने मणिपुर के चुराचांदपुर जिले के सुआंगदोह से नांगज़ाडिंग (27) नामक एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। उसके कब्जे से संदिग्ध ब्राउन शुगर युक्त 50 साबुनदानी बरामद किए गए। इस सिलसिले में आगे की कानूनी प्रक्रिया शुरू की गई है।

मणिपुर में केसीपी (नोयोन) के एक और प्रीपाक के दो कैडर गिरफ्तार

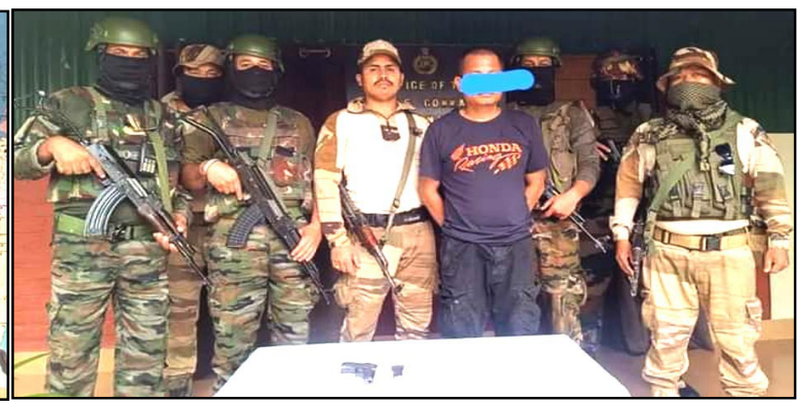

इंफाल (हिंस)। मणिपुर में हथियार और गोला-बारूद की बरामदगी के साथ ही उग्रवादियों के पकड़े जाने का सिलसिला भी लगातार जारी है। इसी सिलसिले में सुरक्षा बलों के अभियान में केसीपी (नोयोन) संगठन का स्वयंभू सार्जेंट मेजर पकड़ा गया। मणिपुर पुलिस ने आज बताया कि पुलिस ने थौबल जिले के वाइथौ से केसीपी (नोयोन) संगठन के जिस स्वयंभू सार्जेंट मेजर को गिरफ्तार किया है, उसकी पहचान थाउदाम ननाओ सिंह उर्फ चिंगसांकाल्प उर्फ पुत्र (43) के रूप में हुई है। उसके पास से गोली के साथ एक .32 पिस्तौल तथा छह जिंदा राउंड बरामद किया गया। आगे की जांच के लिए मामला दर्ज कर लिया गया है। उग्रवादी गतिविधियों में शामिल लोगों को पकड़ने के लिए सुरक्षा बलों द्वारा पूरे राज्य में छापामारी अभियान चलाया जा रहा है। दूसरी ओर मणिपुर में सुरक्षा बलों का आतंकवाद विरोधी अभियान जारी है। मणिपुर पुलिस ने गुरुवार को बताया कि दो अलग-अलग अभियानों में पुलिस ने पूर्वी इंफाल जिले के लैरिकेंगबाम लेईकाई और खुराई सैथाब लीरक इलाकों से दो उग्रवादियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार किए गए दोनों आतंकवादी प्रतिबंधित प्रीपाक (प्रो) संगठन के सदस्य बताए जा रहे हैं। दोनों उग्रवादियों की पहचान नौरोइबाम जयशंकर उर्फ ल्युम्बा उर्फ खोगांग (39) और लिसंगम सुरेश उर्फ बॉय (38) के रूप में हुई है। दोनों उग्रवादियों के पास से दो 9 एमएम की पिस्तौल, मैगजीन के साथ एक प्वाइंट श्री नाक श्री रायफल, छह जिंदा कारतूस और नौ खाली कारतूस बरामद किए गए।

बेकी नदी से बरामद युवक का शव, दो लापता

गुवाहाटी (हिंस)। मनाह नेशनल पार्क के पास नारायणगुड़ी में बेकी नदी में डूबे तीन युवकों में से एक का शव बरामद कर लिया गया। पुलिस ने गुरुवार को बताया कि बुधवार को बेकी नदी में नहाने के दौरान तीन युवक लापता हो गए थे। तीनों युवक बरपेटा रोड से मनाह नेशनल पार्क की सैर के लिए गए थे। युवकों में दो भाई द्विप साहा, राज साहा और उनका दोस्त अभिजीत कर्माकर शामिल हैं। गुरुवार सुबह युवक राज साहा का शव पानी में तैरता मिला। दो अन्य युवक अभी भी लापता हैं। बांहबारी पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने मौके से एक हॉंडा आयन (एएस-15एल-2825) वाहन बरामद किया है। दो अन्य युवकों को बचाने के लिए एसडीआरएफ बल का अभियान जारी है। समाचार लिखे जाने तक दोनों डूबे युवकों का कोई पता नहीं चल सका है। इस घटना से पूरे इलाके में सनसनी फैली हुई है। स्थानीय लोग काफी शंका में हैं।

मणिपुर के जिरीबाम में हथियारों का बड़ा जखीरा जब्त

इंफाल (हिंस)। मणिपुर में सुरक्षा बलों का अवैध हथियारों और उपद्रवियों के खिलाफ अभियान जारी है। मणिपुर पुलिस ने आज बताया कि सुरक्षा बलों ने कछार जिले की सीमा से लगे मणिपुर के जिरिबाम जिले में छापेमारी के दौरान गोला-बारूद का एक बड़ा जखीरा जब्त किया। इस दौरान कई बंकरों को भी नष्ट कर दिया गया। जिरिबाम जिले के सेजांग गांव में छापा मारा गया और 6 सिंगल बैरल गन, 108 राउंड 12 बोर कारतूस, एक, 12 बोर का खाली कारतूस, चार्जर के साथ चार वॉकी टॉकी रेडियो सेट, सात बुलेट प्रूफ जैकेट और दो कारतूस बेल्ट जब्त किए गए। सुरक्षाबलों ने गांव में बने 12 बंकरों को भी तबाह कर दिया।

एआईयूडीएफ की चुनावी रैली को विधायक सिराजुद्दीन अजमल ने किया संबोधित

नगरबेड़ा (विभास)। धुबड़ी संसदीय क्षेत्र क्रमांक 2 के अंतर्गत पूर्वी ग्वालपाड़ा विधानसभा क्षेत्र के लिए नवागत शिमलिटोला में कल शाम एआईयूडीएफ की चुनावी बैठक आयोजित हुई। शिमलिटोला क्षेत्रीय बाजार में एआईयूडीएफ के चुनाव प्रचार कार्यालय के परिसर में आयोजित एक चुनावी रैली में बरपेटा लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के पूर्व सांसद और जमुनामुख निर्वाचन क्षेत्र से विधायक सिराजुद्दीन अजमल ने अपने भाई और धुबड़ी लोकसभा क्षेत्र से एआईयूडीएफ के उम्मीदवार मौलाना बदरुद्दीन अजमल के लिए प्रचार किया। विधायक सिराजुद्दीन अजमल ने कांग्रेस के साथ-साथ निर्वाचन क्षेत्र के विपक्षी एकता मंच द्वारा समर्थित बैठक में बात की। उन्होंने कांग्रेस उम्मीदवार रकीबुल हुसैन पर भी निशाना साधा। अपने भाषण में सिराजुद्दीन अजमल ने कहा कि बदरुद्दीन अजमल और रकीबुल हुसैन के बीच कोई तुलना नहीं है क्योंकि मौलाना बदरुद्दीन अजमल एक पीर मैन हैं। वह असम के लोगों के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य और विभिन्न समस्याओं को हल करने के लिए काम कर रहे हैं। इस बीच, रकीबुल हुसैन एक ऐसा व्यक्ति है जो दुकान में, होटल में बाकी पैसे का भुगतान नहीं करता है। सिराजुद्दीन अजमल ने कहा कि कांग्रेस के शासन के दौरान डिटेंशन कैंप, डी वोटर बनाए गए थे। वह यह भी कहते हैं की धुबड़ी में मौलाना बदरुद्दीन अजमल की जीत तय है। अजमल को 20 से 24 लाख वोट मिलेंगे। इस बीच रकीबुल हुसैन नहीं जीतेगा। सिराजुद्दीन अजमल कहते हैं कि उन्हें केवल 10, 000 वोट मिलेंगे। मुफ्ती शेख शाहुदीन उद्दीन, जिला अध्यक्ष अबुल कलाम और बशीर उद्दीन और कई अन्य नेताओं ने एआईयूडीएफ की पूर्वी ग्वालपाड़ा निर्वाचन क्षेत्र समिति के अध्यक्ष अली खान की अध्यक्षता में चुनावी सभा को संबोधित किया और उनसे मानवतावादी नेता बदरुद्दीन अजमल को वोट देने का आग्रह किया, जिन्होंने हमेशा मुसलमानों की देखभाल की है।

बामुंदी महाविद्यालय में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

रंगिया (विभास)। कामरूप चुनावी जिले ने आज आगामी लोकसभा में बड़ी संख्या में मतदाताओं को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से बामुंदी महाविद्यालय, हाजो में व्यवस्थित मतदाता शिक्षा और चुनाव भागीदारी (एसवीईईपी) सेल के तहत एक मतदाता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम के तहत, कामरूप के जिला विकास आयुक्त सुशांत कुमार दत्त ने महाविद्यालय परिसर में आयोजित एक समारोह में स्वीप सेल के तत्वावधान में प्रसिद्ध चित्रकार रॉबिन बोर द्वारा रेत में चित्रित तीन जागरूकता वीडियो लॉन्च किए। उल्लेखनीय है कि तीनों वीडियो में मतदाता जागरूकता संदेश होने के साथ साथ कामरूप जिले के ऐतिहासिक महत्व का उल्लेख है। समारोह में बोलते हुए, जिला

विकास आयुक्त सुशांत कुमार दत्त ने मजबूत लोकतंत्र के लिए मतदान प्रक्रिया में सभी की सक्रिय भागीदारी की आवश्यकता पर बल दिया और सभी से आगामी 7 मई में दल समूह में आकर मतदान करने का आग्रह किया। बैठक में कामरूप निर्वाचन जिला द्वारा व्यवस्थित मतदाता शिक्षा और चुनाव भागीदारी कार्यक्रम के तहत शुरू किए गए मतदाता अनुकूल कार्यक्रम के हिस्से के रूप में पिछले विधानसभा चुनाव में पहली बार मतदान करने वाले युवा मतदाता इस बार लोकसभा के चुनाव में पहली बार मतदान करने वाले नए मतदाताओं सात मनी व्यवहार कर प्रस्तुत किए गए दोस्ती का बैंड पहनाकर मतदान का आह्वान किया। उल्लेखनीय है कि दोस्ती का बैंडआगामी 7 मई को आयोजित होने वाले लोकसभा चुनाव के दिन की याद दिलाएगा। साथ ही पिछले चुनाव में मतदान करने वाले युवा मतदाता नए मतदाताओं को भी मतदान करने के लिए प्रोत्साहित करेंगे और मतदान प्रक्रिया के बारे में अपने अनुभव साझा करेंगे। इस कार्यक्रम ने नए मतदाताओं को मतदान से पहले मतदान प्रक्रिया से परिचित कराने के लिए कामरूप चुनाव जिले द्वारा तैयार की गई मतपत्र इकाइयों की 3डी प्रतिकृतियों का उपयोग करने का मतदान अनुभव प्राप्त करने का अवसर भी प्रदान किया।

पूर्व डीडीएसई तालेम जामोह गिरफ्तार

इटानगर (हिंस)। अरुणाचल प्रदेश राज्य जांच सेल (एसआईसी) (सतर्कता) ने शिक्षा विभाग के तहत प्राथमिक अध्यापक (पीआरटी) और एमटीएस की अवैध नियुक्तियों के अरोप में सियांग जिले के पूर्व स्कूल शिक्षा उप निदेशक (डीडीएसई) तालेम जामोह को गिरफ्तार किया है। अनंत मितल पुलिस अधीक्षक एसआईसी ने बताया कि पूर्व डीडीएसई जामोह को ताजिंग सरोह की शिकायत के आधार पर बुधवार को गिरफ्तार किया गया था। दस्तावेजों के विस्तृत विश्लेषण, नियुक्त व्यक्तियों से पूछताछ और अन्य संबंधितों तथा एसआईसी द्वारा तकनीकी विश्लेषण के बाद गिरफ्तारी की गई। उन्होंने बताया कि राज्य के शिक्षा विभाग में अवैध नियुक्तियों के मामले की विस्तृत जांच की जा रही है।

शिलांग में दो और पेट्रोल बम हमले

शिलांग (हिंस)। गुरुवार को मेघालय की राजधानी शिलांग में दो और पेट्रोल बम हमले होने की सूचना है। रिपोर्टों के अनुसार, ताजा हमले आज सुबह हुए, जिसमें भारी सुरक्षा वाले शिलांग सदर पुलिस थाना और रिनजा पुलिस थाना पर पेट्रोल बम फेंके गए। पिछले कुछ दिनों में पेट्रोल बमों से जुड़ी पांच अलग-अलग घटनाओं में पुलिस थानों, सरकारी संपत्ति और वाहनों को निशाना बनाया गया है। इन हमलों के पीछे के किसी भी अपराधी की पहचान या गिरफ्तारी नहीं की जा सकी है। इस घटना से पहले, केंच ट्रेस में मेघालय सरकार निर्माण निगम (एमजीसीसी) कार्यालय को निशाना बनाकर एक पेट्रोल बम हमला किया गया था। पेट्रोल बम से खड़ी गाड़ियां बाल-बाल बच गईं और सतर्क रात्रि प्रहरियों ने तुरंत आग बुझा दी। हालांकि, इन हमलों के पीछे का मकसद स्पष्ट नहीं है। कुछ पुलिस सूत्रों को तीन गैर-आदिवासी मजदूरों की हत्याओं के मामले में छात्र संघ के सदस्यों की गिरफ्तारी से इसका संबंध होने का संदेह है।

होजाई : असम साहित्य सभा ने मेधावी विद्यार्थियों का किया सम्मान

होजाई (निसं)। असम साहित्य सभा की होजाई शाखा ने हालही में घोषित दसवीं की परीक्षा में डिस्टिंक्शन एवं स्टार मार्क्स प्राप्त विद्यार्थियों के लिए हर वर्ष की भांति सम्मान समारोह का आयोजन नया बाजार स्थित साहित्य सभा के सत्याथी लक्ष्मीनाथ बेजबरुवा भवन में बुधवार को किया। उक्त समारोह में 307 मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में असमिया साहित्य जगत के लोकप्रिय लेखक, साहित्य अकादमी पुरस्कार विजेता जयंत माधव बोरा उपस्थित हुए। कार्यक्रम में सोनपुर साहित्य सभा के अध्यक्ष रूपेण कुमार चौधरी, भारतीय स्टेट बैंक के उप प्रबंधक सदानंद नियोग, पौर सभा की अध्यक्षा चतुर्थी रानी विश्वास, विशिष्ट कांठ शिल्पी आफताब अहमद, शिक्षाविद अब्दुर रऊफ, निताई दास, उत्पल शर्मा, गयासुद्दीन अहमद सहित कई विशिष्ट व्यक्ति उपस्थित हुए। कार्यक्रम का संचालन असम साहित्य सभा के अनूप कुमार बरठाकुर, श्रीमंत माधव शर्मा, प्रताप बरुवा ने सुसज्जित तरीके से किया किया। मुख्य अतिथि जयंत माधव बोरा ने कहा कि आज के इस आधुनिक दौर में विद्यार्थियों के लिए अपना कैरियर बनाने के लिए कई रास्ते खुले हुए हैं। उन्होंने कहा विद्यार्थियों को चाहिए कि वे लगन, निष्ठा, एकाग्रता के साथ अपनी रुचि के हिसाब से अपने भविष्य हेतु निर्णय ले। उन्होंने कई उदाहरण देते छात्र छात्राओं का मार्गदर्शन किया। साथी उन्होंने असम साहित्य सभा की होजाई शाखा की प्रशंसा करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से छात्र-छात्राओं का मनोबल बढ़ता है वही नई पीढ़ी को एक प्रेरणा मिलती है। वही सभा में सभी अतिथियों ने बच्चों का मार्गदर्शन किया। उक्त समारोह में 86 डिस्टिंक्शन व 221 स्टार मार्क्स प्राप्त विद्यार्थियों का फूलाम गामोछा, सर्टिफिकेट व नीम की पूली देकर सम्मानित किया गया। उक्त कार्यक्रम में साहित्य सभा के अध्यक्ष दयाल चंद्र क्रो, सचिव हरगोविंद कलिता सहित सभी सदस्यों ने अपना पूर्ण योगदान देकर कार्यक्रम को सफल बनाया।

लमडिंग-सिलचर ट्रेन सेवा भूस्खलन के कारण अवरुद्ध

डिमा हसाओ (हिंस)। डिमा हसाओ जिले में भूस्खलन के कारण लमडिंग-सिलचर ट्रेन सेवा फिर से बाधित हो गई है। ज्ञात हो कि भारी बारिश से हुए भूस्खलन से संचार व्यवस्था बाधित हो गई है। डिमा हसाओ जिला प्रशासन द्वारा जिले में शैक्षणिक संस्थानों को बंद रखने का निर्देश दिया गया है। पहाड़ी जिला पिछले कुछ दिनों से प्रतिकूल मौसम की चपेट में है। पहाड़ी जिले के निवासी डरे हुए हैं। जिला प्रशासन और जिला आपदा प्रबंधन विभाग ने खराब मौसम के कारण गुरुवार को एक आदेश जारी किया। आदेश के अनुसार पर्वतीय जिले के सभी शैक्षणिक संस्थान आज से अगले आदेश तक बंद रहेंगे।

श्री राम सेवा समिति के सौजन्य से आयोजित अष्टयाम संपन्न

गुवाहाटी। जय श्री राम सेवा समिति के सौजन्य से गत 27 अप्रैल को 24 घंटों का अखंड अष्टयाम महायज्ञ का शुभारंभ किया गया था जिसका समापन 28 अप्रैल को सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। समिति द्वारा आयोजित महायज्ञ में 27 अप्रैल को सैकड़ों कलशयात्री सुबह 8 बजे वशिष्ठाश्रम से जल भर कर यज्ञ स्थल लटाकाटा स्थित दुर्गा मंदिर पहुंची। तत्पश्चात विद्वान पंडितों ने मुख्य यजमान साधु राय व उनकी धर्मपत्नी को विधिवत पूजा कर यज्ञ का शुभारंभ दोपहर 1.17 बजे हुआ। हरे राम-हरे कृष्ण... के धून से शुरू अष्टयाम में महाप्रसाद का भी आयोजन किया गया था। 28 अप्रैल को दोपहर 1.45 बजे यज्ञ का समापन हुआ। यह जानकारी समिति के अध्यक्ष राकेश राय एवं मीडिया सचिव बवन ठाकुर ने दी है।

कराटे चैंपियनशिप में निबिड़ भट्टाचार्य ने बढ़ाया रंगिया का मान

रंगिया (विभास)। गुवाहाटी होरूसोजाई स्थित कर्मबीर नवीन चंद्र बरदलोई इंडोर स्टेडियम में हाल ही में आयोजित दूसरा अखिल भारत देव हाह कराटे चैंपियनशिप प्रतियोगिता में भाग लेकर रंगिया के निबिड़ भट्टाचार्य ने 11वर्ष की शाखा के अंतर्गत कुमेटे में रजद पदक हासिल कर कराटे प्रशिक्षण केंद्र ग्लोबल अकादमी, रंगिया तथा समग्र अंचल का नाम रोशन किया है। मालूम हो कि निबिड़ भट्टाचार्य रंगिया वार्ड नं-3 के प्रतिष्ठित व्यवसायी विश्वजीत भट्ट व पूर्णिमा बोड़ो भट्ट के पुत्र है जोकि रंगिया उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के छठी कक्षा के छात्र है। बताया गया है कि निबिड़ भट्टाचार्य ने इससे पहले भी कई प्रतियोगिता में भाग लेकर अच्छा प्रदर्शन किया है। पिछले 20 और 23 जनवरी को इसी स्टेडियम प्रांगन में आयोजित द्वितीय अंतर्राष्ट्रीय नेताजी कप कराटे चैंपियनशिप में शंकरदेव शिशु निकेतन विद्यालय से खिलाड़ी निबिड़ भट्टाचार्य और उनके भ्राता ज्ञानजीत भट्टाचार्य ने अपनी अपनी शाखाओं में रजद पदक हासिल कर रंगिया का मान बढ़ाया है। उल्लेखनीय है कि निबिड़ खेल के आलावा संगीत का भी प्रशिक्षण ले रहे है। भविष्य में उसकी इच्छा एक अच्छा खिलाड़ी होने के साथ भारतीय प्रशासनिक व पुलिस सेवा में जुड़ने की है। फिलहाल उन्हें रंगिया ग्लोबल कराटे अकादमी के कराटे प्रशिक्षक मनोज कुमार बोड़ो और बाबुल बोड़ो के तत्वाधान में कराटे का प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

रंगिया में विप्र महापरिषद का परशुराम जन्मोत्सव का आयोजन 10 को

रंगिया (विभास)। हरवर्ष की तरह इसबार भी बैशाख मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि (अक्षय तृतीया) को भगवान विष्णु के अवतार महाप्रभु परशुराम का जन्मोत्सव समग्र देश के साथ रंगिया में भी मनाया जाएगा। विप्र महापरिषद, रंगिया के तत्वावधान में पिछले दस वर्षों की तरह इसबार इसका ग्यारहवां आयोजन आगामी 10 मई को एक दिवसीय कार्यक्रम के साथ श्री श्री राधाकृष्ण मंदिर प्रांगण में किया जाएगा। कार्यक्रम के आयोजन के विषय में विचार विमर्श को लेकर परिषद के अध्यक्ष शंकरलाल शर्मा की अध्यक्षता में पिछले 26 अप्रैल को मंदिर प्रांगण में एक साधारण सभा का आयोजन किया गया। जिसमें सचिव लक्ष्मण राम शर्मा ने पिछले

वर्ष के प्रतिवेदन के साथ आय व्यय का ब्यौरा दिया। वहीं सर्वसम्मति से अध्यक्ष द्वारा ऑडिट रिपोर्ट को गृहित करने के पश्चात आगामी जन्मोत्सव के आयोजन के विषय पर चर्चा प्रारंभ की गई। विस्तृत विचार विमर्श के पश्चात आगामी महोत्सव के सुचारू रूप से संचालन के लिए एक आयोजन समिति का गठन किया गया और कार्यक्रम का निर्धारण करते हुए विभिन्न दायित्वों का पदभार दिया समाजबंधुओं को सौंपा गया। महोत्सव के दौरान आयोजित होने वाले कार्यक्रमों के अनुसार इसका शुभारंभ अध्यक्ष शंकरलाल शर्मा द्वारा धार्मिक ध्वजारोहण के साथ सुबह 8 बजे किया जाएगा। इसके पश्चात सुबह 8.30 बजे मूर्ति स्थापना एवं समिति के उपाध्यक्ष बासुदेव द्वारा शर्मा द्वारा पुजा अर्चना प्रारंभ की जाएगी। वहीं पुजा समापित के पश्चात सुबह 9 बजे सुंदर कांड पाठ मुख्य वाचक हरि प्रसाद शर्मा द्वारा किया जाएगा। और इसके बाद सुबह 10 बजे हनुमान चालीसा का पाठ जिसका मुख्य संचालन मुख्य रूप से अनीता शर्मा करेंगी। इसके पश्चात महाआरती एवं दोपहर 12 बजे मंदिर प्रांगण से भगवान परशुराम की शोभायात्रा निकाली जाएगी। जोकि मंदिर प्रांगण से प्रारंभ होकर नगर के प्रमुख मार्गों से होती हुई पुनः मंदिर प्रांगण पहुंचेगी। कार्यक्रम के दौरान दोपहर 1 बजे महाप्रसाद का आयोजन और संध्या 7 बजे मंदिर प्रांगण में 108 दीप प्रज्वलन, संध्या आरती और छप्पन भोग का आयोजन किया जाएगा। और रात्रि 9 बजे से स्थानीय बजरंग भजन मंडली द्वारा भजन-कीर्तन के साथ एक दिवसीय कार्यक्रम का समापन होगा। वहीं आयोजन समिति की ओर से कार्यक्रम में सभी भक्तों की उपस्थिति और मार्गदर्शन की कामना की गई है।

संपादकीय

घटते मतदान के सबब

यदि लोकतंत्र को वाकई जिंदा और प्रासंगिक रखना है, तो भरपूर मतदान कीजिए। चुनाव ही लोकतंत्र की जीवन-रेखा हैं। मताधिकार हमारा संवैधानिक, मौलिक अधिकार है, क्योंकि हम एक स्वतंत्र और संप्रभु राष्ट्र हैं। मतदान छुट्टी या सैर-सपाटे का दिन नहीं है, क्योंकि हम पर देश की संसद और सरकार चुनने का गुरुत्तर दायित्व है। इस दायित्व की लगातार अनदेखी की जा रही है। आम चुनाव, 2024 के दूसरे चरण में भी मतदान अपेक्षाकृत घटा है। अर्थात चुनाव के प्रति हम उदासीन या लापरवाह दिखाई दे रहे हैं। पहले दोनों चरणों में 190 लोकसभा सीटों पर मतदान हो चुका है। यानी करीब 35 फीसदी चुनाव सम्पन्न हो चुका है, लेकिन दूसरे चरण की 88 लोकसभा सीटों पर करीब 16 करोड़ पात्र मतदाता थे। उनमें से करीब 4.5 करोड़ मतदाताओं ने वोट नहीं डाले। आखिर क्यों? क्या इसे चुनाव-बहिष्कार माना जाए? दूसरे चरण में मतदान शनिवार शाम 7 बजे तक 66.7 फीसदी गिना गया। यह चुनाव आयोग का लगभग अंतिम आंकड़ा है। 2019 के चुनाव की तुलना में यह 3 फीसदी कम रहा। मध्यप्रदेश में 9 फीसदी, उप्र में 6.9 फीसदी, बिहार में 5 फीसदी, बंगाल में 4 फीसदी और राजस्थान में 3.39 फीसदी मतदान कम हुआ है। दक्षिण, पूर्व और पूर्वोत्तर भारत में भी मतदान घटा है। कुछ महत्वपूर्ण सीटों में से राहुल गांधी की वायनाड पर 6 फीसदी से ज्यादा और प्रख्यात अभिनेत्री हेमामालिनी की मथुरा सीट पर करीब 11 फीसदी मतदान घटा है। टीवी धारावाहिक 'रामायण' में प्रभु राम का किरदार निभाने वाले अरुण गोविल के मेरठ में करीब 6 फीसदी, केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर और पूर्व केंद्रीय मंत्री शशि थरूर के तिरुवनंतपुरम में करीब 10 फीसदी मतदान कम हुआ है। दरअसल 2019 के दूसरे चरण में जिन सीटों पर भाजपा जीती थी, उन पर 3 फीसदी तक मतदान कम हुआ है। जो सीटें कांग्रेस ने जीती थीं, उन पर 5-10 फीसदी मतदान घटा है। हिंदी पट्टी के प्रमुख राज्यों में मतदान औसतन 7 फीसदी तक घटा है। ये राज्य ही भाजपा के दुर्गनुमा चुनावी गढ़ हैं। क्या यह घटा हुआ मतदान भाजपा के खिलाफ एक 'खामोश चुनावी लहर' है? सवाल यह भी है कि फिर यह लहर किस राजनीतिक दल के पक्ष में है? कांग्रेस ने तो 300 सीटों पर भी उम्मीदवार नहीं उतारे हैं और गठबंधन के तौर पर 'इंडिया' छिन्न-भिन्न स्थिति में है। तो फिर जनादेश कैसा होगा और केंद्र सरकार का स्वरूप भी कैसा होगा? चुनाव का जो रुझान दिखाई दे रहा है, उसमें प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा के प्रति गंभीर नाराजगी का भाव महसूस नहीं होता। यदि सरकार बदलने के लिए मतदान होना था, तो लबालब भीड़ पोलिंग स्टेशनों के अंदर-बाहर दिखाई देती और मतदान भी 70 फीसदी से ज्यादा होता। कांग्रेस के पास काडर, बूथ कार्यकर्ता और मतदाता को पोलिंग स्टेशन तक पहुंचाने वाले संगठन की कमी देखी जाती रही है, लेकिन मतदाताओं का ऐसा सैलाब भी गायब है, जो 400 पार के जनादेश को सुनिश्चित कर दे। हालांकि प्रधानमंत्री के मंगलसूत्र और मुसलमान वाले अभियान के बाद ध्रुवीकरण महसूस किया गया है। जुमे की नमाज के बाद मुसलमान भी पोलिंग स्टेशनों की ओर गए हैं। क्या वह सारा मतदान भाजपा-विरोधी हुआ है? गंभीर सवाल यह है कि मतदान एक स्तर के बाद उठ क्यों नहीं रहा है? पूरे देश में गर्मी अभी इतनी भीषण नहीं है कि सुबह और शाम में मतदान न किया जा सके। क्या युवाओं और नए मतदाताओं ने मतदान कम किया? उनकी दिलचस्पी कम दिखाई दी है। ऐसे कई लाख मतदाताओं ने वोट नहीं दिए। सवाल यह भी है कि किस राजनीतिक पक्ष के मतदाता अपने घरों से बाहर नहीं निकले? चूंकि मतदान शुक्रवार हो हुए हैं, लिहाजा यह भी एक कारण हो सकता है कि लंबे सप्ताहांत के मद्देनजर लोग छुट्टी पर निकल गए हों! लोकतंत्र की अनदेखी यहां भी हुई है। बहरहाल तीसरे चरण के मतदान के मद्देनजर भाजपा ने अपनी रणनीति बदलने का फैसला लिया है। करीब 500 नेता और पदासीन कार्यकर्ता मतदान वाले क्षेत्रों में तैनात किए जाएंगे। वे सुबह और शाम में मुख्य चुनाव केंद्र को रपट देंगे कि मतदाता की स्थिति क्या है? तीसरे चरण में अपने कोटे के मतदाताओं के वोट डलवाने को भाजपा ने कमर कस ली है। क्या कम मतदान का सबब यही है? हम इस सवाल से सहमत नहीं हैं।

> अर्थात चुनाव के प्रति हम उदासीन या लापरवाह दिखाई दे रहे हैं। पहले दोनों चरणों में 190 लोकसभा सीटों पर मतदान हो चुका है। यानी करीब 35 फीसदी चुनाव सम्पन्न हो चुका है, लेकिन दूसरे चरण की 88 लोकसभा सीटों पर करीब 16 करोड़ पात्र मतदाता थे। उनमें से करीब 4 .5 करोड़ मतदाताओं ने वोट नहीं डाले। आखिर क्यों? क्या इसे चुनाव-बहिष्कार माना जाए? दूसरे चरण में मतदान शनिवार शाम 7 बजे तक 66 .7 फीसदी गिना गया। यह चुनाव आयोग का लगभग अंतिम आंकड़ा है। 2019 के चुनाव की तुलना में यह 3 फीसदी कम रहा। मध्यप्रदेश में 9 फीसदी, उप्र में 6 .9 फीसदी, बिहार में 5 फीसदी, बंगाल में 4 फीसदी और राजस्थान में 3 .39 फीसदी मतदान कम हुआ है। दक्षिण, पूर्व और पूर्वोत्तर भारत में भी मतदान घटा है।

दुनिया में कोई एक दशक पहले खिलौनों की भारत से मुश्किल से ही किसी तरह की खरीददारी होती थी

वैश्विक ऊंचाई पर खिलौना कारोबार

डा. जयंती लाल भंडारी

> भारत के खिलौना उद्योग ने वित्त वर्ष 2014-15 से वित्त वर्ष 2022-23 के बीच तेजी से प्रगति की है और निर्यात में 239 प्रतिशत की भारी वृद्धि हुई तथा आयात में 52 प्रतिशत तक की गिरावट आई है। नि:संदेह इस समय पूरी दुनिया में यह रेखांकित हो रहा है कि 'मेक इन इंडिया' अभियान से भारत का खिलौना उद्योग वैश्विक ऊंचाई पर है। स्थिति यह है कि 'मेक इन इंडिया' अभियान ने खिलौना विनिर्माण क्षेत्र में चीन को झटका देते हुए खिलौना निर्माण को भारत के लिए फायदे का सौदा साबित कर दिया है।

हाल ही में केंद्रीय व्यापार एवं उद्योग मंत्रालय के द्वारा प्रकाशित रिपोर्ट के मुताबिक भारत के खिलौना उद्योग ने वित्त वर्ष 2014-15 से वित्त वर्ष 2022-23 के बीच तेजी से प्रगति की है और निर्यात में 239 प्रतिशत की भारी वृद्धि हुई तथा आयात में 52 प्रतिशत तक की गिरावट आई है। निःसंदेह इस समय पूरी दुनिया में यह रेखांकित हो रहा है कि 'मेक इन इंडिया' अभियान से भारत का खिलौना उद्योग वैश्विक ऊंचाई पर है। स्थिति यह है कि 'मेक इन इंडिया' अभियान ने खिलौना विनिर्माण क्षेत्र में चीन को झटका देते हुए खिलौना निर्माण को भारत के लिए फायदे का सौदा साबित कर दिया है। गौरतलब है कि चीन से खिलौनों की खरीददारी करने वाले कई खरीददार अब तेजी से भारत की ओर रुख कर रहे हैं। यह कोई छोटी बात नहीं हैं कि दुनिया में कोई एक दशक पहले खिलौनों की भारत से मुश्किल से ही किसी तरह की खरीददारी होती थी। लेकिन मेक इन इंडिया के कारण कई बड़ी-बड़ी खिलौना कंपनियों ने भारत में खास तौर से दिल्ली में अपना आधार तैयार किया है, जो आज अंतरराष्ट्रीय खिलौना कंपनियों को भी आपूर्ति करती है। इस समय हैस्ब्रो, मैटल, स्पिन मास्टर और अर्ली लर्निंग सेंटर जैसे खिलौनों के वैश्विक ब्रांड आपूर्ति के लिए भारत पर अधिक निर्भर हैं। साथ ही खिलौनों के लिए विश्व प्रसिद्ध इटली की दिग्गज कंपनी ड्रीम प्लास्ट, माइक्रोप्लास्ट और इंकास आदि खिलौनों के लिए अपना ध्यान धीरे-धीरे चीन से भारत पर केंद्रित कर रही हैं। अब वह समय बीत गया है कि जब पांच-छह वर्ष पहले तक भारत खिलौनों के लिए बहुत कुछ दूसरे देशों पर निर्भर था और भारत में 80 फीसदी से अधिक खिलौने चीन से आयात किए जाते थे। साथ ही लगातार विभिन्न सर्वेक्षणों में कहा जा रहा था कि चीन से आयातित दो-तिहाई खिलौने असुरक्षित थे। चीनी खिलौने में सीसा, कैडमियम और बेरियम के असुरक्षित तत्व पाए गए थे। अब भारत से खिलौनों के तेजी से बढ़ते हुए निर्यात और घटते हुए आयात का नया लाभप्रद अध्याय भी रेखांकित हो रहा है। उल्लेखनीय है कि इस समय देश और दुनिया में भारतीय खिलौना उद्योग की बहुत कम समय में हासिल ऐसी सफलता रेखांकित हो

रही है, जिसकी कभी किसी ने कल्पना तक नहीं की थी। इस समय चारों ओर भारत के सस्ते और गुणवत्तापूर्ण खिलौना उद्योग का सुकूनदेह परिदृश्य उभरकर दिखाई दे रहा है। साथ ही भारत का खिलौना निर्यात पांच-छह वर्षों में तेजी से बढकर 2600 करोड़ रुपए के स्तर पर पहुंच गया है। भारत से अमरीका, ब्रिटेन, यूरोपीय यूनियन, आस्ट्रेलिया, यूएई, दक्षिण अफ्रीका सहित कई देशों को खिलौने निर्यात किए जा रहे हैं। इस समय भारतीय खिलौना उद्योग का कारोबार करीब 1.5 अरब डॉलर का है जो वैश्विक बाजार हिस्सेदारी का 0.5 फीसदी मात्र है, लेकिन जिस तरह भारत में खिलौना उद्योग को प्रोत्साहन दिया जा रहा है, उससे खिलौना उद्योग छलांगे लगाकर बढ़ते हुए इसी वर्ष 2024 में 3 अरब डॉलर तक की ऊंचाई पर पहुंचने की संभावनाएं रखता है। यह स्पष्ट दिखाई दे रहा है कि देश और दुनिया में भारतीय खिलौना बाजार को ऊंचाई मिलने के कई कारण हैं। इसमें कोई मत नहीं है कि 'मन की बात' के अपने संबोधन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बार-बार देश के लोगों को स्वदेशी भारतीय खिलौनों को खरीदने, घरेलू डिजाइनिंग को सुदृढ़ बनाने, भारत को खिलौनों के लिए एक वैश्विक विनिर्माण हब बनाने की अपील की। खिलौनों की बिक्री के लिए भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) की मंजूरी जरूरी होना, संरक्षणवाद, चीन-प्लस-वन रणनीति और मूल सीमा शुल्क बढ़ाकर 70 प्रतिशत किए जाने से भारत के खिलौना उद्योग में तेजी आई है। बीआईएस मानक चिन्ह वाले खिलौनों के निर्माण के लिए बीआईएस ने घरेलू निर्माताओं को 1200 से अधिक लाइसेंस और विदेशी निर्माताओं को 30 से अधिक लाइसेंस प्रदान किए हैं। सरकार के प्रयासों से भारतीय खिलौना उद्योग के लिए अधिक अनुकूल विनिर्माण परितंत्र बनाने में मदद मिली है। 2014 से 2020 तक 6 वर्षों की अवधि में सरकार के समर्पित प्रयासों से विनिर्माण इकाइयों की संख्या दोगुनी हो गई है, आयातित वस्तुओं पर निर्भरता 33 प्रतिशत से घटकर 12 प्रतिशत हो गई है। वर्तमान में एमएसएमई मंत्रालय 19 खिलौना उत्पादन केंद्रों की मदद कर रहा है, और वस्त्र मंत्रालय 13 खिलौना उत्पादन केंद्रों को खिलौनों का डिजाइनिंग तैयार करने और जरूरी साधन मुहैया कराने में मदद कर रहा है। स्वदेशी खिलौनों को बढ़ावा देने और नवाचार को प्रोत्साहित करने के लिए कई प्रचार पहल भी की गई हैं, जिनमें दि इंडियन टॉय फेयर 2021, टॉयकैथॉन आदि शामिल हैं। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने घटिया स्तर के खिलौनों के आयात पर अंकुश लगाने के लिए प्रत्येक आयात खेप का नमूना परीक्षण अनिवार्य कर दिया है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2014-15 के बाद से लगातार वर्ष 2024-25 के अंतरिम बजट तक में सरकार ने खिलौना उद्योग के विकास के लिए प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से प्रोत्साहन और समर्थन देने की रणनीतिक पहल की है। सरकार ने खिलौना उद्योग को देश के 24 प्रमुख सेक्टर में स्थान दिया है। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि भारतीय खिलौनों को वैश्विक खिलौना बाजार में बड़ी भूमिका निभाने हेतु खिलौना उद्यमियों को प्रेरित किया गया है। निश्चित रूप से मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत सरकार की नीतिगत पहलों के साथ-साथ घरेलू निर्माताओं के प्रयासों से भारतीय खिलौना उद्योग में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। यद्यपि देश का खिलौना उद्योग तेजी से आगे बढ़ रहा है, लेकिन अभी भी देश के खिलौना सेक्टर को चमकीली ऊंचाई देने के लिए खिलौना क्षेत्र के तहत एक लम्बे समय से चली आ रही कई बाधाओं को हटाया जाना जरूरी है। भारतीय खिलौना उद्योग में विकास को बढ़ावा देने के लिए एक रणनीतिक कार्ययोजना की जरूरत है।

दृष्टि कोण

बदलाव की बयार वैसे बहने लगी पूवरेत्तर में

पूवरेत्तर में उग्रवादी घटनाओं में 89 प्रतिशत की कमी और नागरिकों की मौत के मामलों में 85 प्रतिशत की कमी आईं है। सुरक्षाबलों की मृत्यु की घटनाएं 71 प्रतिशत घटकर 458 से 132 रह गईं, नागरिकों की मृत्यु में 86 प्रतिशत की कमी आईं है। बदलाव की बयार वैसे बहने लगी पूवरेत्तर में बीती 26 अप्रैल को लोकसभा की देशभर के अलग-अलग राज्यों में पैली 88 सीटों के लिए मतदान हुआ, पर एक खास बात की कमोबेश अनदेखी ही हुईं। दूसरे चरण की पोलिग में मणिपुर में 77.18 फीसद और त्रिपुरा में 78. 53 फीसद तक मतदान हुआ। इन दोनों राज्यों जितना अधिक मतदान देश में कहीं नहीं हुआ। इससे पहले, पहले दौर के मतदान में मेघालय में 70.26 फीसद, मिजोरम में 54.18 फीसद, नगालैंड में 56.77 फीसद, त्रिपुरा और मणिपुर में व्रामश: 89 फीसद से वुछ कम और लगभग 70 फीसद मतदान हुआ। यही नहीं, कहीं कोईं हिसा भी नहीं हुईं। मतदान के ये आंकड़े बहुत वुछ साफ-साफ कहते हैं। ये उन तमाम लोगों को शांत करवाने के लिए काफी हैं जो दावा करते थे कि पूवरेत्तर राज्यों में शांति अभी दूर की संभावना है। सच तो यह है कि पूवरेत्तर भारत की सफलता की कहानी बनकर उभरा है। पूवरेत्तर से देश भर संदेश गया है कि कोशिश हो तो जटिल विवाद हल हो सकते हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पिछले दस वर्षो में कईं खूंखार उग्रवादी संगठनों के साथ शांति समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए और 9,500 से अधिक उग्रवादी आत्मसमर्पण कर समाज की मुख्यधारा में शामिल हुए। बेहतर सुरक्षा स्थिति के कारण, पूवरेत्तर के 80 प्रतिशत हिस्से से सशस्त्र बल विशेष अधिकार अधिनियम (एएफएसपीए) हटा लिया गया है। पिछली सरकारों द्वारा वास्तविक समस्याओं का समाधान किए बिना सशस्त्र बल विशेष अधिकार अधिनियम (एएफएसपीए) को लगातार बढ़ाया गया। इसे त्रिपुरा और मेघालय से पूरी तरह हटा लिया गया है और मणिपुर, मिजोरम और अरुणाचल प्रदेश के अधिकांश जिलों में इसका अस्तित्व समाप्त हो गया है। बेशक, यह क्षेत्र में कानून-व्यवस्था की सुधरती स्थिति की ओर इशारा करता है। देश के लिए सिरदर्द बनने वाले उल्फा, यूएनएलएफ, डीएनएलएफ, एनएलटीएफ जैसे संगठन शांति स्थापित करने के लिए तैयार हुए और उनके वैडर देश- प्रदेश की मुख्यधारा में शामिल हो गए। इन उग्रवादी संगठनों के हजारों वैडरों ने आत्मसमर्पण कर दिया और उन्हें पुनर्वासित किया जा रहा है। दरअसल पूवरेत्तर राज्यों में अशांति का लंबा इतिहास रहा है। यहाँ उग्रवाद, अवैध घुसपैठ और अन्य समस्याओं के कारण पूरा क्षेत्र पक्षाघात की स्थिति मे ला कर खड़ा कर दिया गया था। कहना पड़ेगा कि पिछली सरकारों ने कोई ठोस कदम नहीं उठाए। यही नहीं, पूवरेत्तर राज्य की पुरानी समस्याओं को हल करने की तरफ ध्यान नहीं दिया गया, जिसका परिणाम यह हुआ की यह सारा क्षेत्र जलने लगा। ऐसा प्रतीत होता हैं जैसे वहां की जनता को मूर्ख बना कर उनका ध्यान भटकाया जाता रहा। नरेंद्र मोदी सरकार ने अपने पहले कार्यकाल से ही पूवरेत्तर राज्यों पर विशेष ध्यान दिया है। यह एक ऐसा क्षेत्र है जो विकास के लिए वेंद्र सरकार पर बहुत अधिक निर्भर है। यह सब होने के बावजूद इसकी घोर उपेक्षा की गईं। अगर पूवरेत्तर राज्य अब अमन की तरफ पूरी तरह से बढ़ रहे है तो इसका श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके तेज तर्रार गृह मंत्री अमित शाह को देना होगा। अमित शाह के पास एक रणनीतिक दृष्टिकोण है जो उनके सभी पूर्ववर्तियों को भी मात देता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सबका साथ, सबका विकास मंत्र को अमित शाह ने पूवरेत्तर में मन से लागू किया। वेंद्रीय गृह मंत्रालय की सक्षम मध्यस्थता के कारण अग्रवादी संगठनों को शांति का रास्ता अपनाना पड़ा। इससे यह साबित होता है कि, अगर इरादे हों तो जटिल मुद्दों को भी हल किया जा सकता हैं। पूवरेत्तर राज्यों में उग्रवाद और विद्रोह के बढ़ते मामलों के कईं कारण रहे हैं। लेकिन सबसे मुख्य कारण क्षेत्र के विकास के प्रति लापरवाही बरतने का है। जिसके लिए लगातार कांग्रेस की सरकारें ही जिम्मेदार रही हैं। एक बात जान लेना होगा कि अगर किसी मसले का ईंमानदारी से हल खोजा जाए तो फिर हल निकलता ही है। पिछले दसेक सालों के दौरान पूवरेत्तर में उग्रवादी घटनाओं में 89 प्रतिशत की कमी और नागरिकों की मौत के मामलों में 85 प्रतिशत की कमी आईं है। सुरक्षाबलों की मृत्यु की घटनाएं 71 प्रतिशत घटकर 458 से 132 रह गईं, नागरिकों की मृत्युमें 86 प्रतिशत की कमी आईं है। शांति अपने साथ विकास लाती है और विकास स्थायी शांति स्थापित करती है। मोदी सरकार ने पूवरेत्तर भारत में इन्फ्रास्ट्रक्चर विकास के लिए पिछले 10 सालों में रेलवे में 81000 करोड़ रूपए, सड़क संपर्व में 48000 करोड़ रूपए और भारतमाला परियोजना के तहत 5196 किलोमीटर लंबी सड़कों का निर्माण किया है। उड़ान योजना के तहत 8 नए हवाईअड्डों का निर्माण हुआ है और 71 नए हवाईं मार्ग शुरू किए गए हैं। इसके अलावाबेहतर कनेक्टिविटी के लिए सड़क नेटवर्व की मरम्मत और सुधार किया जा रहा है। शीशे की तरह साफ है कि नरेंद्र मोदी सरकार पूवरेत्तर भारत में समग्र रूप से विकास करना चाहती है, चाहे वह सड़क कनेक्टिविटी, रेल कनेक्टिविटी, बिजली उत्पादन, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, दूरसंचार, आदिवासी कल्याण आदि हो। 2014 के बाद से उत्तर-पूर्व भारत की कहानी एक नीति के तौर पर एक महत्वपूर्ण केस-स्टडी होगी जिसमे गृह मंत्री अमित शाह की भूमिका को उचित महत्व दिया जाएगा।

कुछ अलग

आब-ए-तल्ख की तिजारत अपराध को दावत

इतिहास साक्षी रहा है कि मदिरा की तिजारत, खपत व मांग में कभी कमी नहीं आई है। मद्यपान का इतिहास हजारों वर्ष पुराना है। सुरापान का प्रचलन समाज में हर वर्ग के लोगों में व्यापक रहा है। आचार्य चार्वाक जैसे महान्‌दार्शनिक ने सदियों पूर्व अपने श्लोकों में सुरापान का उल्लेख किया था। मदिरा की नशीली तासीर को कई शायर व फनकार अपने अंदाज में बयान करते आए हैं। 'हंगामा है क्यों बरपा थोड़ी सी जो पी ली है'- अकबर इलाहाबादी के इन अल्फाज को पाकिस्तान के मशहूर गायक 'गुलाम अली' ने अपनी आवाज से बयान करके सुरा प्रेमियों को नसीहत देकर चेताया था। जाहिर है मदिरा का सेवन हो, अवैध तिजारात हो या देर रात तक खुली रहने वाली मधुशालाओं में आब-ए-तल्ख बोतलों में सजी हो, मदिरा हंगामा जरूर मचाती है। aवर्तमान में आब-ए-तल्ख के घोटाले को लेकर देश की राजधानी चर्चा का मरकज बन चुकी है। देश में चुनावों का दौर चल रहा है। आबकारी विभाग व अन्य सुरक्षा एजेंसियों द्वारा अवैध शराब को कब्जे में लेने की खबरें समाचारपत्रों की सुर्खियां बन रही हैं। मद्यपान के प्रति निगाह-ए-नाज के जज्बात रखने वाला मदिरा प्रेमी वर्ग सुरापान को आब-ए-हयात मानता है, चूंकि आब-ए-तल्ख सुरा प्रेमियों को एक काल्पनिक दुनिया के हसीन ख्वाब दिखाती है। मदिरा की तिजारत को हमारी हुकूमतें अर्थतंत्र की मजबूती का जरिया मानती हैं। अल्कोहल पर लगने वाली एक्साइज ड्यूटी से राज्य सरकारों को एक बड़ा राजस्व हासिल होता है। इसलिए सियासी निजाम शराब को नशा नहीं मानता। मगर शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य का संतुलन बिगाडऩे वाली शराब किस हद तक अपना दुष्परिणाम दिखाती है, यह छिपा नहीं है। गत ग्यारह अप्रैल 2024 को हरियाणा के महेंद्रगढ़ में एक निजी स्कूल वैन के भीषण हादसे का शिकार होने से आठ मासूम छात्रों की मौत हो गई, क्योंकि स्कूल वैन का चालक शराब के नशे में धुत था। अवैध शराब के जहरनुमां कारोबार ने कई घरों के चश्म-ओ-चिराग बुझाकर लाखों लोगों की शब-ए-महताब को जुल्मत में तब्दील कर दिया है। 22 मार्च 2024 को पंजाब के संगरूर जिले में बीस से ज्यादा लोगों की मौत का कारण जहरनुमां शराब बनी। संगरूर में जहरीली शराब से हुई मौतों के बाद राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग व चुनाव आयोग भी हरकत में आ गए। जहरीली शराब देश में एक मुद्दत से मौत का तांडव मचा रही है। लेकिन नशे के अजाब से उपजे मातम को शांत करने के लिए पीड़ितों के आब-ए-चश्म पर मुआवजे व सियासी आश्वासनों का मरहम लगा कर मसले को रफा दफा किया जाता है। चश्म-ए-पलक की रौशनी छीनकर चश्मों की सौगात बांटने की कोशिश होती है। शराब तस्करी पर प्रशासन व सुरक्षा एजेंसियों की नाकामी को छुपाने के प्रयास किए जाते हैं। आर्थिक तंगी के कारण कई लोग शराब माफिया के प्रलोभन में आकर सस्ते दामों पर मिलने वाली नकली शराब खरीद लेते हैं। अवैध शराब ही मौत का कारण बनती है। गुरबत में जीवनयापन करने वाले लोग अदालतों में कानूनी लड़ाई लडऩे में असमर्थ होते हैं। इसी कारण सैकड़ों लोगों को मौत की आगोश में सुलाने वाले नशे के सरगना कानूनी दांवपेंच से बच निकल कर अपनी नशे की सल्तनत को बेखौफ होकर चलाते हैं। देश में नशा उन्मूलन के नाम पर कई विशेष दिवस मनाए जाते हैं। नशा मुक्ति केन्द्रों का संचालन भी हो रहा है। वहीं मयखानों की संख्या में भी रिकार्ड वृद्धि दर्ज हो रही है। शादी समारोहों में होने वाला फसाद व सडक़ों पर कहर मचाती तेज रफ्तार से बढ़ती दुर्घटनाएं, घरेलू हिंसा तथा सामाजिक परिवेश में बढ़ती आपराधिक गतिविधियों के पीछे ज्यादातर पसमंजर मद्यपान का ही है। त्योहार, पर्व के अवसर पर मदिरा की डिमांड जोर पकड़ लेती है।

देश दुनीया से

मजदूर और चिलचिलाती गर्मी...

> जोधपुर का यह प्रयोग बेहद दिलचस्प है, क्योंकि जलवायु परिवर्तन के दौर में अत्यधिक गर्मी, मौसम में उतार-चढ़ाव पूरे भारत और एशिया-प्रशांत क्षेत्र में श्रमिकों की सुरक्षा के लिए वास्तविक खतरा है। ज्यादातर लोग इस भीषण गर्मी में एयरकंडीशनर का इंतजाम नहीं कर सकते। लेकिन दुर्भाग्य से भारत में यह अब भी चुनावी मुद्दा नहीं बन सका है, जबकि इसके प्रभाव स्पष्ट हैं। हाल में अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन के सहायक महानिदेशक और एशिया और प्रशांत क्षेत्र के क्षेत्रीय निदेशक चिहोको असदा मियाकावा ने बताया कि एशिया प्रशांत क्षेत्र में श्रमिकों को प्रचंड गर्मी से लेकर खराब वायु गुणवत्ता तक का सामना करना पड़ता है और इसके प्रभावों का खामियाजा भुगतना पड़ता है।

भीषण गर्मी से झुलसते हुए जोधपुर में एक गैर सरकारी संगठन (एनजीओ) ने नगर निगम के सहयोग से अनौपचारिक क्षेत्र में काम करने वालों के लिए एक कूलिंग स्टेशन बनाया है। इस कूलिंग स्टेशन का उद्देश्य चिलचिलाती गर्मी में शहरी गरीबों को आश्रय देना है। यह जोधपुर के हीट ऐक्शन प्लान का हिस्सा है। दिलचस्प बात यह है कि इसमें ठंडक बढ़ाने के लिए पारंपरिक तरीकों को अपनाया गया है, जैसे खस से बने पैनल, सोलर पैनल से चलने वाले बल्ब और पंखे तथा फुहार के लिए स्प्रिंकलर। यहां पीने का पानी, प्राथमिक चिकित्सा (फर्स्ट एड) किट भी उपलब्ध है। ऐसे समय में जब बड़े शहरों में रहने वाले लोगों सहित ज्यादातर भारतीय परिवारों के पास हर कमरे में एयर कंडीशनर (एसी) नहीं है, जोधपुर का यह प्रयोग बेहद दिलचस्प है, क्योंकि जलवायु परिवर्तन के दौर में अत्यधिक गर्मी, मौसम में उतार-चढ़ाव पूरे भारत और एशिया-प्रशांत क्षेत्र में श्रमिकों की सुरक्षा के लिए वास्तविक खतरा है। ज्यादातर लोग इस भीषण गर्मी में एयरकंडीशनर का इंतजाम नहीं कर सकते। लेकिन दुर्भाग्य से भारत में यह अब भी चुनावी मुद्दा नहीं बन सका है, जबकि इसके प्रभाव स्पष्ट हैं। हाल में अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन के सहायक महानिदेशक और एशिया और प्रशांत क्षेत्र के क्षेत्रीय निदेशक चिहोको असदा मियाकावा ने बताया कि एशिया प्रशांत क्षेत्र में श्रमिकों को प्रचंड गर्मी से लेकर खराब वायु गुणवत्ता तक का सामना करना पड़ता है और इसके प्रभावों का खामियाजा भुगतना पड़ता है। अक्सर पर्याप्त सुरक्षा के बिना काम करते रहने के अलावा उनके पास कोई विकल्प नहीं होता, भले ही स्थितियां कितनी ही खतरनाक हों। भीषण गर्मी शायद सबसे स्पष्ट चुनौती है और इस बारे में मियाकावा ने कहा कि बढ़ते तापमान में जैसे कृषि, निर्माण, मछली पकड़ने और परिवहन जैसे बाहरी काम करने वाले श्रमिकों को गर्मी से संबंधित बीमारियों और लू का खतरा रहता है। यहां तक कि घर के अंदर काम करने वाले उन श्रमिकों को भी खतरा रहता है, जहां भीषण गर्मी हो और वेंटिलेशन की व्यवस्था न हो। फैक्टरियों, खाद्य प्रसंस्करण संयंत्रों, ईंट भट्ठों और गोदामों में तेज धूप के दौरान काम करना श्रमिकों के लिए काफी खतरनाक हो सकता है। बेहतर नियमन, प्रवर्तन, शमन रणनीतियों, प्रशिक्षण और जागरूकता से स्थितियों में काफी बदलाव लाया जा सकता है। स्पष्ट है कि इसके लिए श्रमिकों का सशक्तीकरण जरूरी है, जो उन्हें नौकरी या मजदूरी खोने के डर के बिना प्रचंड गर्मी में काम रोकने की अनुमति प्रदान करे। लेकिन भारत जैसे देश में ऐसा कहना आसान है, करना कठिन, जहां ज्यादातर लोग असंगठित क्षेत्र में काम करते हैं, जिन्हें न तो रोजगार अनुबंध और न ही स्वास्थ्य संबंधी सहयोग उपलब्ध है। मियाकावा लिखते हैं कि 'जलवायु परिवर्तन के कारण वायु प्रदूषण बढ़ने से श्वसन संबंधी बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। बीजिंग, नई दिल्ली और बैंकॉक में खराब वायु गुणवत्ता दैनिक वास्तविकता है, जो प्रदूषकों के संपर्क में आने वाले श्रमिकों के लिए स्वास्थ्य जोखिम पैदा करती है। आदर्श रूप में इन मूल कारणों पर ध्यान दिए जाने की आवश्यकता है। डिलीवरी बॉय या सड़क के किनारे ठेला लगाने वाले को पूरे दिन जहरीली हवा में सांस लेना पड़ता है। इसलिए जागरूकता, रक्षा उपकरण और जहां तक संभव हो सके, काम करने के तरीके में बदलाव की आवश्यकता है, जो इसके प्रभाव को न्यूनतम कर सके।' प्रचंड गर्मी और वायु प्रदूषण के अलावा, चरम

मौसमी घटनाओं की आवृत्ति एवं तीव्रता में भी बढ़ोतरी हो रही है, जो कार्यस्थल पर सुरक्षा और स्वास्थ्य के लिए अतिरिक्त चुनौती पेश करती है। चक्रवात, बाढ़, सूखा, दावानल, प्राकृतिक आपदाएं कामकाज में व्यवधान पैदा करती हैं और श्रमिकों के जीवन को जोखिम में डालती हैं। मियाकावा लिखते हैं कि आपदाओं के बाद 'पहले की स्थिति की बहाली के प्रयासों में श्रमिकों की सुरक्षा एवं कल्याण को प्राथमिकता दी जानी चाहिए तथा आवश्यक सेवाओं, सुरक्षात्मक उपकरणों और मनोसामाजिक समर्थन तक उनकी पहुंच सुनिश्चित करनी चाहिए।' भारत विशेष रूप से संवेदनशील है। पिछले वर्ष फोर्ब्स मैगजीन ने लिखा था, 'निर्माण गतिविधियों के साथ भारतीय कृषि और उद्योग विशेष रूप से गर्मी से संबंधित तनावों के कारण श्रमिकों की उत्पादकता के नुकसान के प्रति संवेदनशील हैं। विश्व बैंक के अनुसार, 2030 तक गर्मी के तनाव के कारण उत्पादकता के नुकसान के चलते अनुमानित 8 करोड़ वैश्विक नौकरियों में से 3.4 करोड़ रोजगार की हानि भारत में हो सकती है।'

आप का नजरीया

सीजन की आफत में

प्रदेश में पर्यटन सीजन की आफत में नागरिक चिंताएं स्वाभाविक हैं। यह इसलिए भी कि अप्रैल से जून महीने तक यह प्रदेश अपने प्रबंधों में गोता खाता है, जबकि साधारण जनता के लिए ट्रैफिक जाम, वाहनों का प्रदूषण और जलापूर्ति के संकट बढ़ जाते हैं। पर्यटकों का हल्ला गुल्ला जब डलहौजी, मकलोडगंज, कसौली, शिमला व मनाली के कानों में सुराख और आंखों को थका देता है, तो अपनी जनता को सुकून कौन देगा। मसला सरकार का नहीं, बल्कि पर्यटन उद्योग से जुड़े व्यवसायियों का भी है। पर्यटन को पार्टनर चाहिए, तो पर्यटक स्थलों को रक्षक चाहिए। होटल इंडस्ट्री, दुकानदार, रेस्तरां-कैफे, टैक्सी आपरेटर तथा गिफ्ट विक्रेता यह तो चाहते हैं कि पर्यटक सीजन उनके अरमानों को बुलंदी तक पहुंचाए, लेकिन बदले में ऐसे स्थलों के प्रति उनकी वफादारी है क्या। पर्यटक किसी होटल के कमरे का बिल नहीं या टैक्सी पर मात्र यात्री है, बल्कि एक सीजन, सारी बस्ती, सारे शहर और सारे परिवेश का हुलिया बिगाड़ देता है। हर शहर में पर्यटन कचरे का जिम्मेदार शहरी निकाय को क्यों माना जाए। क्यों न हर होटल को सीजन के हिसाब से जिम्मेदार माना जाए। यह मसला गंदगी से आवारा पशुओं और पुलिस व्यवस्था तक खर्च मांग रहा है। अगर पर्यटक शहर के पानी को ही गटक जाएं तो इसका असर सामान्य जीवन पर भी तो पड़ेगा। क्या हिमाचल के जो लोग कसौली, डलहौजी, मकलोडगंज-धर्मशाला, कुल्लू-मनाली या धर्मिक स्थलों में रहते हैं, उनके लिए पर्यटक सीजन में सुकून बचता है। यह आवश्यक वस्तुओं की मांग और आपूर्ति पर भी असर डालता है। अटल टनल बेशक पर्यटन का काम आसान कर रही है, लेकिन इसके दूसरे छोर के आगे जिंदगी इसका प्रमाण मांगती है, क्या वह संभव है। कितना आसान होगा किसी एंबुलेंस को पांच हजार पर्यटक वाहनों के बीच से गुजर कर लाहुल पहुंचना। सीजन में अगर सारे वाहन पर्यटन हो जाएं, तो दिल्ली भागती वोल्वो पर आठ सौ के बजाय पच्चीस सौ दे पाना आम हिमाचली के लिए कठिन है। यही वजह है कि गगल से दिल्ली-चंडीगढ़ तक की उड़ानें पसीना-पसीना कर देती हैं। पांच हजार में दिल्ली पहुंचती उड़ान अगर सीजन में तीस हजार मांगने लगे, तो यह हिमाचल की विडंबना है। विडंबना यह है कि ट्रैफिक को कम करने के लिए धर्मशाला-मकलोडगंज रोप-वे बना, मगर चार सौ रुपए में एक तरफा सफर अंततः आम आदमी की टांगें ही तोड़ेगा। इसलिए पर्यटक सीजन में सैलानियों के लिए प्लानिंग करते वक्त कुछ आधार स्थानीय जनता को भी दें। पर्यटन की परियोजनाओं में आम जनता के लिए सुकून के चार माह जरूर होने चाहिएं। इसलिए पूरी पर्यटक इंडस्ट्री को सोचना होगा कि जिन रास्तों से उसकी कमाई के साधन बढ़ रहे हैं, वहां स्थानीय जनता के प्रति उसका भी योगदान होना चाहिए। ऐसे में हर पर्यटक शहर की सामुदायिक व नागरिक सुकून की योजनाओं में होटल, ट्रैवल, व्यापारी व ट्रांसपोर्ट संगठनों को भी आर्थिक योगदान करना होगा। स्थानीय जनता के मनोरंजन, सफाई तथा पार्किंग व्यवस्था के लिए नई परियोजनाओं का ऐसा खाका बने जिन्हें पर्यटन उद्योग का पूर्ण सहयोग मिलना चाहिए।

उत्तर से दक्षिण पूर्व से पश्चिम तक फैला है भ्रष्टाचारियों का कुनबा : जेपी नड्डा

मुजफ्फरपुर (हिंस)। बिहार में मुजफ्फरपुर जिले के कैरमा मैदान में भाजपा उम्मीदवार के पक्ष में चुनवी सभा को संबोधित करते हुए गुरुवार को भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि हमारे विरोधी वह लोग जिसको अपने परिवार और खुद से लेना देना है। आम आदमी से कोई लेना देना नहीं है। इन लोगों का घोटाला भ्रष्टाचार से लेना देना है। लालू यादव से बड़ा डकैत कोई नही, उत्तर से दक्षिण पूर्व से पश्चिम तक फैला है भ्रष्टाचारियों का कुनबा। जेपी नड्डा ने कहा कि इंडी गठबंधन भ्रष्टाचारियों को बचाने का जमावड़ा है। यह लोग परिवार चलाने वाले लोग है। देश के उत्तर से लेकर दक्षिण तक और पूर्व से लेकर पश्चिम तक भ्रष्टाचारियों का जमावड़ा लगा है। कश्मीर से दक्षिण तक और सभी जगह पर इन लोगों की जमात है। कश्मीर के उमर अब्दुल्ला, महबूबा मुफ्ती के साथ चौटाला परिवार मुलायम अखिलेश परिवार लालू यादव परिवार

ममता बनर्जी अभिषेक केटीआर केआरसी स्टालिन शरद पवार उद्धव ठाकरे, राहुल गांधी सोनिया गांधी यह सब परिवार वाद के लोग है। जेपी नड्डा ने कहा कि लालू यादव अलकतरा चारा जमीन घोटाला, कविता शराब तो अरविंद केजरीवाल दवाओं और शराब, ममता बनर्जी शिक्षक घोटाला करने वाले लोगों के साथ और निया गांधी, राहुल गांधी, लालू तेजस्वी परिवार बेल पर है। ममता बनर्जी संजय सिंह डीएमके टीएमसी आप के नेता मनीष सिसोदिया सत्येंद्र जैन आजम खां भी जेल में है। जेपी नड्डा ने कहा कि देश में इन दिनों आरक्षण खत्म करने की बात बताई जा रही या कुछ और नहीं बल्कि एक बड़ा षड्यंत्र है। विरोधी की नजर कुछ और नही है बल्कि अपनी संपति पर है। भीम राव अम्बेडकर के आरक्षण पर सवाल उठाकर पिछड़ा-अति पिछड़ा का आरक्षण को छीन कर अब मजहब के आधार पर देना चाहते। जब तक भाजपा है किसी का आरक्षण खत्म नहीं होगा। यह लोग डाका डालने की साजिश कर रहे हैं। इससे पहले जेपी नड्डा ने अपने संबोधन की शुरुआत में महादेव की नगरी बाबा गरीब नाथ को नमन और भारत माता की जय के नारे से किया। कुढ़नी क्षेत्र के केरमा खेल मैदान में आयोजित कार्यक्रम और जनसभा को संबोधित करने के दौरान भाजपा के उम्मीदवार राजभूषण चौधरी निषाद के पक्ष में वोट देने की अपील की। इस दौरान उनके साथ बिहार सरकार में पूर्व डिप्टी सीएम तारकेश्वर प्रसाद, बिहार सरकार में मंत्री केदार प्रसाद गुप्ता, भाजपा के बरूराज से विधायक अरुण कुमार, औराई क्षेत्र से भाजपा विधायक रामसूरत राय, पूर्व मंत्री सुरेश शर्मा, जिला अध्यक्ष रंजन कुमार सहित कई भाजपा के नेता मौजूद रहे।

आतंकवादी समूह अंसार गजवत-उल-हिंद में शामिल होने से पहले युवक गिरफ्तार

श्रीनगर (हिंस)। पुलिस काउंटर इंटेलिजेंस कश्मीर (सीआईके) ने एक युवक को कट्टरपंथी आतंकवादी समूह में शामिल होने से पहले गिरफ्तार किया है। वह कुछ पाकिस्तानी आतंकवादी संचालकों के कहने पर कट्टरपंथी समूह अंसार गजवत-उल-हिंद (एजीएच) में शामिल होने वाला था। पुलिस ने एक बयान में कहा कि उन्हें 29 अप्रैल को एक इनपुट मिला था कि कट्टरपंथी समूह अंसार गजवत-उल-हिंद (एजीएच) कश्मीर में अपना आधार फिर से स्थापित करने और अपने कैडरों को पुनर्जीवित करने की कोशिश कर रहा है। इसके लिए एजीएच का पाकिस्तान स्थित आतंकवादी संचालक हमजा उर्फ गाजी कश्मीरी युवाओं का ब्रेनवॉश करके उन्हें आतंकवादी समूहों में शामिल होने के लिए कट्टरपंथी बना रहा है। इस दौरान यह भी पता चला है कि समूह ने कश्मीर घाटी में कुछ प्रतिबद्ध हाइब्रिड ओवर ग्राउंड वर्कर (ओजीडब्ल्यू) का ब्रेनवॉश किया है। ये हाइब्रिड ओजीडब्ल्यू पाकिस्तानी आतंकवादी संचालकों के साथ मिलकर घाटी में आतंकवादी भर्ती अभियान की योजना बना रहे हैं। बयान में कहा गया है कि इनपुट के आधार पर पता चला कि मध्य कश्मीर के बीरवाह बडगाम गांव का वसीम अहमद शेख को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया। सीआईके की इस कार्रवाई से एजीएच आतंकवादी संगठन के एक भर्ती मॉड्यूल का भंडाफोड़ हुआ और कई युवाओं को आतंकवाद में शामिल होने से बचाया गया है। प्रारंभिक जांच के दौरान यह पता चला है कि वसीम अहमद शेख आभासी मोड के माध्यम से पाकिस्तान स्थित आतंकवादी संचालकों जाकिर भाई, सुल्फे भाई, गाजी हम्स, निसार कलोच, रिजवान बे, अंसार भाई, वाहिद भाई, हैदर भाई और सैफुल्ला बे के साथ लगातार संपर्क में था। पुलिस के अनुसार यह एक नया समूह एजीएच आतंकवादी संगठन में शामिल होने वाला था। पुलिस ने कहा कि उसे एजीएच आतंकवादी संगठन के साथ आतंकवाद में शामिल होने के इच्छुक युवाओं के एक समूह की पहचान करने का काम सौंपा गया था। आगे यह भी पता चला कि पाकिस्तान स्थित आतंकवादी कमांडर ने उसे आने वाले दिनों में उसके समूह के लिए हथियार, गोला-बारूद की आपूर्ति करने का आश्वासन दिया था। वह आतंकवादी संगठनों से जुड़े कई व्हाट्सएप, टेलीग्राम समूहों का भी हिस्सा था। बयान में कहा गया है कि ऐसे समूहों के अन्य सदस्यों की पहचान करने के लिए आगे की जांच जारी है, ताकि उनके खिलाफ आगे की कानूनी कार्रवाई की जा सके। पुलिस ने अभिभावकों से आग्रह किया है कि वे सोशल मीडिया का उपयोग करने वाले अपने बच्चों की गतिविधियों पर नजर रखें, ताकि वे जाल में न फंसे।

लोकतंत्र में भागीदारी सभी की जिम्मेदारी, अवश्य करें मतदान : प्रियंका निरंजन

मीरजापुर (हिंस)। लालगंज तहसील क्षेत्र अंतर्गत प्राथमिक विद्यालय बामी व पूर्व माध्यमिक विद्यालय रामपुर वासित अली के प्रांगण में गुरुवार को जिला निर्वाचन अधिकारी व जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन की अध्यक्षता में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र को मजबूत बनाने के लिए मतदाता शत-प्रतिशत मतदान करें। जिलाधिकारी ने कहा कि मतदान करने का अधिकार पांच वर्ष में एक बार ही मिलता है। इसलिए मतदाता मतदान का प्रयोग अवश्य करें। मतदान सभी व्यक्ति का कर्तव्य व फर्ज है। लोकतंत्र में भागीदारी सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि मतदान के दिन अधिक से अधिक मतदाता अपने मतदान केंद्र पर पहुंच कर मतदान करें ताकि जनपद प्रदेश में शत-प्रतिशत मतदान में पहले स्थान पर रहे। मतदाताओं से अपील करते हुए उन्होंने कहा कि एक जून को अपने मताधिकार का प्रयोग अवश्य करें। कार्यक्रम में मौजूद अधिकारी एवं कर्मचारियों समेत मतदाताओं को मतदान करने की शपथ दिलाई। मुख्य विकास अधिकारी विशाल कुमार ने कहा कि लोकतंत्र को मजबूत करने में अपने मताधिकार का प्रयोग कर अपना योगदान दें। खंड विकास अधिकारी ने गीत के माध्यम से कहा कि स्वस्थ लोकतंत्र का निर्माण तभी संभव है, जब मतदाता अपने मतों का प्रयोग करें। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर हुई। छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम के अलावा स्वागत गीत प्रस्तुत किया। यूपीएस के बच्चों ने नाटक के माध्यम से कार्यक्रम में मौजूद लोगों को मतदान करने के लिए प्रेरित किया। संचालन नागेंद्र दुबे व दिनेश चौबे ने किया। इस दौरान उप जिलाधिकारी गुलाबचंद्र, तहसीलदार आशीष पांडेय, नायब तहसीलदार मधु जैन, पुलिस क्षेत्राधिकारी शैलेंद्र त्रिपाठी, थानाध्यक्ष अजीत कुमार आदि मौजूद थे।

भाजपा युवा मोर्चा का *एक परिंडा मेरा भी* अभियान आज से

जयपुर (हिंस)। भाजपा युवा मोर्चा की ओर से गर्मी के मौसम में पशु-पक्षियों के पानी की व्यवस्था के लिए *एक परिंडा मेरा भी* अभियान का आगाज 3 मई से किया जाएगा। भाजपा युवा मोर्चा की ओर से अभियान के तहत प्रदेश भर में 1 लाख परिंडे और 1 हजार पानी की टंकी लगाई जाएगी। पशु-पक्षियों के लिए परिंडे लगाने के साथ ही भाजपा कार्यकर्ताओं की ओर से इनमें पानी डालने तक की जिम्मेदारी तय की जाएगी। भाजपा युवा मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष अंकित गुर्जर चेची ने बताया कि ग्रीष्म काल प्रारंभ होने से गर्मी में बेजुबान पक्षियों के लिए पानी पीने के लिए युवा मोर्चा के कार्यकर्ता संपूर्ण राजस्थान में 1 लाख से अधिक परिंडे लगाएंगे। 3 मई को राजधानी जयपुर से पक्षियों के लिए परिंडे लगाकर *एक परिंडा मेरा भी* अभियान की शुरूआत की जाएगी। 17 मई तक चलने वाले इस अभियान में गैर सामाजिक संस्थाओं (एनजीओ) सहित अन्य सामाजिक संस्थाओं, धार्मिक स्थलों की समितियों, इनफ्लुएंसरो के व्यक्तियों को जोड़कर उनको भी जिम्मेदारी दी जाएगी। भाजपा युवा मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष अंकित गुर्जर चेची ने बताया कि अभियान के तहत पक्षियों के लिए 1 लाख परिंडे एवं पशुओं के लिए 1000 से अधिक पानी के स्त्रोत तैयार किए जाएंगे। युवा मोर्चा के इस अभियान में प्रत्येक मंडल स्तर पर पक्षियों के लिए कम से कम 100 परिंडे एवं पशुओं के लिए 1 सीमेंट की टंकी अथवा अन्य पानी की टंकी जैसे स्त्रोत सार्वजनिक स्थानों पर लगाए जाएंगे। इसके साथ ही इनमें नियमित रूप से जल भरने की सुचारू व्यवस्था भी की जाएगी।

कांग्रेस सपा राम मंदिर के मुद्दे को लटका कर रखना चाहती थी : अमित शाह

बदायूं (हिंस)। गृहमंत्री अमित शाह बदायूं में भाजपा प्रत्याशी दुर्विजय शाक्य के समर्थन में जनसभा को संबोधित करने गुरुवार को इस्लामिया इंटर कॉलेज पहुंचे। अमित शाह ने कहा कि 70 साल से सपा, बसपा, कांग्रेस राममंदिर को लटकाकररखे हुए थी। आपने नरेंद्र मोदी को दूसरी बार प्रधानमंत्री बनाया तो पांच साल में ही केस जीता और 22 तारीख को प्राण प्रतिष्ठा भी हो गई। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव, डिंपल यादव, राहुल बाबा और प्रियंका गांधी को भी निमंत्रण दिया था, लेकिन वह वोट बैंक के डर से नहीं गए। वह नहीं गए। सपा कांग्रेस अपने वोटबैंक से डरते हैं, उनको डरना है तो डरें। उनका डर उनको मुबारक। हम भाजपा वाले उस वोटबैंक से नहीं डरते हैं। हमने रामलला को उनके स्थान पर विराजा है। अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राम मंदिर ही नहीं, काशी विश्वनाथ कॉरिडोर को भी अब तरीके से बनवाया है महाकाल के दरबार को सजाया है। सोमनाथ मंदिर भी सोने का बन रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने श्रद्धा के केंन्दों को हमेशा प्राथमिकता दी है। गृहमंत्री अमित शाह ने कांग्रेस नेता राहुल

गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि राहुल की दादी इंदिरा गांधी कहकर गई थीं कि गरीबी हटाओ, लेकिन इन्होंने कुछ नहीं किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सरकार बनने के बाद 80 करोड़ लोगों को पांच किलो राशन मुफ्त देने का काम मोदी ने किया। 12 करोड़ घरों में शौचालय बनाए, घर बनाए, लाभार्थियों को जिला गैस कनेक्शन दिया गया है। 60 करोड़ लोगों को आयुष्मान कार्ड 70 साल से ऊपर के लोगों के इलाज के लिए 5 लख रुपए का भी इंतजाम किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे कहते हैं कि राजस्थान व यूपी वालों को कश्मीर से क्या लेना-देना। तब मैं कहता हूं कि खड़गे साहब आप 80 पार गए लेकिन ये नहीं जानते कि बदायूं ही देश का बच्चा-बच्चा कश्मीर के लिए जान देने को बैठा है। 70 साल से कांग्रेस धारा 370 संभाले बैठे थी, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सत्ता में आने के धारा 370 को समाप्त किया गया। जब मैं और हमारी भाजपा सरकार इस बिल को लेकर खड़े हुए तो राहुल गांधी और अखिलेश यादव कहते थे कि वहां खून की नदियां बह जाएंगी। पांच साल हो गए लेकिन वहां खून की नदियां छोड़ो, कंकड़ तक चलाने की किसी की हिम्मत नहीं हुई। जिस लालचौक पर कोई जा नहीं सकता था, वहां जन्माष्टमी का जुलूस निकला है। 10 साल तक सोनिया-मनमोहन की सरकार चली, सपा-बसपा का समर्थन था, आए दिन पाकिस्तान से आलिया मालिया आते थे, बम चलाकर चले जाते थे, लेकिन कोई नहीं बोलता था, ताकि वोट बैंक नाराज न हो जाए। उरी व पुलवामा में हमला हुआ तो पाकिस्तान भूल गया था कि प्रधानमंत्री मनमोहन नहीं, अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हैं। अमित शाह ने कहा कि पूर्व की सरकारों में पहले उत्तर प्रदेश में अवैध असलहा बनाने का काम किया जाता था, लेकिन भाजपा की सरकार बनने के बाद से अब तोपें बन रही हैं। उन्होंने कहा कि यूपी की टॉप का गोला पाकिस्तान में गिरेगा तो पता लगेगा कैसा है यूपी का गोला। उत्तर प्रदेश में पहले की सरकारों में वाहन चोरी हुआ करते थे लेकिन अब वहां बनाने की फैक्ट्रियां लगाई जा रही हैं। यह बदलाव हमारी सरकार में संभव हो पाया है। इस मौके पर प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी, केंद्रीय राज्यमंत्री बीएल वर्मा, भाजपा जिला अध्यक्ष राजीव गुप्ता, के अलावा सभी विधायक और पार्टी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

भाजपा के लोग संविधान और हमारी आपकी जान के पीछे पड़े हैं : अखिलेश यादव

बदायूं (हिंस)। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव गुरुवार को बदायूं पहुंचे और लोकसभा प्रत्याशी आदित्य यादव के लिए बेहड़ी स्थित नए आरटीओ ऑफिस के पास चुनावी सभा को संबोधित किया। अखिलेश यादव ने मंच से गृहमंत्री अमित पर शाह निशाना साधते हुए कहा तोता उड़ेंगे तब उड़ेंगे, लेकिन मुझे पता है कि आज दिल्ली वाले भी बदायूं आए हुए हैं, उनके आज ही तोते उड़ गए होंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा के लोग संविधान और हमारी आपकी जान के पीछे पड़े हैं, यह संविधान बदलना चाहते हैं। कोरोना वैक्सीन को लेकर कहा कि आपने वैक्सीन लगवाई, लेकिन कुछ लोग हमारे जैसे साथी होंगे जिन्होंने वैक्सीन नहीं लगवाई होगी। जिन्होंने वैक्सीन लगवाई होगी वह सर्टिफिकेट देखते होंगे तो क्या सोचते होंगे। जिन लोगों ने वैक्सीन लगवाई है। वह इस बार भाजपा के खिलाफ वोट देने जा रहे हैं। भाजपा के लोग आपदा में अवसर ढूंढ रहे थे। पिछले 10 सालों में जितने भी इन्होंने वादे किए और बड़ी-बड़ी बातें की सब झूठे निकले। पूर्व मुख्यमंत्री ने यह भी कहा देश में काले कानून को लेकर किसानों ने धरना प्रदर्शन किया तब काले कानून

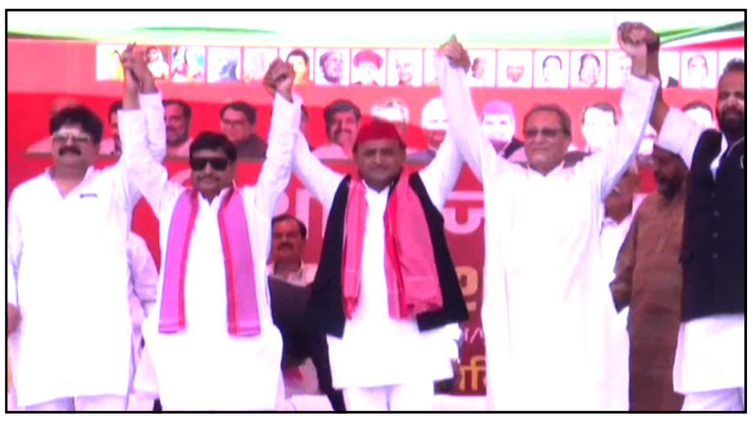

वापस हुए। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार में किसानों की आय दोगुनी नहीं हुई। भाजपा ने हमेशा उद्योगपति, पूंजीपति व कारोबारी का साथ दिया। किसानों का साथ नहीं दिया जब कर्ज माफी की बात आई तो भाजपा ने नियम बना दिया कि जिसने 5 करोड़ से ज्यादा का कर्ज लिया होगा उसका कर्ज माफ होगा। अगर हमारी सरकार बनी तो हम किसानों का पूरा कर्ज माफ करेंगे। देश का किसान महंगाई से परेशान है। इसलिए देश में बीजेपी की सरकार रहते हुए लगभग 1 लाख किसानों ने आत्महत्या की है। अखिलेश यादव ने यह भी कहा कि जब नौजवान परीक्षा देने जाते थे और परीक्षा देकर घर लौटते थे तो उन्हें पता चलता था कि पेपर लीक हो चुका है। इस सरकार में 10 से ज्यादा पेपर लीक हुए हैं। अभी पुलिस भर्ती परीक्षा सरकार ने 2 दिन कराई सरकार ने कड़े इंतजाम होने के दावे भी किए थे लेकिन इसके बाद भी पेपर लीक हो गया जिससे परीक्षा कैंसिल करनी पड़ी। अगर परीक्षा कैंसिल नहीं हुई होती तो इस परीक्षा में बैठने वाले 8 से 10 लाख बच्चे ऐसे होते जिन्हें 100 में से 100 नंबर मिलते। अगर 100 में से 100 नंबर आते तो सरकार उन्हें नौकरी कहां से देती। पेपर लीक होने की वजह से एक परिवार के तीन लोग नाराज हैं। जिसकी वजह से भाजपा के खिलाफ हर लोकसभा सीट से 225000 वोट इनके खिलाफ पढ़ने जा रहे हैं। यह कहते हैं 400 पार लेकिन इस बार 400 हार होगी। राशन वितरण को लेकर अखिलेश ने कहा जब इन्हें वोट चाहिए था तब इन्होंने राशन में रिफाइंड नमक चना दिया, लेकिन आज आपको राशन में क्या मिल रहा है। भाजपा के लोग कहते हैं कि हमने 80 करोड लोगों को राशन दिया हम गरीबों को गरीबी रेखा से बाहर निकलने का काम कर रहे हैं, लेकिन यह सब झूठे वादे हैं। उन्होंने कहा कि सपा ने तय किया है कि अपने गरीबों को पौष्टिक आटा देने के साथ-साथ डाटा देने का भी काम करेंगे। क्योंकि बिना डाटा के आजकल कुछ नहीं चल पा रहा जब कंपनी आपको फोन दे रही थी तब सब कुछ फ्री था जब सबके हाथ में मोबाइल फोन आ गए तब कीमतें महंगी हो गई। दाता ने हमारा जीवन आसान कर दिया है।

मुख्यमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के तहत बन रही सड़क से लोगों में खुशी का माहौल

कटिहार (हिंस)। बारसोई अनुमंडल के सिराज मनी से हबील टोला तक लगभग ढाई किलोमीटर लंबी सड़क का निर्माण कार्य शुरू होने से स्थानीय लोगों में खुशी का माहौल है। यह सड़क मुख्यमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के तहत बन रही है। सड़क बलरामपुर विधायक महबूब आलम के प्रयास से बन रहा है। पहले स्थानीय लोगों को आने-जाने में काफी समय व कठिनाई का सामना करना पड़ता था। सड़क निर्माण कार्य के संवेदक बबलू चंद्र दास ने बताया कि सड़क स्टेट हाईवे 98 रासचौक से आबादपुर, तलवा से मलापारा, भवानीपुर से सोरा खोर, चिकनी टोला से कुसियार मोढ़ा, तथा हाट बोंगरा रोड से सनकोला पश्चिम बंगाल सीमा कुसीदा तक की सड़कों को जोड़ेगी। यह कार्य ग्रामीण कार्य विभाग के कार्यपालक अभियंता विश्वबंधु राजीव रंजन, सहायक अभियंता चंदन कुमार भार्गव, कनीय अभियंता सुनील कुमार पंडित के देख रेख में हो रहा। सड़क निर्माण कार्य को लेकर ग्रामीण तारीक अनवर, हबीब मोहम्मद, जुलकर नैन, मुश्ताक रकीब, सईदुर मोती दास सुबोध दास आदि ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि विधायक महबूब आलम के अथक प्रयास से यह कार्य हो रहा है। विधायक ने भी कार्य के प्रति संतुष्टि जाहिर की है। विधायक महबूब आलम ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा बलरामपुर विधानसभा को नंबर वन विधानसभा बनाने के लिए विधानसभा में मामला उठा रहे। जनता का विश्वास उम्मीद टूटने नहीं देंगे। संघर्ष के साथ विकास करेंगे। जनता का दुख दर्द में साथ है।

माओवादियों ने चार प्रखंडों में लोस चुनाव बहिष्कार के लगाए पोस्टर

पलामू (हिंस)। जिले में लोकसभा चुनाव 13 मई में को है, लेकिन उससे पहले ही प्रतिबंधित नक्सली संगठन भाकपा माओवादी के जरिये चुनाव बहिष्कार को लेकर पोस्टरबाजी की जा रही है। जिले के चार प्रखंड क्षेत्र में माओवादियों की ओर से चुनाव बहिष्कार को लेकर बुधवार रात पोस्टरबाजी की गई है। इन पोस्टरों के माध्यम से आम जनता को कई तरह की जानकारी दी गई है और व्यवस्था पर सवाल उठाया गया है। सूचना मिलने पर गुरुवार सुबह पुलिस ने सभी जगह से पोस्टर हटा दिया है। एक साथ चार प्रखंड क्षेत्र में पोस्टर लगाए जाने से ग्रामीणों में वोटिंग को लेकर दहशत का माहौल है। माओवादियों की ओर से जिले के हुसैनाबाद, हैदरनगर, मोहम्मदगंज और पांडू प्रखंड क्षेत्र में कई जगहों पर पोस्टरबाजी की गई है, जिन इलाकों में पोस्टर लगाए गए हैं वह क्षेत्र काफी सुदूरवर्ती हैं और नक्सलियों का कभी इन इलाकों में गहरा प्रभाव रहा था। सारे प्रखंड क्षेत्र एक दूसरे से सटे हुए हैं। ऐसे में माओवादियों को इन इलाकों में पोस्टरबाजी करने में आसानी हुई। माओवादियों की ओर से हैदरनगर प्रखंड क्षेत्र के बरेवा आंगनबाड़ी केंद्र और पैक्स गोदाम पर पोस्टर लगाया गया। इसी तरह भदुवा, लोहरपुरा स्कूल भवन पर पोस्टर लगा मिला है। पांडू प्रखंड क्षेत्र में भी पोस्टरबाजी की गई। हुसैनाबाद के महुदंड, मोहम्मदगंज के माहुर आदि क्षेत्रों में भी पोस्टर लगा मिला है। यह सारे इलाके 20 किलोमीटर एरिया में है। छह से अधिक जगह पर पोस्टरबाजी की गई है। सूचना मिलने पर पुलिस सारे जगह से पोस्टर हटाते हुए कार्रवाई में जुटी हुई है। ग्रामीणों को भरोसा दिलाया जा रहा है कि पुलिस उन्हें सुरक्षा देने में सक्षम है और पोस्टर बाजी से वह भयभीत न हो। कुछ जगहों पर पोस्टर लगा देखकर ग्रामीणों के द्वारा जानकारी दी गई। माओवादियों के जरिये लगाए गए हस्तलिखित पोस्टर में 18 वीं लोकसभा चुनाव को बहिष्कार करने, जनता की नई जनवादी राज कायम करने, वोट के जरिए केवल सरकार का रंग बदलता है। शोषण और शासन बंद नहीं होता है। चुनाव के जरिए सरकार बदलकर जनता की एक भी बुनियादी समस्या का हल नहीं होता है। ब्राह्मणीय- हिंदुत्व- फासीवाद राज को ध्वस्त करो, जनता की जनवादी राज स्थापित करो, जल, जंगल, जमीन पर अपना हक कायम करना है तो मजदूर किसानों का अपना राज बनाना होगा। वोट बहिष्कार करें। पुलिसिया राज ध्वस्त करें।

सनातन धर्म के सम्मान के लिए भाजपा को चुनें और संजय सेठ को जिताएं : पुष्कर सिंह धामी

रांची (हिंस)। रांची लोकसभा सीट से भाजपा के उम्मीदवार व सांसद संजय सेठ ने गुरुवार को अपना नामांकनपत्र दाखिल कर दिया। रांची में सेठ के समर्थकों पर फूलों की वर्षा की गई। नामांकन से पहले भाजपा नेताओं ने एक जनसभा को भी संबोधित किया। गुरुवार को नामांकन से पहले मोरहाबादी मैदान में हजारों समर्थक जुटे। यहां से रैली के रूप में भीड़ समाहरणालय पहुंची। रैली के दौरान जेसीबी से उनके समर्थकों पर फूलों की बारिश की गई। संजय सेठ के समर्थन में उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, आजसू प्रमुख सुदेश कुमार महतो और नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी सहित शामिल हुए। नामांकन से पहले रांची के मोरहाबादी में संजय सेठ के पक्ष में एक चुनावी सभा आयोजित की गई। इस मौके पर उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि विकसित भारत के लिए, मजबूत नेतृत्व के लिए, भ्रष्टाचार के अंत के लिए और सनातन धर्म के सम्मान के लिए भाजपा को चुनें और 25 मई को भाई संजय सेठ को प्रचंड मतों से विजयी बनाएं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का गैंग तुष्टिकरण का जहर घोल रही है। यह आपका अधिकार छीनकर एक विशेष समुदाय को देना चाहती है। हमें भ्रष्टाचार, तुष्टिकरण और परिवारवाद की सोच को सत्ता में आने से रोकना है। धामी ने कहा कि केन्द्र में 10 साल के कार्यकाल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश का गौरव पूरे विश्व में बढ़ाया है। मोदी की कई योजनाएं गारंटी के रूप में जनता तक पहुंच रही हैं। अयोध्या में भव्य राम मंदिर बनने का सौभाग्य भी नरेंद्र मोदी के शासनकाल में हुआ। उन्होंने कहा कि एक तरफ भाजपा विकास के लक्ष्य पर काम कर रही है, दूसरी तरफ घोटालेबाज और भ्रष्टाचारियों की फौज है। नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी ने कहा कि अगर भाजपा नहीं होती, अटल बिहारी वाजपेई नहीं होते तो आज झारखंड राज्य का निर्माण नहीं हुआ होता। उन्होंने कहा कि कांग्रेस तुष्टिकरण करने वाले दलों की जनक है। जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी यूसीसी लागू करने की बात करते हैं तो विरोधियों में हड़कंप मच जाता है। हेमंत सरकार पर हमला करते हुए बाउरी ने कहा कि राज्य की जनता ने उन्हें पांच साल का मौका दिया था, लेकिन भ्रष्टाचार के कारण चार साल में ही उन्हें जेल की हवा खानी पड़ी।

चिराग ने किया नामांकन पत्र दाखिल, केंद्रीय मंत्री सहित एनडीए के कई नेता रहे मौजूद

वैशाली (हिंस)। एनडीए समर्थित पार्टी लोजपा (रामविलास) के सुप्रीमो चिराग पासवान ने गुरुवार को हाजीपुर लोकसभा सीट से नामांकन दाखिल किया। वैशाली जिले के हाजीपुर समाहरणालय परिसर स्थित जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह डीएम यशपाल मीणा के समक्ष नामांकन-पत्र दाखिल किया। नामांकन करने से पूर्व चिराग पासवान ने सर्किट हाउस के पास स्थित अपने पिता स्व रामविलास पासवान की आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण भी किया। चिराग पासवान के नामांकन सह आशीर्वाद सभा के दौरान एनडीए के कई बड़े नेता भी मौजूद रहे। इस दौरान चिराग पासवान के साथ उनकी मां रीना पासवान भी मौजूद रहीं। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय, सांसद रामकृपाल यादव, प्रदेश अध्यक्ष राजू तिवारी, लालगंज विधायक संजय सिंह और चिराग पासवान के बहनोई अरुण भारती भी मौजूद रहे। चिराग पासवान की नामांकन रैली में बाहुबली रामा सिंह जो हाल ही में राजद से बागी हुए थे वे भी दिखे। चिराग पासवान ने हाजीपुर की जनता से उनका परिचय कराते हुए पार्टी में स्वागत भी किया।

कांग्रेस का पुलिस पर सौतेले व्यवहार व एक पक्षीय कार्रवाई का आरोप

जोधपुर (हिंस)। लोकसभा चुनाव के बाद कांग्रेस प्रत्याशी करण सिंह उचियारड़ा और अन्य कांग्रेस नेताओं पर फलोदी में मुकदमा दर्ज करने और बीजेएस कॉलोनी में मारपीट के आरोपितों की गिरफ्तारी नहीं होने पर कांग्रेस ने विरोध जताया है। कांग्रेस नेताओं ने इन मामलों में पुलिस पर सौतेले व्यवहार व एक पक्षीय कार्रवाई का आरोप लगाया है। कांग्रेस प्रत्याशी करण सिंह उचियारड़ा, पूर्व राज्य मंत्री राजेंद्र सिंह सोलंकी, नगर निगम उत्तर की महापौर कुंती परिहार, पूर्व विधायक मनीषा पंवार और कांग्रेस के उत्तर शहर जिलाध्यक्ष सलीम जोशी व दक्षिण शहर जिलाध्यक्ष नरेश जोशी

ने गुरुवार को एक होटल में प्रेस वार्ता में आरोप लगाया कि लोकसभा चुनाव में भाजपा द्वारा मतदान बूथों पर कब्जा कर फर्जी मतदान करने, कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ मारपीट करने के बाद भी पुलिस द्वारा कांग्रेस के नेताओं पर झूठे मुकदमे दर्ज कर एक पक्षीय कार्रवाई की जा रही है। भाजपा ने पुलिस व प्रशासन की मिलीभगत से कई जगहों पर फर्जी मतदान किया, बूथों पर कब्जा कर कांग्रेस के एजेंटों व कार्यकर्ताओं के साथ मारपीट की। इसके साथ ही कांग्रेस के नेताओं पर झूठी एफआईआर भी दर्ज करवाई गई। उन्होंने पुलिस थाना फलोदी में दर्ज एफआईआर में निष्पक्ष जांच की मांग की। उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेएस कॉलोनी के बूथों पर भाजपा नेता हनुमानसिंह खांगटा के नेतृत्व में बाहर से बुलाए गए लोगों के माध्यम से फर्जी मतदान कराया गया। साथ ही बूथों पर जबरन घुसकर कब्जे का प्रयास किया। इसकी शिकायत निर्वाचन विभाग व पुलिस विभाग को कई बार की गई। भाजपा द्वारा 150-200 लोगों को बूथों के पास एक गार्डन व मकान में फर्जीवाड़े के लिए बुलाया गया जिसके संबंध में तीन बार जिला कलक्टर को फोन किया लेकिन वक्त रहते कोई कदम नहीं उठाया। जब कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने मौके पर जाकर फर्जीवाड़ा रूकवाने का प्रयास किया तो हनुमानसिह खांगटा व उनके गुर्गों ने निहत्थे कांग्रेस प्रत्याशी करण सिंह उचियारड़ा के भतीजे अभिमन्युसिंह व कार्यकर्ताओं के साथ हथियारों से मारपीट की तथा गाड़ियों को क्षतिग्रस्त कर दिया जिसके संबंध में कार्रवाई नहीं किए जाने पर घटना स्थल पर कांग्रेस ने धरना दिया।

विदेश में काम करने की इच्छा रखने वालों की संख्या कम हुई, बीसीजी सर्वे में किया गया दावा

नई दिल्ली ।
विदेशों में अवसरों की तलाश करने वाले भारतीयों की संख्या में 2023 में गिरावट आई है। हाल के एक अध्ययन के अनुसार, विदेश में काम करने के इच्छुक भारतीयों की संख्या 2020 के 78 प्रतिशत से घटकर 2023 में 54 प्रतिशत हो गई है। यह तथ्य बीसीजी (बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप) द्वारा आयोजित एक अध्ययन इंटरनेशनल मोबिलिटी ट्रेंड्स में सामने आया है। बीसीजी एक वैश्विक परामर्श फर्म है। पसंदीदा गंतव्य के रूप में भारत की रैंकिंग में भी पिछले पांच वर्षों में 6 अंक की वृद्धि हुई है। हालांकि बेंगलुरु और दिल्ली, भारत में काम करने के इच्छुक लोगों के लिए पसंदीदा स्थान बने हुए हैं। लेकिन वैश्विक शहरों में उनकी समग्र रैंकिंग नीचे फिसल गई है। वहीं, अहमदाबाद 2018 में रिपोर्ट लॉन्च होने के बाद से पहली बार शीर्ष 100 वैश्विक शहरों में शामिल हुआ है। निष्कर्षों से पता चलता है कि विभिन्न देशों के व्यक्तियों ने भारत में काम करने में गहरी रुचि व्यक्त की है। इनमें यूएई के लोगों की संख्या सबसे ज्यादा है। इसके बाद नाइजीरिया और केन्या का नंबर है। यह स्थिति अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत में काम के अवसरों की बढ़ती अपील की ओर इशारा कर रही है। बीसीजी के इंडिया लीड पीपल एंड ऑर्गनाइजेशन प्रैक्टिस की एमडी और पार्टनर नीतू चितकारा ने कहा, हाल के वर्षों में, भारत घरेलू और वैश्विक स्तर पर गतिशील कैरियर के अवसरों की तलाश करने वाले पेशेवरों के लिए एक पसंसदीदा स्थान के रूप में उभरा है। लोकप्रियता में यह उछाल पसंदीदा कामकाजी स्थलों के वैश्विक सूचकांक पर भारत की बढ़ती रैंक के कारण है। भारत ने पिछले पांच वर्षों में इस सूचकांक पर छह रैंक अंक हासिल किए हैं। दूसरी ओर, विदेशों में रोजगार चाहने वाले भारतीय श्रमिकों की प्राथमिकताओं में एक महत्वपूर्ण बदलाव आया है। पहले भारतीयों द्वारा काम करने के लिए शीर्ष प्राथमिकता वाली जगह यूएई थी, लेकिन 2024 के वर्तमान परिदृश्य में यूएई रैंकिंग में छठे स्थान पर खिसक गया है।

न्यूज ब्रीफ

भारत में वीयू सिनेमा टीवी 2024 एडिशन लॉन्च, यह आता है बेस्ट साउंड क्लैरिटी के साथ

नई दिल्ली । भारत में वीयू टेलीविज़न ने वीयू सिनेमा टीवी 2024 एडिशन लॉन्च किया है। इस टीवी में खास 50 वॉट का ट्यूब स्पीकर मिलता है, जिनके बारे में दावा किया जाता है कि यह बेस्ट साउंड क्लैरिटी के साथ आता है। नया लॉन्च किया गया वीयू सिनेमा टीवी 2024 एडिशन दो साइज़ में आता है, जिसमें 43-इंच और 55-इंच शामिल है। नया लॉन्च किया गया वीयू सिनेमा टीवी दो साइज़ में आता है। 45-इंच वीयू सिनेमा 43 इंच टीवी की कीमत 25,999 रुपये और इसके 55-इंच टीवी की कीमत 34,999 रुपये रखी गई है। ये दोनों वेरिएंट फ्लिपकार्ट और पूरे भारत के सभी रिटेल स्टोर्स पर उपलब्ध हैं। इसके स्पीकर यूज़र को हाई क्वालिटी वाला साउंड का एक्सपीरिएंस मिलेगा। नए टीवी की एक खास बात ये भी है कि इसमें एयरप्ले कनेक्टिविटी का ऑप्शन मिलता है, जो आईफोन यूज़र्स को टीवी पर अपनी कंटेंट को दिखाने की अनुमति देता है। नए वीयू सिनेमा टीवी 2024 में 400 नीटस की पीक ब्राइटनेस के साथ 4के आईपीएस डिस्प्ले मिलता है। इसमें वॉयस सर्च फीचर भी दिया गया है, और रिमोट कंट्रोल में पॉपुलर ऐप्स के लिए शॉर्टकट भी दिए गए हैं। रिमोट में 'मूवीज़' लेबल वाली एक हॉटकी भी है जिसमें एक ही जगह पर अलग-अलग प्लेटफार्म से फिल्मों की एक लिस्ट है ताकि इसे यूज़र्स द्वारा आसानी से एक्सेस किया जा सके। टीवी में डॉल्बी ऑडियो एन्हांसमेंट भी है। वीयू सिनेमा टीवी वेब ओएस पर काम करता है, और इसमें 1000 से ज्यादा ऐप्स मिलती हैं, जिनमें नेटफ्लिक्स, प्राइम वीडियो, यूट्यूब और अन्य जैसे पॉपुलर ऐप शामिल हैं।

अधूरे केवाईसी वाले 1.3 करोड़ म्यूचुअल फंड खातों पर रोक; 1 अप्रैल से बंद किएजा रहे ऐसे म्यूचुअल फंड फोलियो

नई दिल्ली । अधूरे केवाईसी के कारण लगभग 1.3 करोड़ म्यूचुअल खातों पर बाजार नियामक सेबी ने रोक लगा दी है। इन खाताधारकों ने केवाईसी के रूप में गैर-आधिकारिक वैध दस्तावेज जमा किए हैं। केवाईसी पंजीकरण संस्थाओं (केआरए) के अनुसार, इस साल एक अप्रैल से ऐसे खातों से निकासी फ्रीज कर दी गई है, जिनमें केवाईसी नहीं हैं या अधूरे हैं। कई ग्राहकों ने केवाईसी के नाम पर बिजली बिल या बैंक खाते जैसे दस्तावेज जमा कराए हैं। हालांकि, इन दस्तावेजों को अब केवाईसी के रूप में नहीं माना जा रहा है। म्यूचुअल फंड में पैन और आधार का लिंक होना जरूरी है। 7.9 करोड़ के पास वैध केवाईसी 11 करोड़ निवेशकों में से लगभग 7.9 करोड़ के पास वैध केवाईसी है। 1.6 करोड़ निवेशकों के केवाईसी पंजीकृत श्रेणी में हैं, जिनकी निवेश तक सीमित पहुंच है। कुल खातों में से 12 फीसदी ग्राहक डीमैट म्यूचुअल फंड खातों का संचालन नहीं कर पा रहे हैं। संयुक्त म्यूचुअल फंड खातों के लिए नॉमिनी वैकल्पिक सेबी ने कारोबार सुगमता को बढ़ावा देने के लिए संयुक्त म्यूचुअल फंड खातों के लिए नॉमिनी के नियम को वैकल्पिक बना दिया है। साथ ही, फंड हाउस को अब जिंस और विदेशी निवेश की निगरानी के लिए एक ही फंड मैनेजर रखने की मंजूरी मिल गई है। मौजूदा व्यक्तिगत म्यूचुअल फंड धारकों के लिए नॉमिनी की आखिरी तारीख 30 जून, 2024 है।

वेदांता की भारत में 4 साल में 20 अरब डॉलर निवेश करने की योजना, बोले अनिल अग्रवाल

नई दिल्ली । वेदांता समूह के चेयरमैन अनिल अग्रवाल ने कहा कि समूह ने अगले चार साल में भारत में अपने सभी कारोबारों में 20 अरब डॉलर के निवेश का लक्ष्य रखा है। अग्रवाल ने कंपनी के एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि समूह अपने इस्पात कारोबार को केवल सही कीमत पर बेचेगा और सही कीमत नहीं मिलने पर वह इसे चलाना जारी रखेगा। अग्रवाल ने कहा, फिलहाल हमारी योजना चार साल में विभिन्न क्षेत्रों में 20 अरब डॉलर निवेश करने की है। उन्होंने कहा कि यह निवेश प्रौद्योगिकी, इलेक्ट्रॉनिक्स और ग्लास व्यवसायों के अलावा ऐसे अन्य गतिविधियों पर केंद्रित होगा जिसमें समूह शामिल है। उन्होंने कहा कि स्मार्टफोन और लैपटॉप स्क्रीन बनाने में उपयोग किए जाने वाले सेमी-कंडक्टर और ग्लास भविष्य के दृष्टिकोण से बहुत आवश्यक हैं, उन्होंने कहा कि समूह पहले से ही दोनों व्यवसायों में मौजूद है। कंपनी के पास सेमीकंडक्टर संयंत्र के लिए गुजरात में जमीन है ।

एआई निर्माण के लिए तकनीकी कंपनियों में होड़ अमेजन से मेटा तक इंफ्रास्ट्रक्चर उन्नत करने की योजना

न्यूयॉर्क ।
कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) को लेकर पूरी दुनिया की दिग्गज तकनीकी कंपनियों में होड़ लगी है। अब ये कंपनियां एक-दूसरे को मात देने के लिए तैयार हो रही है। माइक्रोसॉफ्ट, मेटा और गूगल की संस्थापक कंपनी अल्फाबेट ने यह खुलासा भी किया कि वर्ष के प्रथम तीन माह में उसने साझा तौर पर 32 अरब डॉलर से अधिक रकम डाटा सेंटर्स और अन्य पूंजीगत व्यय पर खर्च की।

प्रतिस्पर्धा के चलते ये कंपनियां एआई तकनीक के विकास को लेकर बड़े पैमाने पर बुनियादी ढांचा, प्रणाली व प्रक्रिया को उन्नत करने की योजनाएं ला रही हैं। यही वजह है कि यदि 2023 तकनीकी उद्योग में चैटबॉट का साल था तो साल 2024 एआई का होने जा रहा है। उद्योगों में आए एआई बूम के लिए परदे के पीछे की तकनीक पर तेजी से अरबों डॉलर खर्च किए जा रहे हैं। अमेजन और मेटा, एआई के समर्थन के लिए अपने डाटा सेंटर्स को नया रूप दे रहे हैं। ये बड़ी नई सुविधाओं में निवेश कर रहे हैं। वहीं सऊदी अरब एआई के नियंत्रण के लिए सुपरकंप्यूटर्स बना रहा है। माइक्रोसॉफ्ट, मेटा और गूगल-अल्फाबेट ने निवेशकों से कहा है कि उनकी एआई खर्च में कमी की कोई योजना नहीं है। स्पष्ट संकेत हैं कि एआई बड़ा तकनीकी बुनियादी ढांचा खड़ा करने जा रहा है।

एआई का बुनियादी ढांचा

एआई बुनियादी ढांचे की मांग पर कुछ एआई डेवलपर्स ने कहा, इसके लिए 1 अरब डॉलर से अधिक खर्च संभव है। मुख्य कार्यकारी अधिकारियों ने कहा, एआई में अगुआ बने रहने को साझेदारों के साथ अत्याधुनिक सिस्टम पर काम करने में सक्षम होना जरूरी है।

क्लाउड कंप्यूटिंग में एआई का बढ़ता योगदान

माइक्रोसॉफ्ट अपने बनाए एआई कारोबार के वित्तीय ब्योरे की रिपोर्ट करने वाली इकलौती मुख्य तकनीकी कंपनी है। सीईओ सत्या नडेला ने कहा, एआई में निवेश माइक्रोसॉफ्ट की मुख्य क्लाउड कंप्यूटिंग पेशकश 'एज्योर' के लिए के एक ऐसा परिवेश तैयार कर रहा जिससे उसे नए ग्राहकों को आकर्षित करने में मदद मिल रही है। यह किसी भी एआई के लिए सबसे भरोसेमंद और पंसदीदा विकल्प बन गया है। वहीं गूगल का कहना है कि उसके क्लाउड डिवीजन से बिक्री 28 प्रतिशत बढ़ी है, जिसमें एआई का बढ़ता योगदान भी शामिल है। अमेजन के सीईओ एंडी जेसी ने भी शेयरधारकों को लिखे एक पत्र में कहा कि एआई खास है।

धैर्य रखें निवेशक : जुकरबर्ग

मेटा सीईओ मार्क जुकरबर्ग ने निवेशकों से कहा, मुझे लगता है कि एआई पर जाना सही है और हम ऐसा करने जा रहे हैं। उन्हें उस पैसे के बारे में कोई खेद नहीं है जो उनकी कंपनी एआई पर फेंक रही है। इसके लिए उन्होंने कंपनी के निवेशकों से वर्षों तक धैर्य रखने का आग्रह भी किया।

एनवीडिया अग्रणी

फिलहाल चिप बिक्री में गत वर्ष के मुकाबले तीन गुना तेजी से बढ़ी एनवीडिया कंपनी एआई क्षेत्र में अग्रणी है। माइक्रोसॉफ्ट और ओरेकल, चिप निर्माता इंटेल व सिस्को भी इस दिशा में अग्रणी बन रही हैं।

रियल एस्टेट खंड में निवेश बढ़कर 5,743 करोड़ हुआ पिछले साल से 3 गुना बढ़ गया निवेश

नई दिल्ली । आवासीय रियल एस्टेट खंड में निवेश मार्च तिमाही में तीन गुना से अधिक होकर 5,743 करोड़ रुपये हो गया। एक रियल एस्टेट परामर्श कंपनी के अनुसार यह रियल एस्टेट क्षेत्र में कुल प्रवाह का 63 प्रतिशत है। जारी पूंजी बाजार की एक रिपोर्ट में कहा गया कि मार्च तिमाही के दौरान रियल एस्टेट में निवेश बढ़कर 9,124 करोड़ रुपये हो गया, जो पिछले साल समान अवधि में 8,830 करोड़ रुपये था।रिपोर्ट के अनुसार कुल निवेश में से आवासीय खंड में निवेश बढ़कर 5,743 करोड़ रुपये हो गया, जो पिछले साल समान तिमाही में 1,735 करोड़ रुपये था। कार्यालय संपत्तियों में निवेश मामूली बढ़कर वित्त वर्ष 2024 की पहली तिमाही में 2,248 करोड़ रुपये हो गया, जो पिछले साल इसी तिमाही में 2,180 करोड़ रुपये था हालांकि, मिश्रित उपयोग वाली परियोजनाओं में निवेश मार्च तिमाही में घटकर 865 करोड़ रुपये रह गया, पिछले साल समान तिमाही में 1,645 करोड़ रुपये था। औद्योगिक और लॉजिस्टिक खंड में भी मार्च तिमाही में 268 करोड़ रुपये का निवेश हुआ, जो पिछले साल की समान तिमाही में 2,170 करोड़ रुपये था। होटल परियोजनाओं में निवेशकों ने समीक्षाधीन तिमाही में कोई रुचि नहीं दिखाई। हालांकि पिछले साल समान तिमाही में इस खंड में 1,100 करोड़ रुपये का निवेश हुआ था।

यात्री वाहनों की बिक्री 3.38 लाख के पार, मारुति ने बेचीं 1.37 लाख से अधिक गाड़ियां

नई दिल्ली ।
देश में यात्री वाहनों की थोक बिक्री अप्रैल, 2024 में सालाना आधार पर मामूली 1.17 फीसदी बढ़कर 3,38,341 इकाई पहुंच गई। एक साल पहले की समान अवधि में कुल 3,32,468 यात्री वाहन बिके थे। उच्च तुलनात्मक आधार प्रभाव और आम चुनावों के कारण गाड़ियों की मांग लगभग स्थिर रही है। इस दौरान मारुति सुजुकी इंडिया, ह्यूंडई और टाटा मोटर्स की घरेलू थोक बिक्री में मामूली बढ़ोतरी दर्ज की गई है। आंकड़ों के मुताबिक, मारुति सुजुकी ने अप्रैल में 1,37,952 यात्री वाहन बेचे। यह आंकड़ा अप्रैल, 2023 के 1,37,320 इकाई से ज्यादा है। ह्यूंडई मोटर इंडिया के यात्री वाहनों की बिक्री एक फीसदी बढ़कर 50,201 इकाई पहुंच गई। टाटा मोटर्स के यात्री वाहनों की बिक्री 2 फीसदी बढ़कर 47,883 इकाई पहुंच गई।

चुनाव की वजह से सुस्ती

मारुति के वरिष्ठ कार्यपालक अधिकारी (विपणन एवं बिक्री) पार्थो बनर्जी ने कहा, अभी देश में चुनाव चल रहे हैं और आदर्श आचार संहिता लागू है। चुनाव के दौरान बाजार थोड़ा सुस्त है। एक बार चुनाव खत्म हो जाएं तो मुझे लगता है कि हम एक अलग बाजार देखेंगे। ह्यूंडई के सीईओ तरुण गर्ग ने कहा, सामान्य मानसून का अनुमान विशेष रूप से ग्रामीण बिक्री के नजरिये से अच्छा है।

दोपहिया वाहनों की बिक्री में भी बढ़ोतरी

दोपहिया और वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री में भी अप्रैल के दौरान बढ़ोतरी देखने को मिली।

टीवीएस मोटर कंपनी की घरेलू बिक्री 29 फीसदी बढ़कर 3,01,449 इकाई पहुंच गई।

रॉयल एनफील्ड की बिक्री 9 फीसदी बढ़कर 75,038 इकाई पहुंच गई।अप्रैल, 2023 में यह आंकड़ा 68,881 इकाई था।

वीसी कमर्शियल व्हीकल्स लि. के वाणिज्यिक वाहनों की कुल बिक्री 18.1 फीसदी की गिरावट के साथ5,377 इकाईरह गई।

अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने नीतिगत ब्याज दरों में एक बार फिर नहीं किया बदलाव, जुलाई 2023 से है अपरिवर्तित

नई दिल्ली ।
अमेरिका से आर्थिक जगत के लिए एक महत्वपूर्ण खबर आई है। अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व ने एक बार फिर प्रमुख ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किया है। ब्याज दरों को 5.25 प्रतिशत से 5.50 प्रतिशत पर स्थिर रखा गया है। बाजार के जानकारों के अनुसार कारोबार के लिहाज से यह बहुत उत्साह बढ़ाने वाली खबर नहीं है। भारतीय समयानुसार मध्यरात्रि (12 बजे) यूएस फेड ने ब्याज दरों पर अपना फैसला सुनाया।

इसके साथ ही यूएस फेड ने ट्रेजरी रिडेम्पशन कैप में भी कटौती की है। फेडरल रिजर्व का निर्णय निवेशकों के लिए काफी उबाऊ रहा। अधिकारियों ने ब्याज दरों को वही रखा, जैसा जुलाई 2023 में रखा गया था। हालांकि कुछ जानकार कारोबारी फेड के एक अन्य महत्वपूर्ण निर्णय को लेकर उत्साहित हैं। फेड ने घोषणा की कि वह जून में शुरुआत करते हुए अपने मात्रात्मक कसावट कार्यक्रम को महत्वपूर्ण रूप से कम करेगा।

अमेरिका के केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व की

दो दिन की फेडरल ओपन मार्केट कमेटी बैठक खत्म हो गई। बाजार में पहले से ही अनुमान जताया जा रहा था कि यूएस फेड बेंचमार्क ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं करेगा और इन्हें लगातार छठी बैठक में भी 5.25 फीसदी से 5.50 फीसदी पर बनाए रखेगा। अमेरिकी शेयर बाजार यानी वॉल स्ट्रीट ने भी यही अनुमान जताया था।

अमेरिका में महंगाई पर काबू पाने के लिए अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने मार्च 2022 से नीतिगत ब्याज दरों में बढ़ोतरी की थी। इस बढ़ाकर 5.25 प्रतिशत कर दिया गया। इसके बाद जुलाई 2023 इसे 5.25 फीसदी से 5.50 फीसदी के बीच बरकरार रखा गया है। इसमें कोई बदलाव नहीं हुआ है।

कर्नाटक के कारोबारी की 30 साल की पत्नी और 11 साल के बेटे जैन भिक्षु बने, मिला नया नाम

नई दिल्ली ।
कर्नाटक के मनीष नाम के एक व्यापारी की 30 वर्षीय पत्नी स्वीटी और 11 वर्ष के बेटे ऋषान दीक्षा ग्रहण कर जैन भिक्षु बन गए हैं। वे अब दोनों सूरत में रहते हैं। जैन समुदाय में जब कोई व्यक्ति भिक्षु बनने का फैसला लेता है तो उन्हें बड़ा सम्मान दिया जाता है। जैन भिक्षु बनकर लोग दुनिया की सबसे बुनियादी आवश्यकताओं, जैसे एयर कंडीशनर, पंखे, बिस्तर, इलेक्ट्रॉनिक्स और अन्य गैजेट्स का इस्तेमाल भी छोड़ देते हैं।

हाल ही में कर्नाटक के एक बिजनेसमैन मुकेश की 30 साल की पत्नी स्वीटी और उनका 11 साल का बेटा ऋषान जैन संन्यासी बन गए। जैन भिक्षु बनने के बाद अब उन्हें नया नाम दिया गया है। जहां मां को भावशुधि

रेखा श्री जी नाम मिला है वहीं बेटे को हितांशय रतनविजय जी का नाम मिला है।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार कारोबारी मनीष के एक रिश्तेदार विवेका ने बताया कि भावबुद्धि रेखा श्री जी ने गर्भवती होने के दौरान ही अपने बेटे के साथ एक भिक्षु बनने का निर्णय लिया। साथ ही उन्होंने यह भी तय किया कि उनका बच्चा उनके नक्शेकदम पर चलकर जैन संन्यासी बनेगा। नतीजतन, उसके बेटे को इसी भावना के साथ बड़ा किया गया कि वह अंततः भिक्षु जीवन में प्रवेश करेगा।

मां-बेटे की जोड़ी का दीक्षा समारोह जनवरी 2024 में गुजरात के सूरत में बहुत उत्साह के साथ हुआ। दोनों अब सूरत में ही रहते हैं। उनके दीक्षा ग्रहण करने से जुड़े वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हैं और इसे एक मिलियन से अधिक बार देखा गया है।

इससे पहले, गुजरात के एक धनी जैन दंपति ने भिक्षु बनने के लिए लगभग 200 करोड़ दिए थे। भावेश भंडारी और उनकी पत्नी ने फरवरी में अपनी सभी चीजें देने के लिए एक औपचारिक समारोह आयोजित किया था।

विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि में अप्रैल में साढ़े तीन साल में दूसरा सबसे तेज सुधार, आंकड़े जारी

नई दिल्ली ।
भारत के विनिर्माण क्षेत्र की गतिविधि अप्रैल में धीमी रही, लेकिन फिर भी परिचालन स्थितियों में साढ़े तीन साल में दूसरा सबसे तेज सुधार दर्ज किया गया जिसे बढ़ती मांग का समर्थन मिला। मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया विनिर्माण क्रय प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) अप्रैल में घटकर 58.8 हो गया जो मार्च में 59.1 था।

पीएमआई के तहत 50 से ऊपर सूचकांक होने का मतलब उत्पादन गतिविधियों में विस्तार है जबकि 50 से नीचे का आंकड़ा गिरावट को दर्शाता है। एचएसबीसी के मुख्य भारत अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी ने कहा कि मजबूत मांग की स्थिति के कारण उत्पादन में और वृद्धि हुई, हालांकि मार्च की तुलना में यह वृद्धि थोड़ी धीमी रही।

रिपोर्ट में कहा गया कि भारतीय विनिर्माताओं ने अप्रैल में घरेलू और बाहरी ग्राहकों से अपने माल की मजबूत मांग की सूचना दी। कुल नए ठेके में तेजी से वृद्धि हुई है और विस्तार की गति 2021 की शुरुआत के बाद से दूसरी सबसे मजबूत रही।

इसके अलावा, अप्रैल में नए निर्यात ठेकों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। यद्यपि कुल बिक्री की तुलना में यह वृद्धि धीमी रही, जिससे पता चलता है कि घरेलू बाजार वृद्धि का मुख्य चालक बना रहा। सामग्री और श्रम लागत में वृद्धि की खबरों के बीच भारतीय विनिर्माताओं ने अप्रैल में अपने विक्रय मूल्यों में वृद्धि की।

भंडारी ने कहा, ''कीमत की बात करें तो कच्चे माल और श्रम की उच्च लागत के कारण कच्चे माल की लागत में मामूली वृद्धि हुई है, लेकिन मुद्रास्फीति ऐतिहासिक औसत से नीचे बनी हुई है।'' उन्होंने कहा कि हालांकि, कंपनियों ने उत्पादन शुल्क बढ़ाकर इस वृद्धि का बोझ उपभोक्ताओं पर डाल दिया, क्योंकि मांग मजबूत बनी रही जिसके परिणामस्वरूप मुनाफे में सुधार हुआ। एचएसबीसी इंडिया ने विनिर्माण पीएमआई को एसएंडपी ग्लोबल ने करीब 400 कंपनियों के एक समूह में क्रय प्रबंधकों को भेजे गए सवालों के जवाबों के आधार पर तैयार किया है।

मारुति सुजुकी ने अप्रैल में बेचीं 1.68 लाख कारें

नई दिल्ली । देश की वाहन विनिर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) की अप्रैल महीने में कुल बिक्री 4.7 प्रतिशत बढ़कर 1,68,089 इकाई रही। कंपनी ने अप्रैल, 2023 में 1,60,529 वाहन बेचे थे। मारुति सुजुकी इंडिया ने कहा कि घरेलू बाजार में यात्री वाहनों की कुल बिक्री 1,37,952 इकाई रही, जबकि एक साल पहले समान अवधि में यह 1,37,320 इकाई थी। ऑल्टो और एस-प्रेसो सहित छोटी कारों की बिक्री अप्रैल, 2023 के 14,110 इकाई की तुलना में घटकर पिछले महीने 11,519 इकाई रह गई। बलेनो, सेलेरियो, डिजायर, इग्निस, स्विफ्ट, टूर एस और वैगनआर सहित कॉम्पैक्ट कारों की बिक्री भी पिछले महीने घटकर 56,953 इकाई रह गई, जो पिछले साल अप्रैल में 74,935 इकाई थी। ब्रेज़ा, एर्टिगा, एस-क्रॉस और एक्सएल6 जैसे यूटिलिटी वाहनों की बिक्री पिछले महीने 56,553 इकाई रही, जबकि अप्रैल, 2023 में यह 36,754 इकाई थी। अप्रैल में वैन की बिक्री 12,060 इकाई रही, जबकि एक साल पहले यह 10,504 इकाई थी। हल्के वाणिज्यिक वाहन सुपर कैरी की बिक्री अप्रैल, 2023 के 2,199 इकाई से पिछले महीने बढ़कर 2,496 इकाई हो गई। एमएसआई के अनुसार, पिछले महीने उसका निर्यात 22,160 इकाई रहा, जबकि पिछले साल अप्रैल में यह 16,971 इकाई रहा था।

मयंक यादव के दोबारा चोटिल होने के लिए सुपर जॉयंट्स का प्रबंधन दोषी : ब्रेट ली

सिडनी ।
पूर्व ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज ब्रेट ली ने लखनऊ सुपर जॉयंट्स के उभरते हुए तेज गेंदबाज मयंक यादव के दूसरी बार चोटिल होने पर चिन्ता जताते हुए टीम प्रबंधन पर निशाना साधा है। ब्रेट ली के अनुसार मयंक को पूरी तरह से फिट होने तक नहीं दिया जा रहा है। टीम प्रबंधन ने अपने लाभ के लिए उन्हें जबरदस्ती मैदान में उतारा था। इसी कारण वह मुंबई इंडियंस के खिलाफ अपना ओवर तक पूरा नहीं कर पाये। ली ने कहा कि मयंक को समय से पहले ही मैदान में उतार दिया गया जबकि उन्हें जिस प्रकार से पेट की मांसपेशियों में खिंचाव आया है उसे ठीक होने में काफी समय लगता है।

मयंक इस आईपीएल सत्र में इतिहास की सबसे तेज गेंद फेंककर चर्चाओं में आये थे। उन्हें गत माह गुजरात टाइटंस के खिलाफ मैच के दौरान पेट में जकड़न महसूस हुई। यह उनका तीसरा आईपीएल मैच था। अपने शुरुआती दोनों मैच में 150 से अधिक की गति से गेंद फेंकी थी। इसी का उसे दोनो ही मैच में सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का इनाम भी मिला था। इसके बाद उसने मुंबई इंडियंस के खिलाफ एक बार फिर वापसी की पर वह इस बार भी चौथे ओवर के बाद खेल नहीं पाया।

वहीं उनकी टीम के कोच जस्टिन लैंगर ने कहा कि इस युवा तेज गेंदबाज को उसी स्थान पर दर्द हुआ जिसके कारण वह लगभग तीन सप्ताह तक मैदान से बाहर था। ली ने कहना है किलखनऊ टीम के शीर्ष प्रबंधन और मेडिकल स्टाफ की गलती के कारण आज मयंक की ये हालत हुई है। उन्होंने कहा कि जकड़न ठीक होने में कम से कम चार से छह सप्ताह का समय लगता है। हमें नहीं पता कि यह कितना गंभीर है पर जो खिलाड़ी 150 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाजी करके अपने शरीर पर बोझ डाल रहा है उसके लिए यह बिलकुल भी अच्छा प्रबंधन नहीं कहा जा सकता है।

न्यूज ब्रीफ

धोनी जैसे फिनिशर बन सकते हैं रिंकू : सिद्धू

मुम्बई । पूर्व क्रिकेटर नवजोत सिंह सिद्धू का मानना है कि रिंकू सिंह एक बेहतरीन फिनिशर हैं और वह इस भूमिका में पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी की जगह ले सकते हैं। धोनी के संन्यास के बाद से ही भारतीय टीम किसी अच्छे फिनिशर की तलाश में है और सिद्धू का मानना है कि ये रिंकू से पूरी हो सकती है। उन्होंने कहा कि रिंकू इस मामले में टीम के लिए फायदेमंद साबित होंगे। रिंकू ने कुछ मैचों में भारतीय टीम के लिए अपनी प्रतिभा दिखाई है। कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए वह फिनिशर की भूमिका निभा रहे हैं। रिंकू को इस सत्र में अब तक बल्लेबाजी कौशल दिखने का पूरा अवसर नहीं मिला है। सिद्धू ने कहा, रिंकू धोनी की जगह ले सकते हैं। वह दिग्गज खिलाड़ी की तरह खेल खत्म कर सकते हैं। रिंकू काफी प्रतिभाशाली है और मैदान के सभी हिस्सों में शॉट लगाने में सक्षम है। इसके साथ ही स्वभाव की बात करें तो वह धोनी की तरह ही वह शांत और तनावमुक्त रहता है। कठिन अवसरों पर भी बल्लेबाजी करते समय वह दबाव में नहीं आता और खुलकर बल्लेबाजी करता है। ऐसे में वह भारतीय क्रिकेट का भविष्य हैं और अवसर दिये जाने पर वह वह लंबे समय तक टीम के लिए फिनिशर की जिम्मेदारी निभा सकता है।

साद बिन जफर पहली बार कनाडा की टी20 विश्व कप टीम की कप्तानी करेंगे

ओंटारियो। कनाडा ने वेस्टइंडीज और यूएसए में 1 जून से शुरू होने वाले आईसीसी टी20 विश्व कप के लिए 15 सदस्यीय टीम की घोषणा की है, जिसमें ऑलराउंडर साद बिन जफर को कप्तान बनाया गया है। जफर पहली बार टी20 विश्व कप में कनाडा की कप्तानी करेंगे। टीम को पूर्व श्रीलंकाई और कनाडाई अंतर्राष्ट्रीय पुबुदु दस्सानायके द्वारा प्रशिक्षित किया गया है, जिन्होंने 2022 में बागडोर संभाली थी। कनाडा को ग्रुप ए में भारत, पाकिस्तान, आयरलैंड और अमेरिका के साथ रखा गया है। वे 1 जून को डलास में पड़ोसी देश अमेरिका के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेंगे, इसके बाद उत्तरी अमेरिकी देश को 7 जून को आयरलैंड का सामना करना है। इसके बाद 11 जून को पाकिस्तान और 15 जून को भारत के खिलाफ उनका मुकाबला होगा। टीम: साद बिन जफर (कप्तान), आरोन जॉनसन, डिलन हेलिगर, दिलप्रीत बाजवा, हर्ष ठाकेर, जेरेमी गॉर्डन, जुनैद सिद्दीकी, कलीम सना, कंवरपाल ताथगुर (विकेटकीपर), नवनीत धालीवाल, निकोलस किर्टन, परगट सिंह, रविंदरपाल सिंह, रेयानखान पठान, श्रेयस मोव्वा (विकेटकीपर)। रिर्जव: तजिंदर सिंह, आदित्य वरदराजन, अम्मार खालिद, जतिंदर मथारू, परवीन कुमार।

प्लेऑफ के लिए दिल्ली , गुजरात और पंजाब की उम्मीदें शीर्ष पांच टीमों के परिणामों पर निर्भर

मुम्बई । आईपीएल के इस सत्र में जहां मुम्बई इंडियंस और रायल चैलेंजर्स आरसीबी प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो गयी है। वहीं तीन टीमों का प्लेऑफ में पहुंचना बचे हुए मैचों में जीत के साथ ही अन्य टीमों के परिणामों पर भी निर्भर करेगा। इसका कारण है कि ये तीन टीमें हैं दिल्ली कैपिटल्स, गुजरात टाइटंस और पंजाब किंग अब अपने-अपने सारे मैच जीत लें तो भी अधिकतम 16 अंक तक ही पहुंच सकती हैं। इस प्रकार से इन तीनों के प्लेऑफ में पहुंचने की संभावना तो बनी है पर ऐसा तभी होगा जब अंक तालिका की शीर्ष-5 में से कम से कम दो या तीन टीमें अपने ज्यादातर मैच हार जाएं। आईपीएल 2024 के लिए प्लेऑफ का वास्तविक मुकाबला इन पांच शीर्ष टीमों के बीच ही है। राजस्थान रॉयल्स अगर अपने बाकी बचे 5 मैचों में से एक भी जीत ले तो उसके 18 अंक हो जाएंगे। वहीं कोलकाता नाइटराइडर्स और लखनऊ सुपरजायंट्स के 12-12 अंक हो गये हैं। अगर ये दोनों टीमें अपने बाकी बचे 5 में से 3 मैच जीत जाएं तो भी आसानी से प्लेऑफ में पहुंच जाएंगी।

थॉमस कप में इंडोनेशिया से हारा भारत

एचएस प्रणय ही जीत सके मुकाबला, बाकी को मिली हार ; ग्रुप सी में दूसरे स्थान पर रहा

मुम्बई ।
चीन के चेंगदू में खेले जा रहे थॉमस कप बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारत को इंडोनेशिया से 1-4 से हार का सामना करना पड़ा। इसके साथ ही इंडोनेशिया ग्रुप सी में टॉप पर है।

वहीं भारत दूसरे स्थान पर है। दोनों ही टीमें पहले ही क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई हैं। दूसरी ओर, भारतीय विमेंस टीम उबर कप के क्वार्टर फाइनल में जापान से हार का सामना करना पड़ा।

थॉमस कप पुरुष टीमों के बीच होने वाला मल्टीनेशनल बैडमिंटन टूर्नामेंट है। महिलाओं के इस टूर्नामेंट को उबर कप कहा जाता है। इन टूर्नामेंट में दो टीमों के एक मुकाबले में तीन सिंगल्स और 2 डबल्स मैच खेले जाते हैं इंडोनेशिया के खिलाफ ग्रुप सी के आखिरी मुकाबले में भारत के एचएस प्रणय ही अपना मैच जीत सके। बाकी दो सिंगल्स और दो डबल्स में भारत को हार का सामना करना पड़ा।

पहले मैच में प्रणय ने जीत दिलाई

मेंस के सिंगल्स में भारत के नंबर एक खिलाड़ी एचएस प्रणय ने शुरुआती मैच में पहला गेम गंवाने के बाद वापसी करते हुए एंथनी गिंटिंग को 13-21, 21-12, 21-12 से हराकर टीम को 1-0 से आगे कर दिया।

सात्विकसाईंराज और चिराग पहला गेम जीतने के बाद मैच गंवाया

दूसरा मैच डबल्स का खेला गया। दुनिया की तीसरे नंबर की जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी को मुहम्मद शोहिबुल फिकरी और बागस मौलाना से हार का सामना करना पड़ा।

सात्विकसाईराज और चिराग की जोड़ी ने पहला गेम 24-22 से अपने पक्ष में कर लिया। वहीं उसके बाद वह इस लय को बरकरार नहीं रख पाए और इंडोनेशियाई ने जोड़ी ने वापसी करते हुए दूसरा और तीसरा गेम 24-22, 21-19 से जीत कर स्कोर 1-1 की बराबर कर लिया।

लक्ष्य ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप जोनाथन क्रिस्टी से हारे तीसरा मैच सिंगल्स का हुआ। इसमें भारत के लक्ष्य सेन को ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप के मेंस सिंगल्स के

विजेता जोनाथन क्रिस्टी से हार का सामना करना पड़ा। पहला गेम सेन 18-21 से हार गए। उसके बाद उन्होंने वापसी करते हुए दूसरा गेम 21-16 से अपने पक्ष में कर लिया। फिर आखिरी और निर्णायक तीसरे गेम में लक्ष्य को 17-21 से हार का सामना करना पड़ा।

चौथे मैच में भी मिली हार

चौथा मैच डबल्स का खेला गया। इस मैच में भारत के ध्रुव कपिला और साई प्रतीक को लियो रोली कार्नांडो और डेनियल मार्थिन ने सीधे गेम में 22-20, 21-11 से हराकर इंडोनेशिया को 3-1 की विजयी बढ़त दिलाई।

श्रीकांत ने भी सिंगल्स गंवाया

इस मुकाबले का आखिरी मैच सिंगल्स का खेला गया। मुकाबले के अंतिम मैच में किदांबी श्रीकांत भी चिको ऑरा ड्वी वार्डोयो से हार गए। श्रीकांत ने पहला गेम 21-19 से जीता लेकिन दूसरा और तीसरा गेम 22-24, 14-21 से हार गए।

पिछली बार थॉमस कप जीतकर भारत ने इतिहास रचा था

साल 2022 में भारत ने पहली बार थॉमस कप जीता था। भारत ने फाइनल में इंडोनेशिया को 3-0 से हराया था। 1948-1949 के बाद से आयोजित 30 थॉमस कप टूर्नामेंटों में से केवल छह देशों ने खिताब जीता है। इंडोनेशिया सबसे सफल टीम है, जिसने 14 बार जीत हासिल की है। चीन, जिसने 1982 से पहले प्रतिस्पर्धा शुरू नहीं की थी, 10 खिताबों के साथ इंडोनेशिया से पीछे है, जबकि मलेशिया ने 5 खिताब जीते हैं।

1949 से हो रही है चैंपियनशिप

थॉमस कप चैंपियनशिप 1949 से खेली जा रही है। वहीं, उबर कप का आयोजन 1956 से हो रहा है। 1984 से दोनों टूर्नामेंट एक साथ आयोजित कराए जा रहे हैं।

ओसुलिवान स्नूकर विश्व चैम्पियनशिप क्वार्टर फाइनल में हार गए

लंदन।
दुनिया के नंबर 1 रोनी ओसुलिवान की आठवें खिताब की संभावना, जो उन्हें स्टीफन हेंड्री के कुल खिताब से एक आगे ले जाती, एक और साल के लिए खत्म हो गई है, क्योंकि वह विश्व चैंपियनशिप केक्वार्टर फाइनल में स्टुअर्ट बिंघम से 10-13 से हार गए। सात बार के विश्व चैंपियन ओसुलिवान अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ सीज़न की ओर बढ़ रहे थे, उन्होंने यूके चैम्पियनशिप और मास्टर्स सहित पांच खिताब जीते थे। लेकिन पहली बार एक ही सीज़न में तीनों स्पर्धाओं में उतरने की उनकी उम्मीदें खत्म हो गई । विश्व स्नूकर की रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने विश्व की नंबर एक रैंकिंग भी खो दी, जो अप्रैल 2022 से उनके पास थी। मार्क एलन अपने करियर में पहली बार आधिकारिक सूची में शीर्ष पर पहुंचेंगे और यह दर्जा हासिल करने वाले 12वें खिलाड़ी बन जाएंगे। समापन सत्र की उच्च गुणवत्ता वाली शुरुआत में, ओसुलिवान ने 136 के ब्रेक के साथ पहला फ्रेम लिया और 9-8 से आगे हो गए, फिर बिंघम ने 63 के साथ बराबरी कर ली। फ्रेम 19 में,

ओसुलिवान 39 पर सेंटर पॉकेट में एक मुश्किल रेड से चूक गए। और उसके प्रतिद्वंद्वी ने उसे 67 के स्कोर से दंडित किया। बिंघम ने 48-वर्षीय ओसुलिवान को 22 करियर मुकाबलों में केवल चौथी बार हराया। मैंने इसका आनंद लिया, और मेरे लिए नंबर एक चीज खेल का आनंद लेना है। दो साल में पहली बार मुझे ऐसा लग रहा है कि मैं खेलना चाहता हूं। मैं अपने क्यू आउट और गेंदों की आवाज का इंतजार कर रहा हूं। यह कुछ भी नहीं है। विश्व स्नूकर के अनुसार, बिंघम अपने तीसरे क्रूसिबल सेमीफ़ाइनल में है और स्टीव डेविस, हेंड्री, मार्क विलियम्स, ओसुलिवान , जॉन हिगिंस और मार्क सेल्बी के बाद शेफ़ील्ड में एक से अधिक बार ट्रॉफी उठाने वाला केवल सातवां खिलाड़ी बनने का लक्ष्य बना रहा है।

फ्रेज़र-मैकगर्क और स्मिथ ऑस्ट्रेलिया की टी20 विश्व कप टीम से बाहर, मार्श को कप्तानी

सिडनी । ऑस्ट्रेलिया की प्रतिभाशाली युवा टी20 बल्लेबाजी प्रतिभा जेक फ्रेजर-मैकगर्क और उनकी पीढ़ी के तीन प्रारूपों के सबसे बेहतरीन बल्लेबाजों में से एक स्टीवन स्मिथ दोनों को ऑस्ट्रेलिया की अस्थायी 15 सदस्यीय टी20 विश्व कप टीम से बाहर कर दिया गया है और चयनकर्ताओं ने एश्टन के रूप में दूसरे विशेषज्ञ स्पिनर को लेने का विकल्प चुना है। पूरे टूर्नामेंट में उन्हें अधिक लचीलापन देने के लिए एगर और कैमरून ग्रीन के रूप में एक अतिरिक्त ऑलराउंडर की नियुक्ति की गई है । जैसी कि उम्मीद थी, क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया द्वारा स्थायी टी20 कप्तान के रूप में उनके पद की पुष्टि के बाद मिशेल मार्श टीम की कप्तानी करेंगे। मार्श पिछले 12 महीनों में अंतरिम कप्तान के रूप में तीन टी20ई श्रृंखलाओं में ऑस्ट्रेलिया का नेतृत्व कर चुके हैं।

पाक ने आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए किया टीम का एलान, प्रमुख तेज गेंदबाज की हुई वापसी

नई दिल्ली।
पाकिस्तान ने आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ टी20 इंटरनेशनल सीरीज के लिए टीम की घोषणा कर दी है। तेज गेंदबाज हैरिस रउफ कंधे की चोट से उबर चुके हैं और राष्ट्रीय टीम में वापसी कर रहे हैं। वहीं, एक और तेज गेंदबाज हसन अली की भी स्क्वाड में वापसी हुई है।

पाकिस्तान की टीम आयरलैंड के खिलाफ तीन और इंग्लैंड के खिलाफ चार टी20 इंटरनेशनल मैच खेलेगी। इस तरह पाकिस्तान की टीम आगामी टी20 वर्ल्ड कप 2024 की तैयारी करेगी। पाकिस्तान की चयनकर्ता समिति ने लाहौर में प्रेस कांफ्रेंस के दौरान टी20 इंटरनेशनल स्क्वाड की घोषणा की। 10 मई से पाकिस्तान के आयरलैंड दौरे की शुरुआत होगी। बाबर आजम टीम के कप्तान होंगे।

हाल ही में पाकिस्तान ने न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू जमीन पर पांच टी20 इंटरनेशनल मैचों की सीरीज खेली थी, जो 2-2 से बराबर रही क्योंकि पहला मैच बारिश के कारण धुल गया था।

पाकिस्तान स्क्वाड - बाबर आजम (कप्तान), अबरार अहमद, आजम खान, फखर जमान, हैरिस रउफ, हसन अली, इफ्तिखार अहमद, इमाद वसीम, मोहम्मद अब्बास अफरीदी, मोहम्मद आमिर, मोहम्मद रिजवान, मोहम्मद इरफान खान, नसीम शाह, सैम अय्यूब, सलमान अली आघा, शादाब खान, शाहीन अफरीदी और उस्मान खान।

जापान से हारकर भारतीय महिलाओं का अभियान क्वार्टर फ़ाइनल में समाप्त

चेंगदू ।
भारतीय महिला बैडमिंटन टीम ने एकल खिलाड़ियों के शानदार प्रयास के बावजूद पूर्व चैंपियन जापान से 0-3 से हारकर क्वार्टर फाइनल में अपना बीडब्ल्यूएफ थॉमस और उबेर कप 2024 अभियान समाप्त कर दिया। सभी अनुभवी खिलाड़ियों की अनुपस्थिति में, फिर भी कनाडा और सिंगापुर पर दो ठोस जीत के साथ अंतिम आठ चरण में जगह बनाना युवा दल के लिए एक बड़ा मौका था। शुरुआती एकल में, अश्मिता चालिहा ने वर्ल्ड नंबर 11 अया ओहोरी के खिलाफ एक मैच प्वाइंट बचाया। और निर्णायक गेम में ब्रेक पर 11-9 से आगे थीं। लेकिन ओहोरी ने अपने पूरे अनुभव का इस्तेमाल करते हुए तुरंत गति बढ़ा दी और लगातार पांच अंक ले लिए और फिर एक घंटे और सात मिनट में मैच 21-10, 22-24, 21-15 से जीत लिया। अपने प्रदर्शन के बारे में बात करते हुए अश्मिता ने कहा, सैयद मोदी इंटरनेशनल में मैं

उनसे बहुत बुरी तरह हार गई थी और मैं इस मानसिकता के साथ मैच में उतरी थी कि मुझे अपना सर्वश्रेष्ठ खेलना है... तीसरे गेम में, मैंने 11-9 के बाद कुछ मूर्खतापूर्ण गलतियाँ कीं और इसके कारण मुझे मैच गंवाना पड़ा। इसके बाद नामी मात्सुयामा और चिहारू शिदा की जोड़ी ने राष्ट्रीय चैंपियन प्रिया कोन्जेंगबाम और श्रुति मिश्रा पर 21-8, 21-9 से जीत के साथ जापान की बढ़त दोगुनी कर दी। इसके बाद ईशरानी बरुआ ने अपनी क्षमताओं का अच्छा लेखा-जोखा दिया और पूर्व विश्व चैंपियन नोज़ोमी ओकुहारा के साथ मुकाबला बनाए रखा और शुरुआती गेम में 14-11 की बढ़त भी बना ली, लेकिन अनुभवी जापानी खिलाड़ी ने अगले 11 में से 10 अंक जीतकर पासा पलट दिया। दूसरा गेम भी पहले गेम के समान ही रहा क्योंकि दोनों खिलाड़ी 9-9 तक बराबरी पर थे, जिसके बाद ओकुहारा ने 21-15, 21-12 से जीत हासिल कर जापान के पक्ष में क्वार्टर फाइनल में जीत पक्की कर दी। थॉमस कप खिताब का बचाव कर रही भारतीय पुरुष टीम क्वार्टर फाइनल मुकाबले में चीन से भिड़ेगी। परिणाम: भारत जापान से 0-3 से हार गया (अश्मिता चालिहा अया ओहोरी से 10-21, 22-20, 15-21 से हार गई; प्रिया कोन्जेंगबाम/श्रुति मिश्रा नामी मत्सुयामा/चिहारू शिदा से 8-21, 9-21 से हार गईं; ईशरानी बरुआ नोज़ोमी ओकुहारा से 15-21, 12-21 से हार गयी)

चैंपियंस ट्रॉफ़ी 2025: पीसीबी ने ड्राफ्ट शेड्यूल में भारत के सभी मैच लाहौर में रखे

मुम्बई ।
2025 चैंपियंस ट्रॉफ़ी के लिए पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड जो शेड्यूल तैयार कर रही है उसमें भारत को पूरे टूर्नामेंट के लिए एक ही शहर में रोका जा सकता है। पीसीबी वह हर संभव प्रयास कर रही है, जिससे 17 साल में पहली बार भारतीय टीम का पाकिस्तान दौरा संभव हो सके। दो सप्ताह के टूर्नामेंट का आयोजन करने के लिए पीसीबी कराची, लाहौर और रावलपिंडी पर विचार कर रही है। भारत के सभी मैच लाहौर में सकते हैं क्योंकि यहीं पर फ़ाइनल भी खेला जाना है।

भारत को एक ही शहर में रोकने से सुरक्षा संबंधी चिंता को कम किया जा सकता है। लाहौर में होने से वाघा बॉर्डर भी पास पड़ेगा, जिससे कि भारतीय फ़ैंस के लिए भी वहां जाना आसान होगा। पीसीबी चेयरमैन मोहसिन

नक़वी ने इस सप्ताह की शुरुआत में कहा था कि उन्होंने एक ड्राफ़्ट बनाकर आईसीसी को भेज दिया है। ड्राफ़्ट पर पर चर्चा होनी बाक़ी है और सबसे अहम मुद्दा यही होगा कि क्या भारतीय टीम पाकिस्तान दौरे पर जाएगी या नहीं।

2008 में हुए एशिया कप के बाद से भारतीय टीम ने पाकिस्तान में नहीं खेला है। उसी साल हुए मुंबई हमले के बाद से दोनों देशों के बीच संबंध लगातार ख़राब ही होते रहे हैं। पिछले साल जब पाकिस्तान ने एशिया कप की मेज़बानी की थी, तो उन्हें मजबूरी में हाइब्रिड मॉडल अपनाना पड़ा था। भारत ने अपने सभी मैच श्रीलंका में खेले थे और इसमें पाकिस्तान के ख़िलाफ़ हुआ मैच भी शामिल था।

पिछले साल भारत में खेले गए वनडे विश्व कप में अपने लिए पाकिस्तान ने भी हाइब्रिड मॉडल की मांग की थी, लेकिन इस पर कभी गंभीर चर्चा हुई ही नहीं। पांच अलग-अलग मैदानों में पाकिस्तान ने अपने मैच खेले थे और ग्रुप चरण से बाहर हुए थे। चैंपियंस ट्रॉफ़ी के लिए भारतीय टीम पाकिस्तान जाएगी या नहीं, इसका फैसला बीसीसीआई की बजाय भारत सरकार के हाथों में है।

कराची में नक़वी ने उम्मीद जताई है कि इस टूर्नामेंट के लिए सभी आठ टीमें पाकिस्तान आएंगी। 1996 विश्व कप में भारत और श्रीलंका के साथ संयुक्त मेज़बानी करने के बाद यह पहला आईसीसी इवेंट होगा, जिसे पाकिस्तान मेज़बानी करता नजर आएगा। 2008 में ही पाकिस्तान इसे होस्ट करने वाला था, लेकिन टूर्नामेंट स्थगित कर दिया गया था और फिर इसे सुरक्षा कारणों से साउथ अफ़्रीका स्थानांतरित कर दिया गया था।

गायनीकोमैस्टिया का भी है कारगर इलाज

कुछ पुरुषों के सीने पर फैट टिश्यूज बहुत ज्यादा संचित हो जाते हैं। इस कारण उनका सीना बेडौल नजर आने लगता है। इस स्थिति को गायनीकोमैस्टिया कहा जाता है, जिसका अब कारगर इलाज उपलब्ध है... गायनीकोमैस्टिया से ग्रस्त पुरुष अपने शरीर के प्रति बहुत चिंतित हो जाते हैं विशेषकर तैरते समय, जिम में या चुस्त टीशर्ट पहनते वक्त या फिर किसी पर्यटनस्थल पर शर्ट उतारते वक्त। इस स्थिति में उनका आत्मविश्वास घट जाता है और उन्हें बेडौल सीने को लेकर शर्म महसूस होती है।

न हों परेशान: गायनीकोमैस्टिया को आसानी से ठीक किया जा सकता है। इसके लिए लाइपोसक्शन और सर्जिकल विधियों द्वारा अतिरिक्त वसा और ग्रंथि युक्त टिश्यूज को हटा दिया जाता है। कुछ मामलों में ऊपरी त्वचा को भी टाइट करना पड़ता है। यह सर्जरी लोकल या जनरल एनेस्थीसिया देकर की जा सकती है। निप्पल एरिया के निचले भाग में एक छोटा छेद किया जाता है जिसके जरिए लाइपोसक्शन कैन्युला या ट्यूब को भीतर डाला जाता है। कितनी वसा निकालनी है, इसके आधार पर सर्जरी में 1 से 2 घंटे लग सकते हैं। जनरल एनेस्थीसिया देकर सर्जरी करनेपर मरीज को एक रात के लिए अस्पताल में रुकना पड़ता है।

आधुनिक सर्जरी-पुल-थ्रू प्रोसीजर: यह एक आधुनिक और बेहद कम चीरफाड़ वाली सर्जरी है। इसमें एक छोटे से छिद्र के जरिए वसा या चर्बी और ग्रंथियुक्त टिश्यूज को बाहर निकाला जाता है। इस प्रक्रिया का लाभ यह है कि इसमें निशान कम पड़ते हैं और कोई रिक्त स्थान बाकी नहीं रहता। इससे तेजी के साथ रोगी ठीक होता है और कम से कम निशान दिखाई देते हैं। रोगी को उस जगह पर कुछ पीड़ा, खरोंच व सूजन का अनुभव होता है, किंतु ये सब परेशानियां कुछ ही दिनों में ठीक हो जाती हैं। मरीज को कुछ दिनों के लिए काम से छुट्टी लेनी पड़ सकती है और कुछ समय के लिए ऐसी गतिविधियों से परहेज करना पड़ता है, जिनसे शरीर पर दबाव पड़ता हो। शरीर को कस के रखने के लिए एक विशेष प्रकार का इलास्टिक कपड़ा चार से छह हफ्ते के लिए पहनाया जाता है। सर्जरी किए गए स्थान पर संक्रमण या निशान रह जाने का जोखिम बहुत कम होता है।

स्मार्ट बैंडेज से जल्द भरेगा जख्म

इन दिनों वैज्ञानिक ऐसा बैंडेज बनाने में जुटे हैं जिससे जख्म तेजी से भर सके। आमतौर पर घाव भरने में देरी के कारण संक्रमण का खतरा ज्यादा रहता है। इसी वजह से वैज्ञानिकों ने स्मार्ट बैंडेज बनाने पर काम शुरू किया है। स्विनबर्न यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी के वैज्ञानिकों ने स्मार्ट बैंडेज बनाने के लिए इलेक्ट्रोस्पिनिंग तकनीक का सहारा लिया है।

ऐसे काम करेगा: नई प्रक्रिया में विद्युत आवेशित नॉजल से मानव बाल से भी सौ गुना पतले पॉलीमर फिलामेंट को निकाला जाता है। इससे एक जाली बनाई जाती है जो जख्म में मौजूद बैक्टीरिया को अपनी ओर खींचते हैं। पहले चरण में पॉलीमर नैनोफाइबर को घाव के ऊपर लगाया जाएगा जो उसमें मौजूद संक्रमणकारी बैक्टीरिया को खत्म करने में सहायक होगा। फाइबर बैक्टीरिया से भी छोटे होंगे और इसमें चिपकते ही मर जाएंगे। दूसरे चरण में नैनोफाइबर पर अनेक यौगिक पदार्थों का लेप चढ़ाकर उसका एशरीकिया कोली बैक्टीरिया पर परीक्षण किया जाएगा। तीसरे चरण में टिश्यू-इंजीनियर्ड स्किन मॉडल पर इसका इस्तेमाल किया जाएगा।

रेनाड्स सिंड्रोम

उंगलियों की करें हिफाजत

रेनाड्स सिंड्रोम नामक रोग का प्रकोप सर्दियों के मौसम में ज्यादा होता है। वैसे तो इस बीमारी की रोकथाम संभव है, लेकिन अगर कोई शख्स किन्हीं कारणों से इस रोग से ग्रस्त हो ही गया, तो इसका समुचित इलाज संभव है। क्या है रेनाड्स सिंड्रोम का इलाज...? जैसे-जैसे नए व्यवसाय खुलते जा रहे हैं, वैसे-वैसे रेनाड्स रोग फैलता जा रहा है। खाद्य संरक्षण उद्योग से जुड़े कर्मचारियों में रेनाड्स रोग की संभावना बढ़ रही है। ऐसा इसलिए, के हाथों का ठंडे और गर्म पानी से जल्दी-जल्दी संपर्क होता रहता है। आइसक्रीम फैक्ट्री में काम करने वाले श्रमिकों में रेनाड्स रोग का खतरा हमेशा मंडराता है।

रेनाड्स रोग की संभावना उन लोगों में भी होती है, जो चक्करदार गतिशील उपकरणों का बहुत इस्तेमाल करते हैं। जैसे ड्रिलिंग मशीन, मिक्सी व ब्यूटी पार्लर में काम आने वाला हेयर ड्रायर। पियानो, हारमोनियम व टाइपिंग मशीन पर ज्यादा समय बिताने वाले लोग भी रेनाड्स रोग से ग्रस्त हो सकते हैं। रेनाड्स सिंड्रोम से ग्रस्त 50 प्रतिशत मरीज आटोइम्यून रोग (शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता की कमजोरी से होने वाले रोग) से पीड़ित होते हैं। इनमें स्क्लीरोडर्मा नामक आटोइम्यून रोग रेनाड्स सिंड्रोम का बहुत बड़ा कारण हैं। इसके अलावा गर्दन की मांसपेशियों पर अनावश्यक रूप से अत्यधिक दबाव पढ़ने पर भी रेनाड्स हो सकता है।

रोग का स्वरूप: इस रोग में आमतौर पर हाथ और पैर की अंगुलियों की धमनियां (आर्टरीज) ही प्रभावित होती हैं। ये धमनियां हाथ और पैर को शुद्ध खून और ऑक्सीजन की सप्लाई करती हैं। अधिक ठंड होने या अत्यधिक मानसिक तनाव होने पर हाथ और पैर के निचले हिस्से की धमनियां अचानक थोड़ी देर के लिए सिकुड़ जाती हैं। इससे शुद्ध रक्त का बहाव और ऑक्सीजन की सप्लाई एकाएक रुक जाती है। इसके बाद अशुद्ध और ऑक्सीजन रहित खून के एकत्र हो जाने की वजह से अंगुलियां धीरे-धीरे नीली पड़ जाती हैं। कुछ देर के बाद धमनियां पूर्वावस्था में लौट आती हैं। अंगुलियों का पीला, फिर नीला और उसके बाद लाल हो जाने की प्रक्रिया बार-बार होती रहती है।

क्या करें: रेनाड्स रोग से ग्रस्त व्यक्तियों को शीघ्र ही किसी वैस्क्युलर सर्जन से परामर्श करना चाहिए। डॉक्टर की निगरानी में जरूरी जांचें करवाकर अपना इलाज शुरू कराना चाहिए।

जांचें: डॉप्लर स्टडी की विशेष तकनीक, डिजिटल फोटोप्लेथिस्मोग्राफी और ऑक्ल्यूसिव डिजिटल हाइपोथर्मिक चैलेंज टेस्ट आदि आधुनिक जांचों का भी सहारा लेना पड़ता है। कभी-कभी हाथ की एंजियोग्राफी करने की भी आवश्यकता पड़ती है। इसके अलावा एक्स रे और सीटी स्कैन से भी रेनाड्स के कारणों का पता चलता है।

इलाज

रेनाड्स सिंड्रोम का इलाज आमतौर पर दवाओं से किया जाता है। इसके अलावा हाथों का तापमान नियंत्रित करने के लिए 'बॉयो फीडबैक' की तकनीक का सहारा लिया जाता है। अगर दवाओं से इसके लक्षण नियंत्रित नहीं होते हैं, तो सरवाइकल सिम्पेथेक्टॅमी नामक ऑपरेशन करना पड़ता है। इस ऑपरेशन से छोटी धमनियों के सिकुड़ने की प्रक्रिया ढीली पड़ जाती है।

लक्षण

- अगर सर्दियों के मौसम में आपके हाथों या पैरों की अंगुलियों की त्वचा का रंग बदलता हो। जैसे पहले पीला फिर हल्का नीला और उसके बाद लाल हो जाता हो।
- अंगुलियों में हल्की सूजन और झनझनाहट रहती हो।
- सुबह के वक्त हाथ या पैर की अंगुलियों में लाल रंग के गोल चकत्ते उभर आते हों।
- उपर्युक्त लक्षण रेनाड्स सिंड्रोम नामक रोग से संबंधित हैं। यह बीमारी आमतौर पर 40 वर्ष से कम उम्र के लोगों खासकर 40 वर्ष से कम उम्र की महिलाओं को पुरुषों की तुलना में अधिक होती है।

बचाव

रेनाड्स सिंड्रोम से बचने के लिए लोगों को धूम्रपान और तंबाकू उत्पादों के सेवन से परहेज करना चाहिए। इस रोग से ग्रस्त महिलाओं को गर्भ निरोधक गोलियों का सेवन और ब्लडप्रेशर के इलाज के लिए प्रयुक्त होने वाली दवा बीटा ब्लाकर का प्रयोग नहीं करना चाहिए। ब्लड प्रेशर को नियंत्रित रखने के लिए बीटा ब्लाकर की बजाय अन्य दवाओं का इस्तेमाल करना चाहिए। हाथों को बार-बार डिटर्जेंट, साबुन से नहीं धोना चाहिए और त्वचा को मुलायम रखने के लिए तेल और क्रीम का प्रयोग करना चाहिए। अगर अंगुलियों में घाव हो, तो गुनगुने पानी में हाथ डुबोकर साफ करें और डॉक्टर के परामर्श से मलहम का प्रयोग करें।

सावधानियां बरतें: ■ हर हाल में ठंडे पानी के संपर्क में न आएं। सर्दी के मौसम में हाथों व पैरों में गर्म ऊनी दस्ताने व जुराब का इस्तेमाल करें। ■ रेफ्रिजरेटर में अपना हाथ न डालें। खुले फ्रिज के आगे न खडे हों। डीप फ्रीजर(बर्फ जमाने वाला फ्रिज का ऊपरी हिस्सा में से अपना हाथ डालकर कोई सामान न निकालें। ■ घर में बर्तन व प्लेट धोने के वक्त या रसोईघर में सिंक में काम करते समय रबर के दस्ताने अवश्य पहनें। ■ घर में कभी नंगे पैर न चलें। ■ डिटर्जेंट पाउडर व कपड़े धोने वाले साबुन का हाथों से इस्तेमाल न करें।

मस्कुलर डिस्ट्राफी का माकूल इलाज

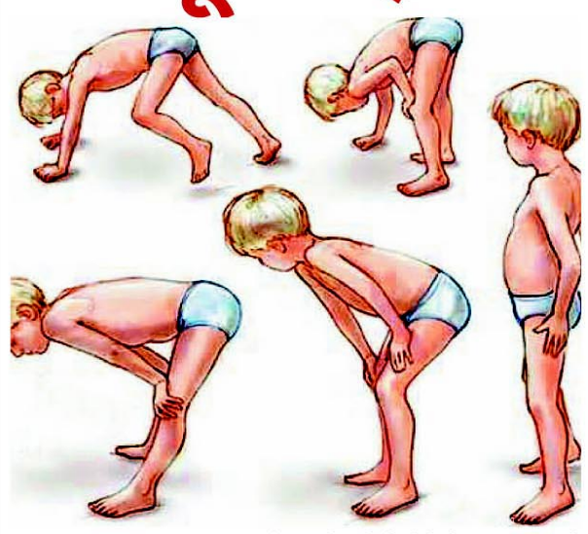

मस्कुलर डिस्ट्राफी मूल रूप से मांसपेशियों के रोगों के एक समूह को कहते हैं, जिसमें लगभग 80 प्रकार की बीमारियों को शामिल किया जाता है। इन रोगों में सबसे खतरनाक और जानलेवा बीमारी ड्यूशेन मस्कुलर डिस्ट्राफी है। दुनिया भर में 3500 बच्चों में से एक बच्चा इस रोग से ग्रस्त होता है। दुनिया में भारत को स्टेम सेल थेरेपी के डेस्टिनेशन (उपयुक्त स्थान) के रूप में देखा जा रहा है। इसलिए जब मारीशस स्थित मस्कुलर डिस्ट्राफी एसोसिएशन को भारत में इस सुविधा की जानकारी मिली, तब उन्होंने ड्यूशेन मस्कुलर डिस्ट्राफी से पीड़ित बच्चों को इलाज के लिये भारत भेजना शुरू किया। बीते दिनों 10 वर्षीय टोशन रामखिलावन स्टेम सेल थेरेपी के लिए देश में लगभग दो माह तक रुका था और इस छोटे से समय में भी उसकी मांसपेशियों की ताकत लगभग 25 प्रतिशत तक वापस आ चुकी है, जबकि वह पिछले एक वर्ष से अपने बिस्तर पर ही सीमित रह गया था।

राहत की दरकार: चूंकि मारीशस के मरीज वहां की सरकार और मस्कुलर डिस्ट्राफी एसोसिएशन से मदद पाते हैं। इसलिए किसी प्रकार अपना इलाज करवा लेते हैं, लेकिन अपने देश के गरीब मरीजों का बुरा हाल है। स्टेम सेल थेरेपी ड्यूशेन मस्कुलर डिस्ट्राफी के अलावा अन्य प्रकार की मस्कुलर डिस्ट्राफी के इलाज में अन्य चिकित्सकीय विधियों की तुलना में बेहतर है। ऐसा इसलिए, क्योंकि इस रोग के इलाज में ज्यादातर चिकित्सक कॉर्टीसोन या स्टेरायड नामक दवाओं का प्रयोग करते हैं, लेकिन अंत में ये दवाएं अपने दुष्प्रभावों के चलते बच्चों में डाइबिटीज, शरीर में पानी भरना और हड्डियों का खोखलापन आदि विकार उत्पन्न कर देती हैं। जबकि स्टेम सेल थेरेपी में शरीर में ऊर्जा और स्फूर्ति के साथ नई मांसपेशियों का निर्माण होता है।

मुख्य लक्षण

- शुरू में बच्चा तेज चलने पर गिर जाता है।
- पीड़ित बच्चा जमीन से उठने में घुटने का सहारा लेकर या फिर घुटने पर हाथ रखकर उठता है।
- वह मुश्किल से सीढियां चढ़ पाता है या फिर धीमे-धीमे चढ़ता है।
- पैर की पिंडलियां मोटी हो जाती हैं।
- बच्चा थोड़ा सा भी दौड़ने पर थक जाता है।

कारण

मस्कुलर डिस्ट्राफी जीन में आयी विकृति के कारण होता है, लेकिन इसके लक्षण सिर्फ लड़कों (मेल चाइल्ड) में ही पाए जाते हैं। जबकि लड़कियों में जीन विकृति आने पर वे कालांतर में विवाह के बाद अपनी संतानों को ये बीमारियां दे सकती हैं।

रोकथाम

गर्भवती महिलाओं को 10 से 12 हफ्ते के गर्भकाल के दौरान एमनिओटिक फ्लूड्स की जेनेटिक जांच करानी चाहिए।

शरीर में इसकी पूर्ति के लिए करते रहें जरूरी चीजों का सेवन

प्राणघातक हो सकती है कैल्शियम की कमी

कैल्शियम को हमेशा से ही मजबूत हड्डियों और दांतों के लिए आवश्यक माना जाता रहा है, लेकिन नए शोधों के अनुसार इसके अतिरिक्त भी कैल्शियम हमारे शरीर के लिए कई बीमारियों को दूर रखने में सहायता करता है। हड्डियां हमारे शरीर के लिए कैल्शियम के स्टोर का कार्य करती हैं, जहां से आवश्यकतानुसार शरीर कैल्शियम लेता रहता है।

शरीर होता है कमजोर

हमारे भोजन से हड्डियों को कैल्शियम मिलने और हड्डियों से शरीर को कैल्शियम मिलने की प्रक्रिया के लिए विटामिन 'डी' की उपस्थिति अनिवार्य है। विशेषज्ञों के अनुसार हर वयस्क को न्यूनतम 1000 मिलीग्राम कैल्शियम की दैनिक आपूर्ति होनी आवश्यक है। यदि भोजन से इतना कैल्शियम नहीं मिल पाता तो हमारे शरीर को पैराथायराइड हार्मोन विटामिन 'डी' के सहयोग से हड्डियों से रक्त का कैल्शियम स्थानांतरित कर देता है। जिससे हमारे शरीर में कमजोरी की शिकायत आने लगती है।

अपने आहार को करें संयोजित...

हम अपने आहार को इस प्रकार संयोजित करें कि हमें लगभग 1200 मिग्रा कैल्शियम प्रतिदिन मिलता रहे। 240 मिली गाय के दूध में 288 मिग्रा कैल्शियम होता है, जबकि 200 ग्राम दही में 268 मिग्रा कैल्शियम होता है। 100 ग्राम सूखे नारियल में 400 मिग्रा कैल्शियम होता है, जबकि 100 ग्राम खजूर में 120 मिग्रा कैल्शियम होता है। गुड़, पनीर, सोयाबीन, फूलगोभी व मछलियों में भी कैल्शियम पाया जाता है।

पेट के कैंसर से करता है बचाव...

हमारे शरीर में बहुत से सेल बनते रहते हैं और समाप्त होते रहते हैं। पेट के अंदर ऐसे सेल प्रायः 3 से 10 दिन में बदल जाते हैं पर कभी-कभी ये सेल तीव्र गति से बढ़ने लगते हैं, जिससे पेट के कैंसर की संभावना हो सकती है। अमेरिकन मेडिकल एसोसिएशन जर्नल में प्रकाशित एक लेख के अनुसार जिन लोगों में पेट के कैंसर की संभावना थी, उन्हें 1500 मिग्रा कैल्शियम प्रतिदिन दिए जाने पर सेलों में बढ़ोत्तरी ठीक हो गई।

बोलने की प्रैक्टिस करें...

अगर आप लोगों से संपर्क करने और उनके बीच खुल कर बोलने में असहज महसूस करते हैं तो आज से ही इसे बदलने की कोशिश शुरू करें। अंतर्मुखी प्रकृति सफलता में बड़ी बाधा भी बन सकती है। खुद पर विश्वास है तो लोगों के बीच घबराना कैसा? अगर किसी को अचानक एक बड़े जनसमूह के सामने कुछ बोलने के लिए कह दिया जाए तो अधिकतर लोग बुरी तरह घबरा जाते हैं। हालांकि इस बात का आपकी योग्यता से कोई लेना-देना नहीं होता, फिर भी यह बात आपकी छवि को नकारात्मक रूप से प्रभावित करती है। ऐसा पढ़ाई के दिनों में, नौकरी के लिए दिए जाने वाले साक्षात्कार के समय, नौकरी के दौरान या कभी भी हो सकता है। इससे लोग आपका सही मूल्यांकन नहीं कर पाते और आप कई अवसरों से चूक जाते हैं। इस हिचक को तोड़ना बहुत मुश्किल भी नहीं है। यह हिचक तोड़ कर आप सफलता के कुछ और करीब हो जाएंगे। बस आपको अपने डर पर काबू पाना होगा।

मजबूत पक्ष याद रखें

दूसरों के सामने बोलने में होने वाली हिचक दरअसल सोशल एंग्जाइटी का नतीजा होती है। ऐसे में आप अपना उद्देश्य याद रखें, ना कि उसमें अपनी सफलता या असफलता। अपनी कमजोरियों के बारे में सोचने की बजाय अपने व्यक्तित्व के मजबूत पक्ष के बारे में सोचें। उन वजहों को तलाशने की कोशिश करें, जिनके कारण आपको झिझक या संकोच महसूस होता है। इसकी तीन संभावित वजहें हो सकती हैं। मुमकिन है कि आप खुद को लेकर आश्वस्त न हों। खुद के बारे में जरूरत से ज्यादा सोचते हों या जब कोई आपकी तारीफ करता है तो आप उस पर यकीन न कर पाते हों। इसे दूर करने के लिए लोगों के बीच बोलने की प्रैक्टिस कर सकते हैं। प्रेरक किताबें पढ़ें। यदि आवश्यकता लगे तो काउंसलर की सहायता भी ले सकते हैं।

परिचितों से करें शुरुआत

लोगों के बीच आत्मविश्वास से बोलने के अभ्यास की पहल दोस्तों से करें। जब आप यहां सहज महसूस करने लगें, तब अपरिचितों के बीच इसे आजमाएं। इसे भी एक-दो लोगों से ही शुरू करें। अगर आप शुरू में ही सीधे बड़े समूह में बात रखने की कोशिश करेंगे तो बहुत अधिक दबाव होने के कारण संभवतः कठिनाई भी ज्यादा होगी। आप पाएंगे कि दो व्यक्तियों के सामने बोलने में आपको तुलनात्मक रूप से ज्यादा आसानी हुई और यह भी कि जल्द ही आपकी हिचक टूट गई और अब विशाल जनसमूह में भी अपनी बात रखने में कोई परेशानी नहीं हो रही है।

अभ्यास की है जरूरत

हिचक मिटाने के लिए आपको नियमित रूप से प्रयास करना जरूरी है। अपने डर पर आपको विजय पानी होगी। उसे खुद पर हावी न होने दें। शुरू-शुरू में ऐसा करने में आप खुद को असहज महसूस करेंगे, लेकिन लगातार प्रयास करते रहें। धीरे-धीरे आप महसूस करेंगे कि आपको अब अपनी बात रखने के लिए प्रयास नहीं करना पड़ रहा है, आप बड़ी सहजता से अपनी बात रख पा रहे हैं।

बेवजह के परिचय से बचें

बड़ा सामाजिक दायरा होने का एक अर्थ यह भी है कि आपको लोगों का सामना करने में हिचक नहीं होती। यह आपके आत्मविश्वासी व्यक्तित्व का द्योतक भी है। आप भी अपना सोशल सर्कल बड़ा करें। इसके लिए खुद अपने क्षेत्र से जुड़े कार्यक्रमों पर नजर रखें। अपने परिचितों से यह कह सकते हैं कि वे ऐसे कार्यक्रमों की जानकारी आपको दे दिया करें। एक समय के बाद आप अपनी मर्जी से भी आयोजनों को चुनें कि कहां जाना है या नहीं जाना है। इसका एक कारण यह भी है कि अंतर्मुखी ना होने का मतलब यह नहीं है कि हर जगह या समूह में आपकी उपस्थिति जरूरी हो। बेमतलब किसी ईवेंट या समूह में न जाएं।

अपनी तैयारी पूरी रखें

अगर आप सच में लोगों का ध्यान अपनी ओर आकर्षिक करना चाहते हैं तो इस नुस्खे को आजमाएं। अगर आप किसी सामूहिक आयोजन में जा रहे हैं या कई लोगों के सामने आपको कुछ बोलना है तो विषय आदि के बारे में पूरी जानकारी कर लें। अपनी भाषा पर भी खास ध्यान दें। ऐसी स्थिति में उच्चारण, शब्दों के उचित चयन आदि का विशेष महत्व होता है। उस कार्यक्रम की पूरी रूप-रेखा और वहां आने वाले मेहमानों के बारे में मुकम्मल जानकारी रखें।

अनौपचारिक आयोजनों में वहां आने वाले आगंतुकों की मदद करें, उन्हें कार्यक्रम और मेहमानों के बारे में अपनी तरफ से पहल कर बताएं। इस तरह से आप वहां आने वाले दूसरे लोगों की मदद कर अपनी छवि बेहतर बना सकते हैं और लोग आप पर ध्यान देंगे।

मुस्कराहट से काम लें

किसी भी प्रेजेंटेशन में या कि किसी सामाजिक स्थिति में कई लोगों के बीच मुस्कराहट से आपकी छवि का तुरंत प्रभाव बनता है। इसी से अपनी बात की शुरुआत करें। मुस्कराहट से मानसिक तनाव भी कम हो जाता है और आप ज्यादा आत्मविश्वास अनुभव करते हैं। सुनने वालों से आपका एक जुड़ाव तुरंत बन जाता है। औपचारिक या अनौपचारिक माहौल में भी बोलते समय मुस्कराहट महत्वपूर्ण मानी जाती है।

कैसी हो प्रोफाइल पिक्चर?

सोशल नेटवर्किंग साइट पर आपकी प्रोफाइल पिक्चर आपके बारे में बहुत कुछ बयान करती है। जब भी आप किसी से बात करते हैं तो आपका यही चेहरा दूसरों के सामने होता है। एक अच्छी प्रोफाइल तस्वीर से आपका प्रभाव बेहतर होता है। आपकी प्रोफाइल पिक्चर में आपका मुस्कुराता हुआ चेहरा होना चाहिए। प्रोफाइल में ग्रुप फोटो लगाने से बचना चाहिए। इस तरह की तस्वीर से किसी के लिए आपको पहचानना कठिन होता है। अपने पालतू जानवर के साथ प्रोफाइल पिक्चर लगाना भी ठीक नहीं माना जाता है. पेट्स के साथ खींची पिक्चर्स को एल्बम में रखना ठीक है लेकिन प्रोफाइल पिक्चर बनाना ठीक नहीं।

जॉब छोड़ने के पहले क्या करें...?

क्या आप अपनी मौजूदा कंपनी छोड़ कर किसी अन्य कंपनी में नौकरी करने की तैयारी कर रहे हैं? अगर ऐसा है, तो जॉब छोड़ने की प्रक्रिया के दौरान कुछ खास बातों का ख्याल रखना चाहिए, ताकि कोई समस्या पैदा न हो। अगर आप कंपनी छोड़ रहे हैं, तो नोटिस या इस्तीफा देने से पहले बोनस आदि के नुकसान के बारे में जानकारी जुटा लें। अगर पेपरवर्क सही नहीं होगा, तो वित्तीय नुकसान भी उठाना पड़ सकता है। आपको कंपनी की अपेक्षाओं को समझने का प्रयास भी करना चाहिए।

बात पर कायम रहें: आपने अपनी पुरानी कंपनी से जो वायदा किया है, उसे निभाएं। आपकी पहचान आपके कमिटमेंट्स से होनी चाहिए। अगर आप किसी कंपनी को बीच में ही छोड़ते हैं, तो इससे कंपनी की योजनाओं पर नेगेटिव असर पड़ता है। सो, अपना प्रोजेक्ट पूरा करके ही कंपनी छोड़ें।

प्रोटोकॉल फॉलो करें: आपको कंपनी छोड़ने के बारे में एचआर या बॉस को सबसे पहले बताना चाहिए। ऐसा न हो कि दोस्तों और कलीग्स को इसके बारे में पहले पता लगे और बॉस को बाद में। अगर कंपनी के प्रति गुस्से को सबके सामने जाहिर करेंगे, तो गैर-पेशेवर माना जाएगा।

रेफरेंस तैयार करके जाएं: आपको आईटी, एचआर और बॉस को रेफरेंस, प्रूफ ऑफ सर्विस, सैलेरी सपोर्टिंग डॉक्यूमेंट आदि के लिए तैयारी करनी चाहिए। कई बार नई कंपनी लिखित में रेफरेंस मांगती है या मौजूदा बॉस से बात करवाने के लिए कहती है। इसलिए आपको प्रोफेशनल तरीके से इसका प्रबंध पहले ही कर लेना चाहिए।

दरवाजे खुले रखें

ध्यान रखें कि अगर नई कंपनी में आपकी चाहत के मुताबिक नही हुआ तो आपको कुछ महीने या सालभर बाद वापस अपनी पुरानी कंपनी में लौटना पड़ सकता है। इसलिए कंपनी छोड़ते समय कोई भी गलत व्यवहार नहीं करना चाहिए।

बात पते की

ज्यादातर लोग कंपनी छोड़ते वक्त सभी लोगों से मिल कर धन्यवाद कहना भूल जाते हैं। यह गलत असर डालता है। इसलिए सभी से मिल कर जाएं। इस्तीफा देने के बाद कई लोग कंपनी या बॉस के खिलाफ हर तरफ जहर उगलने लगते हैं। उनकी बुराई करने लगते हैं, यह गलती करने से बचें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम** ● **फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**